राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 06
आवाज की तबाही
PRATAP MULICK.
इस कॉमिक्स
के साथ
सुपर कमांडो ध्रुव का एक
आकर्षक स्टीकर
मुफ्त
सुपर कमांडो
ध्रुव

Hii Dear Friends,
This is the community for all those
out their with a passion for RajComics..
for all those who are willing to support
the comics industry by purchasing new comics
and sharing the old gems with fellow comic lovers!

Let's bring Rajcomics to its former glory..
Let's bring back our childhood memories..
Let's together inherit the tradition..and share the janoon!

Here You will find all New and Old Comics of Nagraj,Dhruv,Doga,
Parmanu,Steel,Gamraj,Shakti,Kobi-Bhediya,Bhokal,Bankelal,
Chacha Chaudhary,Billoo,Pinki,Ram-Rahim,Crookbond,Tausi,
Angara,Jamboo, and Many Many Many more Super Heroes.

Catch Out New Set Releases first Only in RCJ Community..
And many more weekly and Monthly Comics Marathon/Utsav.

So come forward and join Our Comics Janoon Team
RAJCOMICS HAI MERA JANOON
http://teamrcj.com

ध्वनि यानि आवाज के बगैर इस दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है।
संगीत की मधुर ध्वनि हमारे दिल को खुशी से भर देती है।
लेकिन यही ध्वनि जब एक सीमा पार कर जाती है तो यह विनाशकारी भी हो जाती है।
तेज संगीत सिर में दर्द पैदा कर देता है। रेल की तेज सीटी किसी को बहरा कर सकती है।
सुपरसोनिक वायुयानों का धमाका खिड़कियों के शीशे तोड़ सकता है।
और एक अतिशक्तिशाली ध्वनि तरंग गगनचुंबी इमारतों को भी पलभर में धूल में मिला सकती है।
यह विनाशकारी ध्वनि ऊर्जा जब किसी गलत हाथ में पड़ जाती है तो चारों तरफ फैल जाती है—

आवाज की तबाही

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्रः अनुपम सिन्हा
संपादनः मनीष चंद्र गुप्त
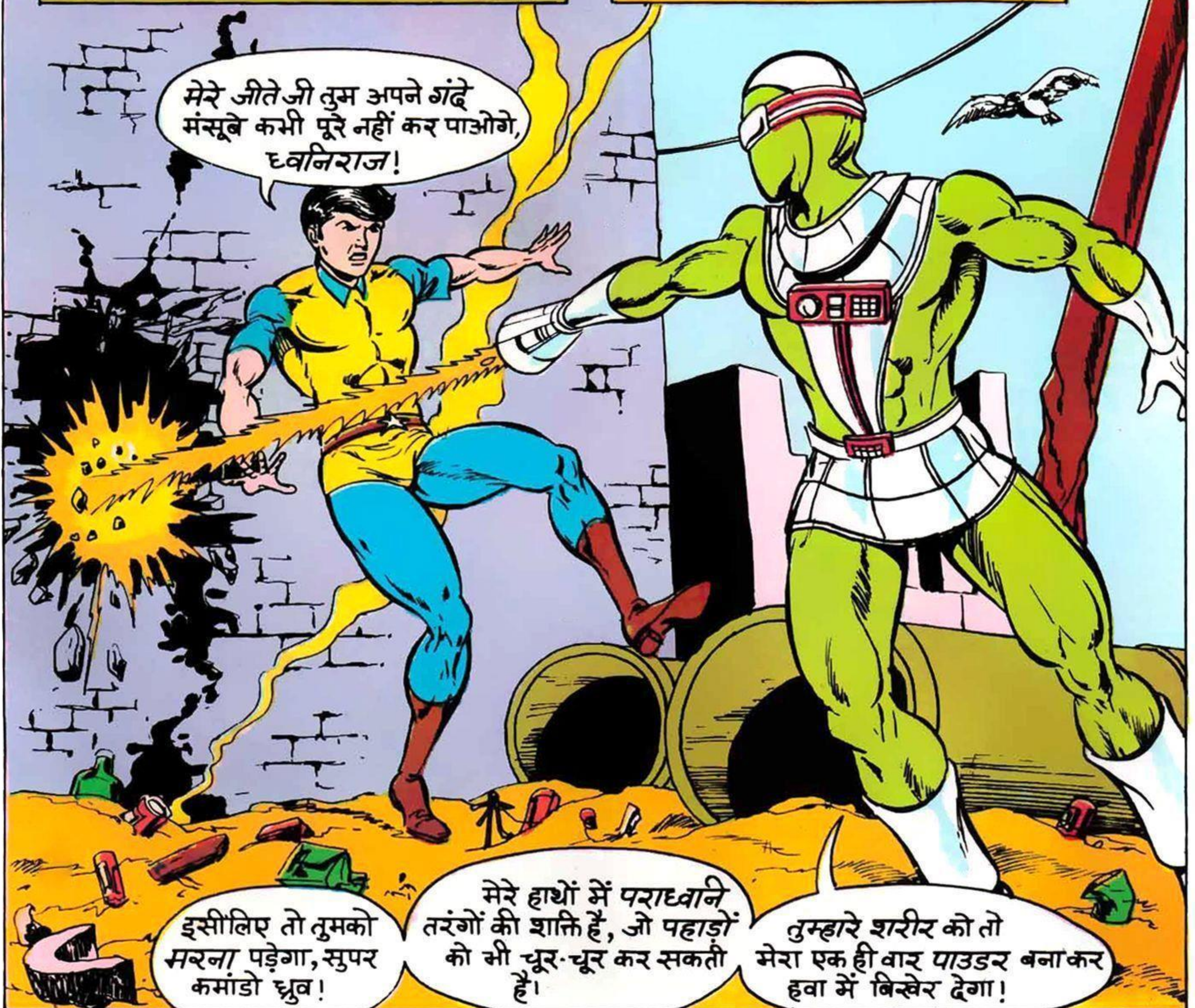
यह कहानी राजनगर यूनिवर्सिटी के 'साउंड रिसर्च सेंटर' से शुरू हुई थी, जहां पर बत्तियां आज देर रात तक जल रही थीं।
जाते-- आते मैं फिर कहूंगा कि आप एक महान वैज्ञानिक हैं, प्रोफेसर काले!
तुम तो मुझे खामख्वाह बड़ा बनाए दे रहे हो, पटेल!

नहीं, सर! आपने जिस 'अल्ट्रासोनिक गन' का अविष्कार किया है, उससे हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था कितनी मजबूत हो जाएगी, इसका अंदाजा आप नहीं लगा रहे हैं।
आज से हम, बगैर गोली-बारूद खर्च किए किसी भी हमलावर का मुंह तोड़ सकते हैं।

यह तो सच है, पटेल।
लेकिन मेरे असिस्टेंट होने के नाते, इस सफलता का आधा श्रेय तुमको भी जाता है।
कल जब मैं 'अल्ट्रासोनिक गन' के दोनों मॉडल रक्षा मंत्री को भेंट करने जाऊंगा, तब तुम भी मेरे साथ चलोगे।

थैंक्यू, सर!
गुड नाइट, पटेल!
आज रात मुझे ही लैब में ड्यूटी पर रहना है।
लेकिन पहले जरा खाना खा लूं। बड़ी कस के भूख लगी है। उसके बाद ड्यूटी देने जाऊंगा।

लेकिन यह देरी पटेल को काफी महंगी पड़ने वाली थी।
क्योंकि उसी वक्त- लैब के अंदर, एक रहस्यमय आकृति दरवाजे से घुस रही थी।
मैदान साफ है।
पर यह तो मुझे पहले से ही मालूम था।

और मुझे यह भी मालूम है कि 'अल्ट्रासोनिक गन' के दोनों मॉडल कहां रखे हुए हैं।
यह रहा छोटा मॉडल!

वाह! मुझपर एकदम फिट आया है।
लगता है जैसे मेरा ही नाप लेकर इसे बनाया गया हो।
अब 'अल्ट्रासोनिक-गन' का बड़ा मॉडल ले कर मैं रफूचक्कर...
ऐ! कौन हो तुम?

तु...तुम!! यहां पर क्यों...?
तुम जरा जल्दी वापस आ गए।
मेरा प्लान तो इन दोनों हथियारों को चुपचाप लेकर निकल जाने का था।
तुम अपने होश में नहीं हो। ये 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' हमारे देश की अमानत हैं।
इनको वापस रख दो, और मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगा।

अब मेरे लिए इसको वापस रखना संभव नहीं है।
इसके बाद मुझे सिर्फ एक चीज और चाहिए। नेशनल म्यूजियम से कोरखाब का हीरा!
उसके बाद मुझे कोई भी नहीं रोक सकेगा!
मेरा पूरा गैंग मेरा इंतजार कर रहा है।

मैं तुमको यहां से जाने नहीं...
ओह!
तुम समझते हो कि तुम मुझे रोक सकते हो, मूर्ख?...

...जबकि दोनों अल्ट्रासोनिक यंत्र मेरे कब्जे में हैं!
इस वक्त मैं इसे अकेला नहीं रोक सकता!
ओह! यह भाग रहा है!
मैं दोनों मशीनों को लेकर इसके पीछे नहीं जा सकता!

हैलो, गिरजा!
अभी-अभी लैब से घुंघराले बालोंवाला एक आदमी बाहर भागा है।...
...उसका जिंदा रहना मेरे लिए खतरनाक हो सकता है।...

...उसको खत्म कर दो।
समझ गया।
काम हुआ समझिए!
DELHI TRANSPOT
ILONP

रात के इस वक्त राजनगर की सड़कें सुनसान थीं।
और अधिकतर अपराधी घर के अंदर थे।
क्योंकि यह वक्त-
ध्रुव की रातकी गश्त का वक्त था।

और इस वक्त वह जान बचाकर भाग रहे पटेल से कुछ ही दूरी पर था।
?
यह आदमी रात के इस वक्त सड़क पर बेतहाशा क्यों भाग रहा है?

जरूर कुछ गड़बड़...!
तभी पूरी सड़क, तेज गति से आते एक ट्रक की हैडलाइटों से चमक उठी।
घर्ररररररररर
DELHI TRANSPORT
यह ट्रक ड्राइवर पिए हुए हैं क्या?

पटेल पलभर में यह समझ गया कि इस तेज गति से आते ट्रक का क्या इरादा है।

वह सड़क के किनारे की तरफ भागा।

लेकिन ट्रक ने उसका पीछा नहीं छोड़ा।

और ध्रुव के कुछ कर पाने से पहले ट्रक अपना काम कर चुका था।

यह क्या?

ट्रक ने इसको जानबूझ कर कुचला है! और ट्रक पर नंबर-प्लेट तक नहीं है!

ध्रुव को सही आभास हो रहा था।
क्योंकि नेशनल म्यूजियम में-
गॉर्ड तो ठिकाने लग गए। लेकिन म्यूजियम का दरवाजा कैसे खुलेगा?
खुलेगा नहीं... टूटेगा!
ऐसी मामूली चीजें अब मेरा रास्ता नहीं रोक सकतीं।

म्यूजियम के मजबूत द्वार से एक ध्वनितरंग टकराई।
और पूरा दरवाजा कांप कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर गया।
..लेकिन मेरी नजर में यह एक अपराध है।
MOST AMAZING ARTI
सुपर कमांडो ध्रुव!! यहां पर!
खत्म कर दो इसको!

अब बताओ! कहां है वह हीरा?
'कोरखाब के हीरे' को रात में सुरक्षा के लिए इस सेफ में बंद कर दिया जाता है!
इस खिलौने के अंदर? हाहा! ऐसे खिलौनों को तो मैं अपनी छींक से तोड़ देता हूं।
कोरखाब के हीरे की चोरी तुम्हारे लिए एक खेल जरूर हो सकता है,...

गोलियों की तड़तड़ाहट से सुनसान म्यूजियम गूंज उठा।
लेकिन ध्रुव अब अपने स्थान पर नहीं था।
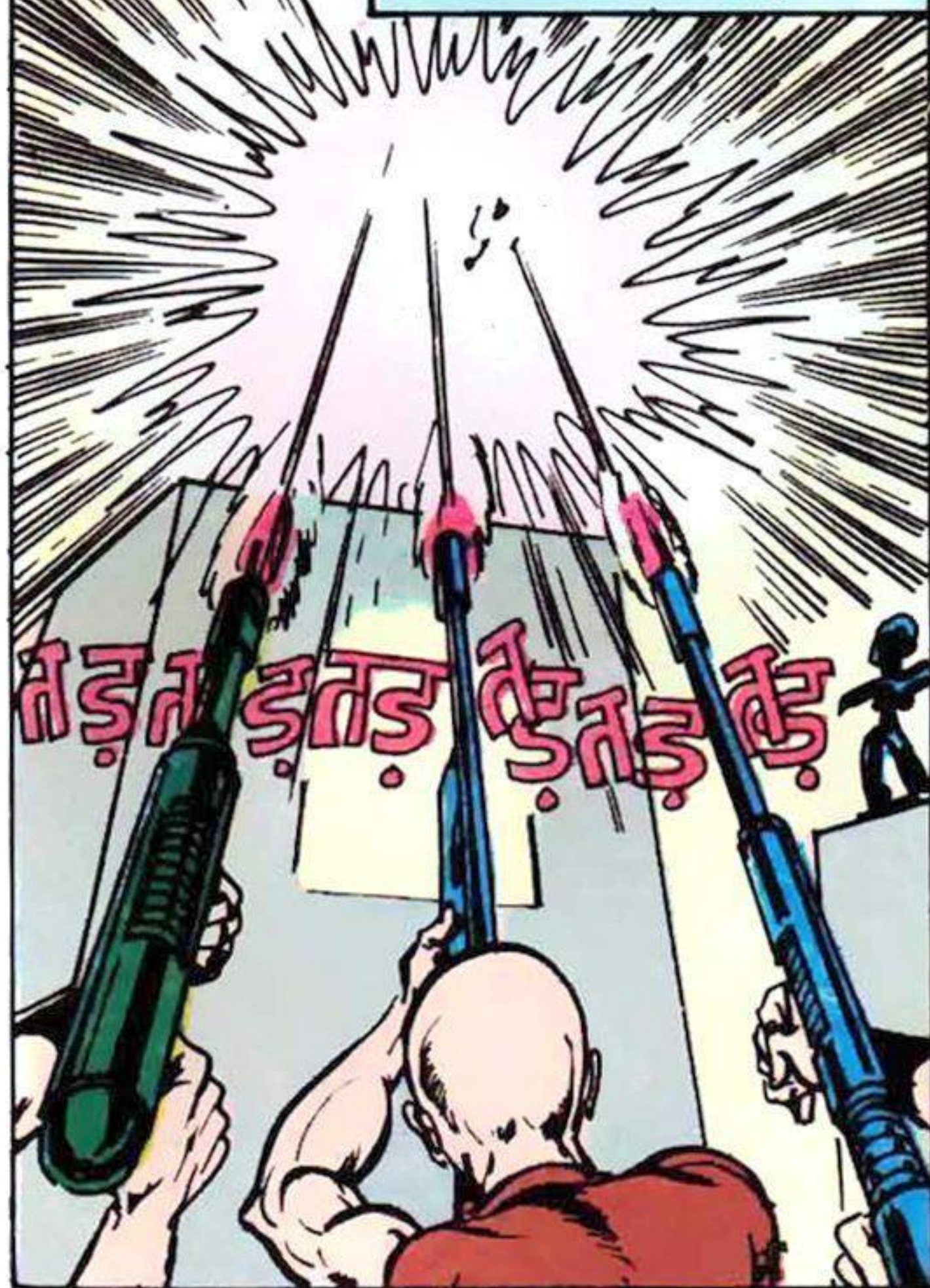
और इससे पहले कि बंदूकें दुबारा निशाना लगाने के लिए घूम पातीं...
ध्रुव ने सबके हाथों को खाली करा दिया।

धाड़

टिशूं

तड़ाक

अब तुम्हारा क्या इरादा है?

शायद तुम भी मुझसे दो-दो हाथ करना चाहोगे!

इन भुनगों को हरा कर यह मत समझो...

घातक ध्वनि तरंगों के बीच से अपना रास्ता बनाते हुए ध्रुव ध्वनिराज के पास पहुंचा।
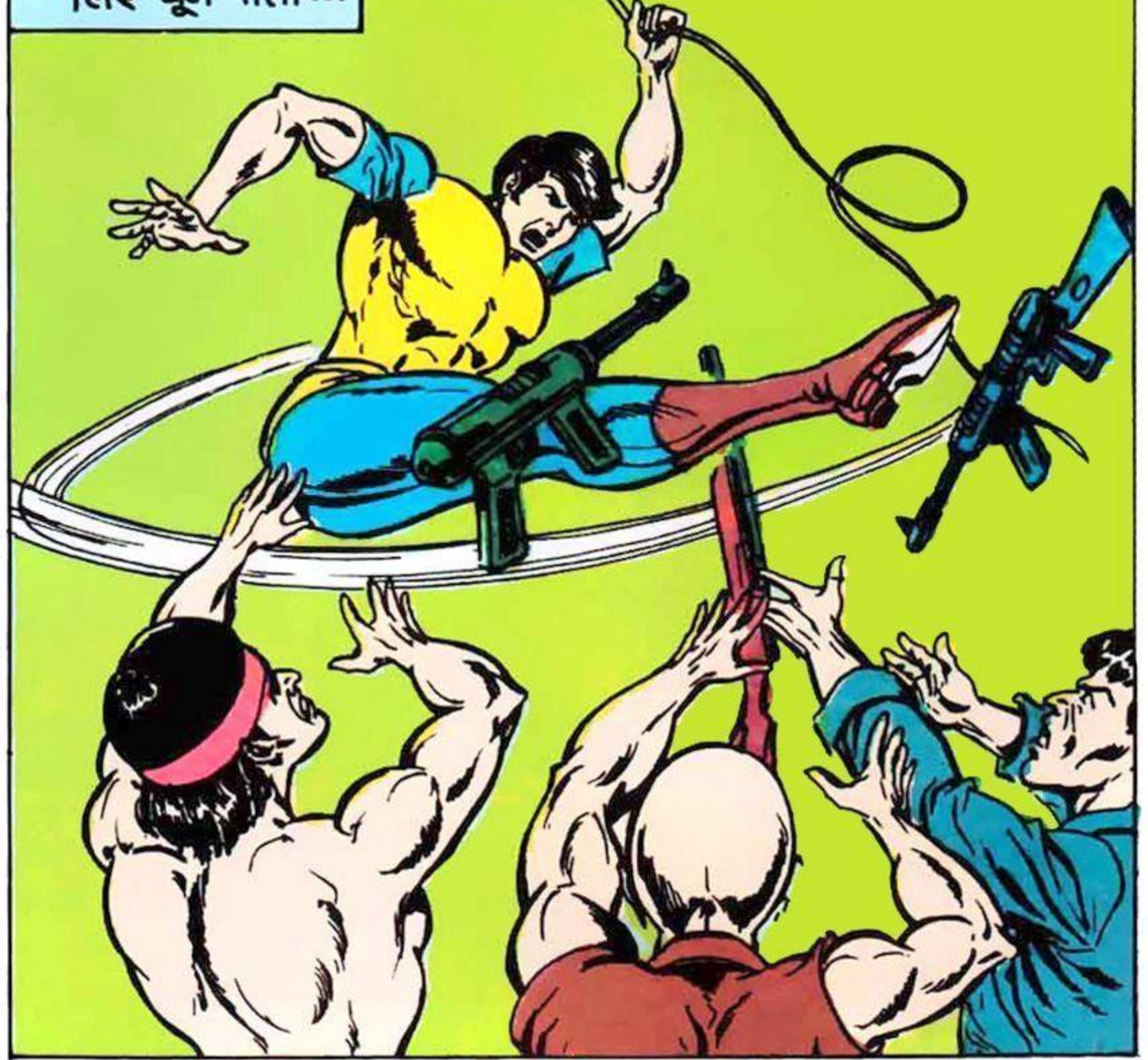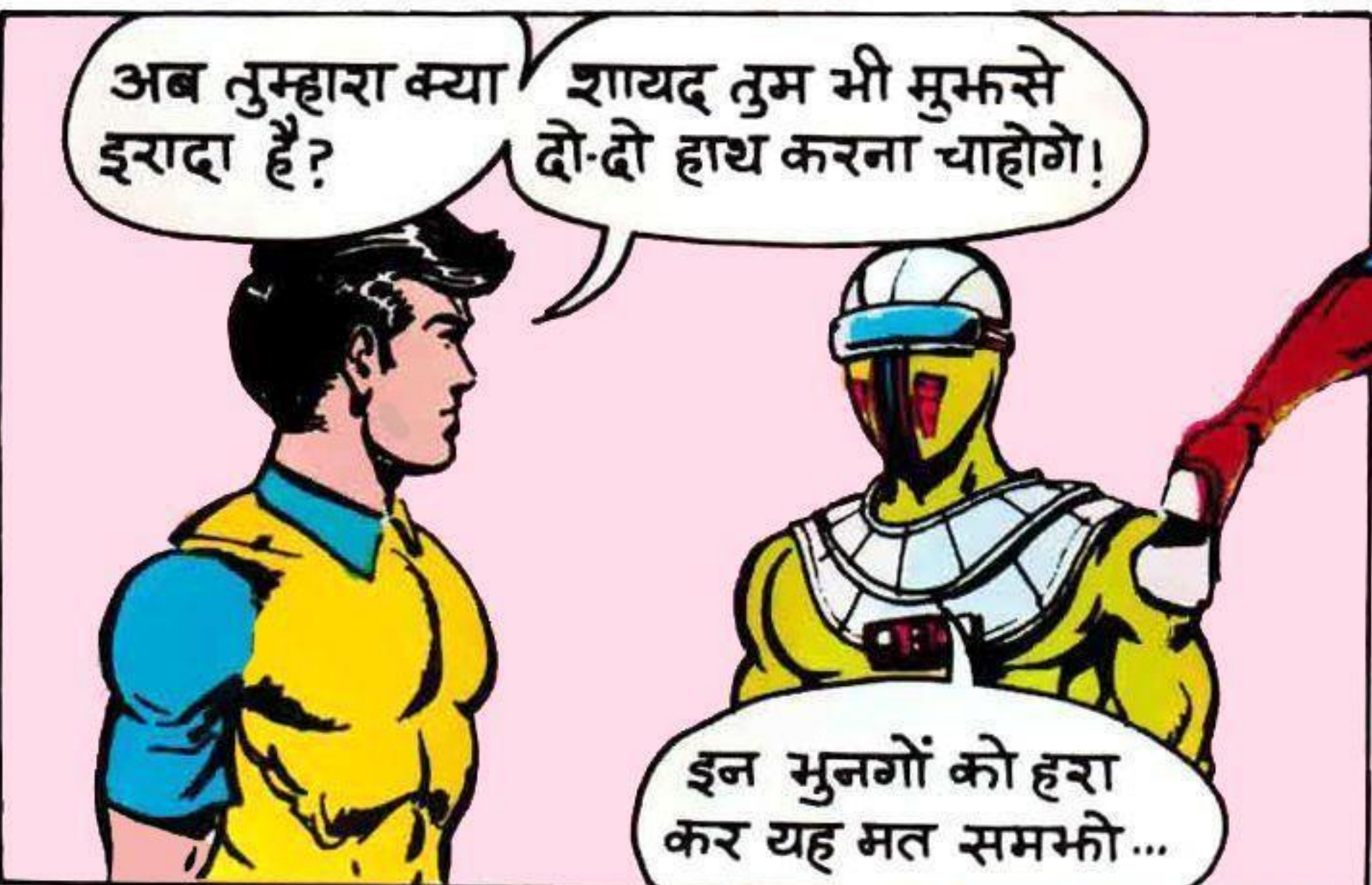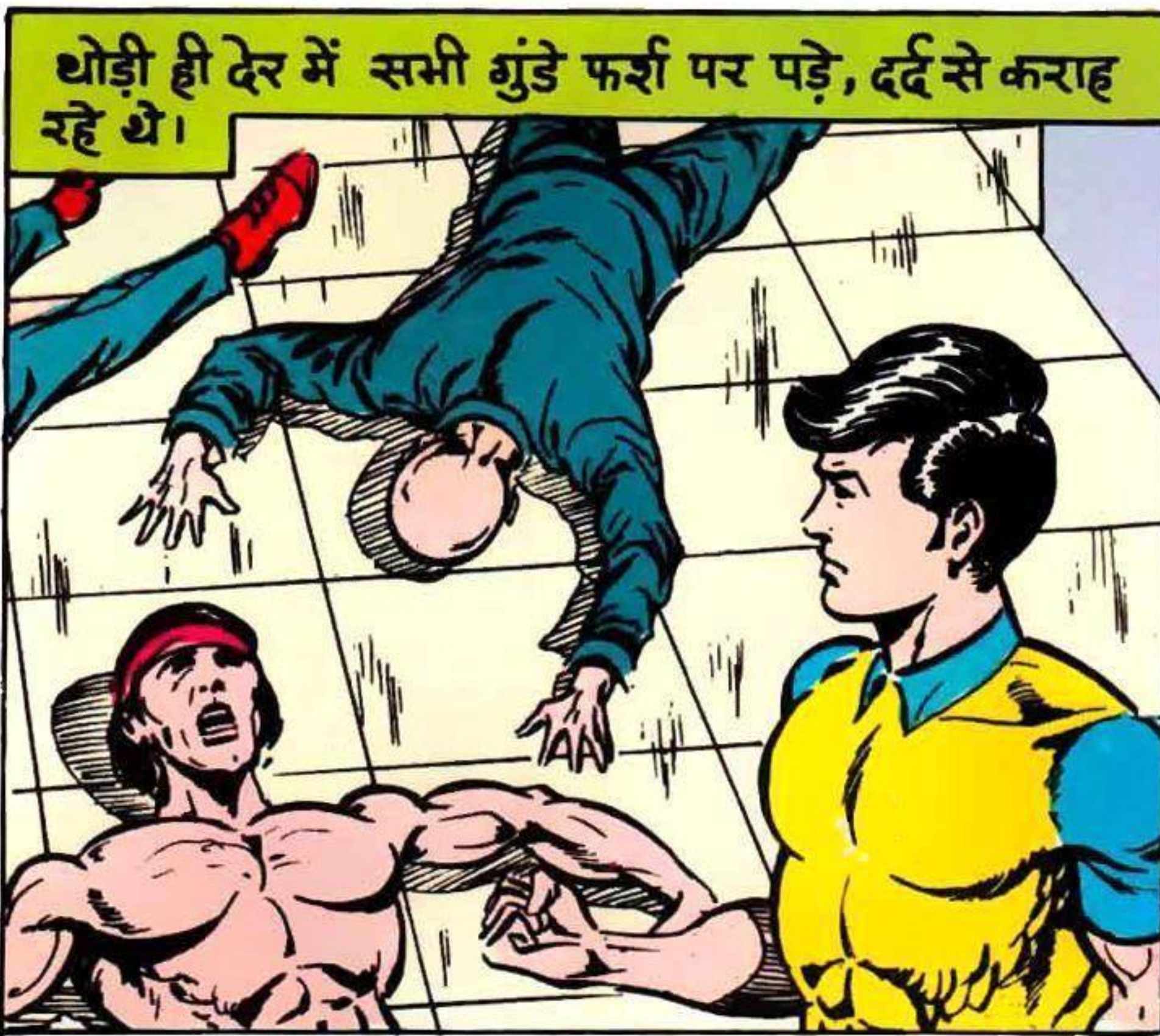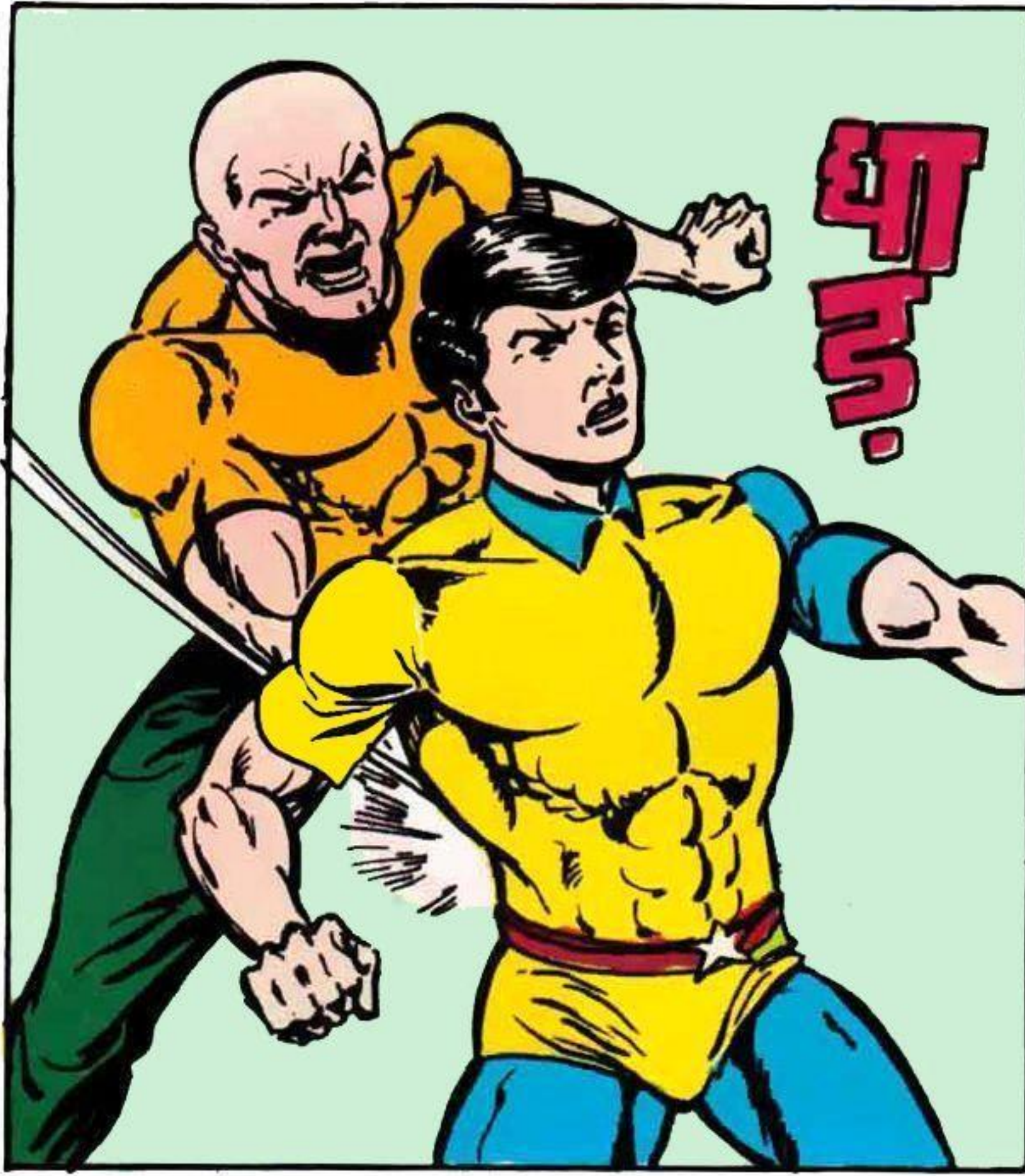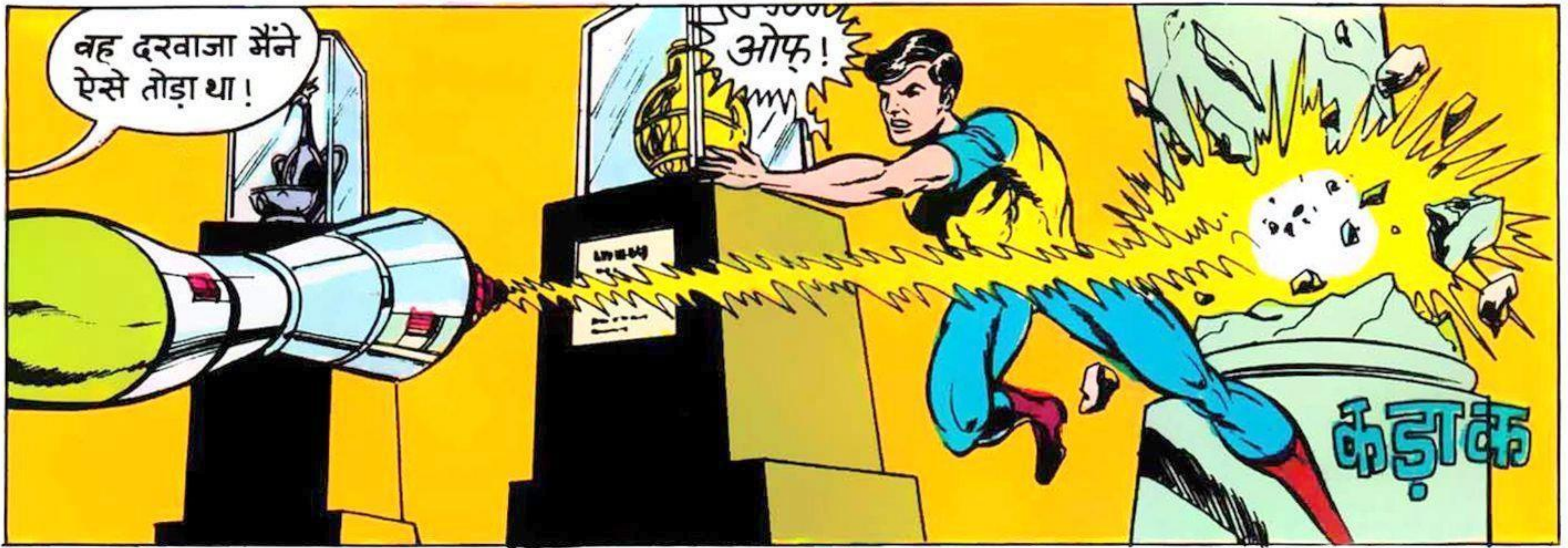
और एक ही सधे हुए वार से ध्वनिराज जमीन पर आ गिरा।
ताड़
आह!
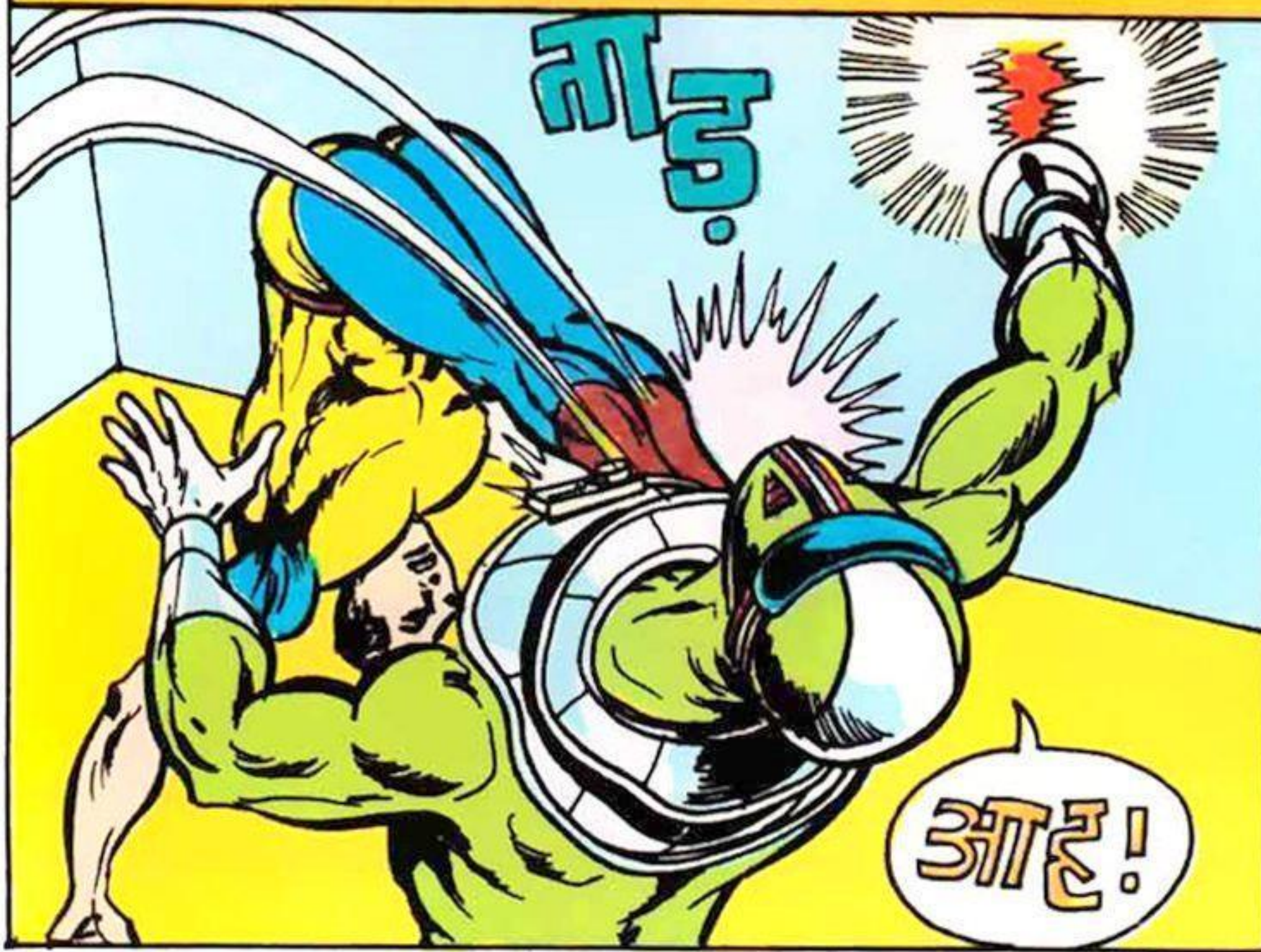
पलक झपकते ध्रुव ने ध्वनिराज के दोनों हाथों को अपने बूटों के नीचे दबा लिया।
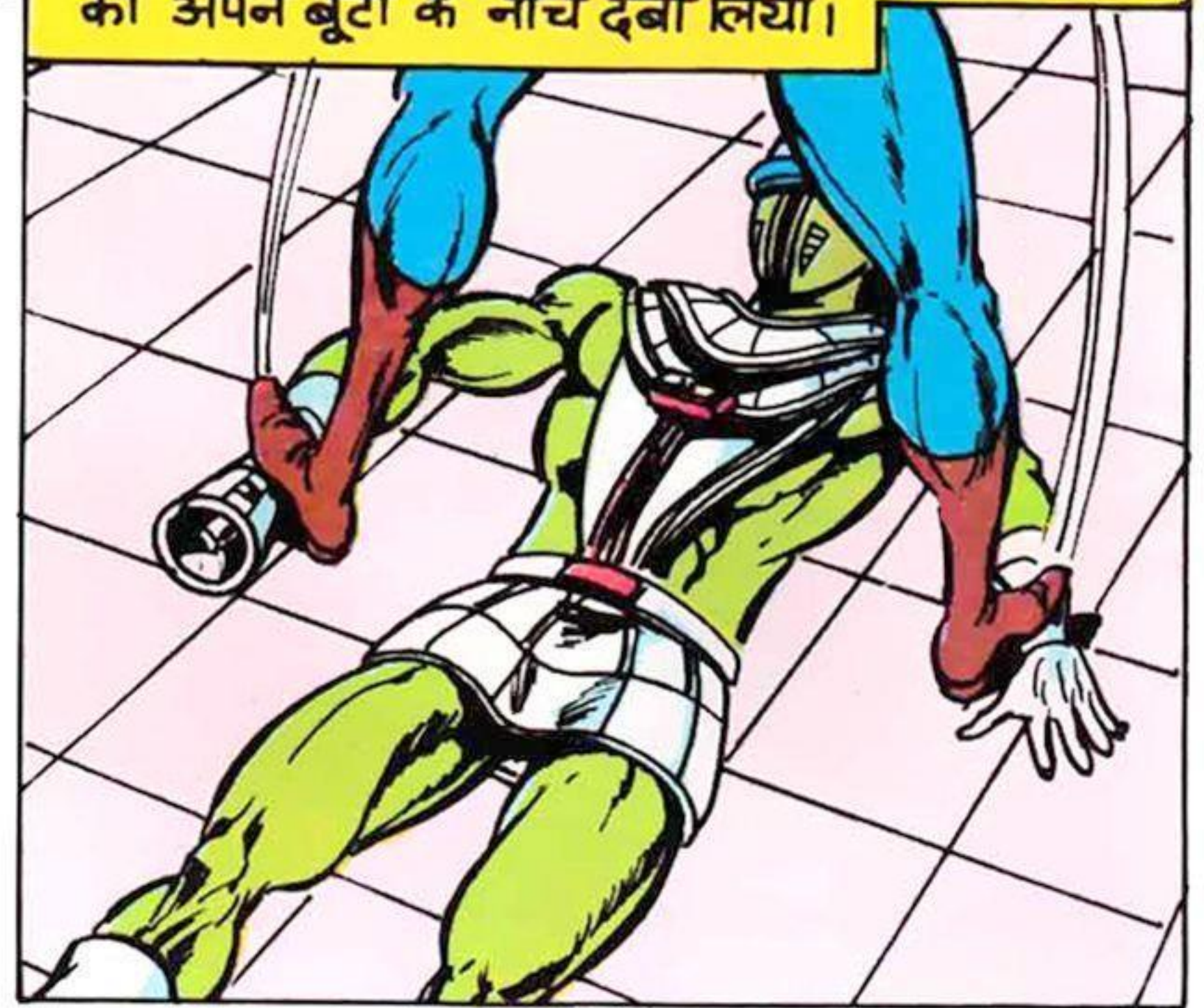
तो तुमसे दुनिया की कोई ताकत टकरा नहीं सकती, ध्वनिराज?
एक लड़ाई जीतने से युद्ध नहीं जीत लिया जाता, ध्रुव!
ध्वनिराज का हाथ कलाई से मुड़ा, और उसमें से एक ध्वनि तरंग निकलकर ऊपर लटक रहे एक फानूस से टकराई।

फानूस ठीक ध्रुव के सिर पर आ गिरा।
धनाक
ध्वनिराज के एक ही वार से मजबूत लॉकर टिन के पतले डिब्बे की तरह चूर-चूर हो गया।
उठो, काहिलो! हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है।
कड़ाक

अंदर रखा कोरखाब का हीरा शैतान की आंख की तरह चमक रहा था।
हाहाहा! मिल गया! मिल गया!

अब यहां से जाने से पहले इस लड़के का काम तमाम...
क्वींईईई
ध्वनिराज, पुलिस!
तो भागो!

देखिए, सर! म्यूजियम के टूटे दरवाजे से कुछ लोग भागते बाहर आ रहे हैं।
और वह नकाबपोश इन लुटेरों का मुखिया लग रहा है। ध्रुव की सूचना सही थी।
पर अब ये हमारे पुलिस घेरे से बच कर भाग नहीं पाएंगे।

कहना आसान है, दरोगा!
लेकिन करना बहुत मुश्किल।

ध्वनिराज के हाथों से निकलकर एक भयानक शोर पूरे वातावरण में फैल गया।
सिपाहियों के हाथ, अपने हथियारों पर जाने के बजाय, अपने कानों पर चले गए।
टींईईई
टींईईई

मेरा एहसान मानो, दरोगा कि मैं तुम लोगों को जिंदा छोड़ दे रहा हूं।
बड़ाम
वर्ना तुम्हारा हाल भी तुम्हारी जीप जैसा होता।

यह तो एक छोटा सा सैंपल था, दरोगा!
अब इस हीरे से मेरी ताकत इतनी बढ़ जाएगी कि पुलिस तो क्या, मिलट्री भी मेरा रास्ता नहीं रोक पाएगी।
हम फिर मिलेंगे, दरोगा!

और फिर—
...डूब मरने की बात तो यह है कि ध्वनिराज मेरे होते हुए कोरखाब का हीरा चुरा कर ले गया।
उदास होने की जरूरत नहीं है, ध्रुव! तुमने तो कुछ देर उसका मुकाबला भी किया....
...लेकिन हम तो पलभर भी उसके सामने नहीं टिक पाए।

यह पता चला कि ट्रक से कुचलकर मरने वाला वह आदमी कौन था?
अभी नहीं।
लेकिन मुझे यकीन है कि सुबह होते-होते उसकी शिनाख्त हो जाएगी।

और वहां से कहीं दूर—
हाहा हा!
कोरखाब का हीरा मेरी अल्ट्रासोनिक तोप में फिट हो गया।
अगर हम सीधे डायमंड मार्केट पर धावा बोलते तो ऐसे न जाने कितने हीरे हमको मिल जाते, ध्वनिराज।
FUSE - BOX
लेकिन कोरखाब का हीरा नहीं मिलता, मूर्ख! इस हीरे में जो गुण है, वह दुनिया के और किसी हीरे में नहीं है।
अब तक मेरी अल्ट्रासोनिक-तोप की ध्वनि तरंगें जरा सी भी घातक नहीं थीं।
लेकिन वे ही तरंगें जब इस हीरे से होकर निकलेंगी तो उनकी ताकत लाखों गुना बढ़ जाएगी।

इतनी ज्यादा, कि तब मैं यहां पर बैठे-बैठे कई किलोमीटर ऊपर हवा में उड़ रहे विमानों को भी मार गिरा सकता हूं।
तब तो अब हमको कोई नहीं रोक सकता।
सिवाय एक आदमी के।
सुपर कमांडो ध्रुव के!
मुझे उसके म्यूजियम में पहुंचने की जरा सी भी उम्मीद नहीं थी। लेकिन वहां आने से वह तुम लोगों को पहचान गया।
अब वह तुम लोगों की तलाश में जरूर निकलेगा। और फिर शायद मुझ तक भी पहुंच जाएगा।
त..तो फिर क्या होगा?
घबराओ मत!
ध्रुव का इंतजाम तो मैं कर दूंगा। एक लंबा इंतजाम।

म्यूजियम में तो पुलिस के आने ने उसे बचा लिया। पर जहां उसको मैं अब भेजूंगा...
वहां पर उसको बचाने वाला कोई नहीं होगा।
सिर्फ मारने वाला होगा।

ध्वनिराज का शक एकदम सही था।
इंस्पेक्टर को मैंने एक बात नहीं बताई कि म्यूजियम में डकैती डालने वाले गैंग को मैं पहचान चुका हूं। वह टाटो का गैंग था।
पुलिस, अपने तरीके से उनको कभी ढूंढ नहीं पाएगी।
लेकिन मेरा तरीका पुलिस से जरा अलग है।

और मेरा तरीका कल सुबह से शुरू होगा।

लेकिन अगली सुबह- राजनगर विश्वविद्यालय के 'साउंड रिसर्च सेंटर में-
कमाल है!
LABURATORY
नौ बजने वाले हैं।
लेकिन यहां पर न तो पटेल नजर आ रहा है, और न ही नायर।

पटेल शायद लैब के अंदर ही...
RATORY
प्रोफेसर काले ने लैब का दरवाजा खोला।

अंदर लैब अस्त-व्यस्त पड़ी थी।
ओ माई गॉड!
पटेल कहीं नजर नहीं आ रहा है। और मेरे दोनों 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' भी गायब हैं।
मुझे तुरंत पुलिस को बुलाना चाहिए!

और फिर-
... अगर यह यंत्र किसी गलत आदमी के हाथों में पड़ गया तो गजब हो जाएगा।...
...क्योंकि इस यंत्र से ध्वनि तरंगों को इतना शक्तिशाली बनाया जा सकता है, कि वे ध्वनि तरंगें एक इमारत को भी पलक झपकते नष्ट कर सकती हैं।

इस यंत्र के बारे में आपके अलावा और कौन-कौन जानता था?
सिर्फ मेरे दोनों असिस्टेंट! पटेल और नायर। इस समय उन दोनों का भी कहीं पता नहीं चल रहा है।
ओह! मैं समझ गया।

इस फोटो को ध्यान से देखिए।
य... यह तो पटेल है! इसको क्या हुआ?
इसको कल रात किसी ने ट्रक से कुचलकर मार डाला!
ओ माई गॉड! औ... और नायर?

उसका भी पता हम जल्दी ही लगा लेंगे।
और मेरा ख्याल है कि जहां पर वह है, वहीं पर आपका अल्ट्रासोनिक यंत्र भी होगा!

विश्वविद्यालय से बाहर निकलते समय, ध्रुव को कुछ सवालों का जवाब मिल चुका था।
तो ध्वनिराज को 'अल्ट्रासोनिक यंत्र' इस जगह से मिला है।
और उस यंत्र के बारे में जानने वाला एक आदमी नायर गायब है।
अब मेरे कुछ और सवालों का जवाब मुझे टाटो के अड्डे से मिल सकता है।

राजनगर की 'स्लम स्ट्रीट' में सुबह जरा देर से शुरू होती है।
क्योंकि रातभर यहां के निवासी न जाने कितने गलत धंधों में व्यस्त रहते हैं।
टाटो के अड्डे में रह रहे केस्टो के उठने का समय भी यही था।

पर आज वह शायद अपना ही चेहरा देख कर उठा था।
बल्ब! ब्रुव!!
मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ है कि तुम दांत भी साफ करते हो।
-चाहे महीने में सिर्फ एक बार ही करते हो।

क..क... क्या चाहते हो तुम?
टाटो का पता!
पर मुझे क्या मालूम कि टाटो कहां...!

पर मुझे मालूम है कि टाटो कल रात 'नेशनल म्यूजियम' में डकैती डाल रहा था।
और तुम उसके सबसे गहरे दोस्त हो।
मैं यह जानना चाहता हूं कि इस वक्त टाटो कहां पर है?

और यह बात तुम मुझको अगले दो मिनट के अंदर बताओगे।
क्योंकि तुम दो मिनट से ज्यादा सांस नहीं रोक सकते।
ब...(बुड़क) बताता हूं। बताता हूं।

हाऽऽऽह! टाटो... अपने गैंग के साथ...(हफ)... मान झील के गार्ड केबिन में... छुपा हुआ है!
टाटो ने मुझे यही बताने को कहा था।
याद रखना, केस्टो। अगर तुम्हारी खबर गलत हुई तो मैं तुमको उसी झील में डुबा दूंगा!

मान झील पुराने जमाने में राजनगर की शान थी।
लेकिन आजकल धोबियों के अलावा, इस झील के किनारे और कोई नहीं आता था।
वह रहा गार्ड केबिन!...
...अगर केस्टो सच बोल रहा था तो टाटो इसी के अंदर...
पर बात पूरी सोच पाने के पहले ही...

...ध्रुव की विचारधारा छिन्न-भिन्न हो गई।
आह!
इतना लंबा पैर!
टाटो का पैर इतना लंबा तो नहीं है।
धड़ाक
धड़
टाटो जैसे कीड़े, यूकिलिप्टस का पैर दाबते हैं, लौंडे!
ध्रुव ने सिर उठाकर अपने हमलावर को देखना चाहा...
...और उसका सिर ऊपर उठता ही चला गया।
नौ फुट दो इंच लंबे कद पर यूकिलिप्टस नाम एकदम फिट बैठ रहा था।
मैंने इस बीस तोले सोने की चेन के बदले तेरी मौत का कांट्रैक्ट लिया है, लड़के!...
... और यूकिलिप्टस अपना कांट्रैक्ट हमेशा पूरा करता है!
ध्रुव, यूकिलिप्टस की तरफ लपका।
तड़ाक
लेकिन यूकिलिप्टस की लंबी भुजाओं ने उसको बीच में ही रोक लिया।
और यूकिलिप्टस की लंबी टांगों ने उसे एक बार फिर धराशायी कर दिया।
ओह! इसकी लंबाई के कारण मैं इसके सिर तक नहीं पहुंच पा रहा हूं।...
... और इसके सिर तक पहुंचे बगैर मैं इस पर काबू नहीं पा सकता!
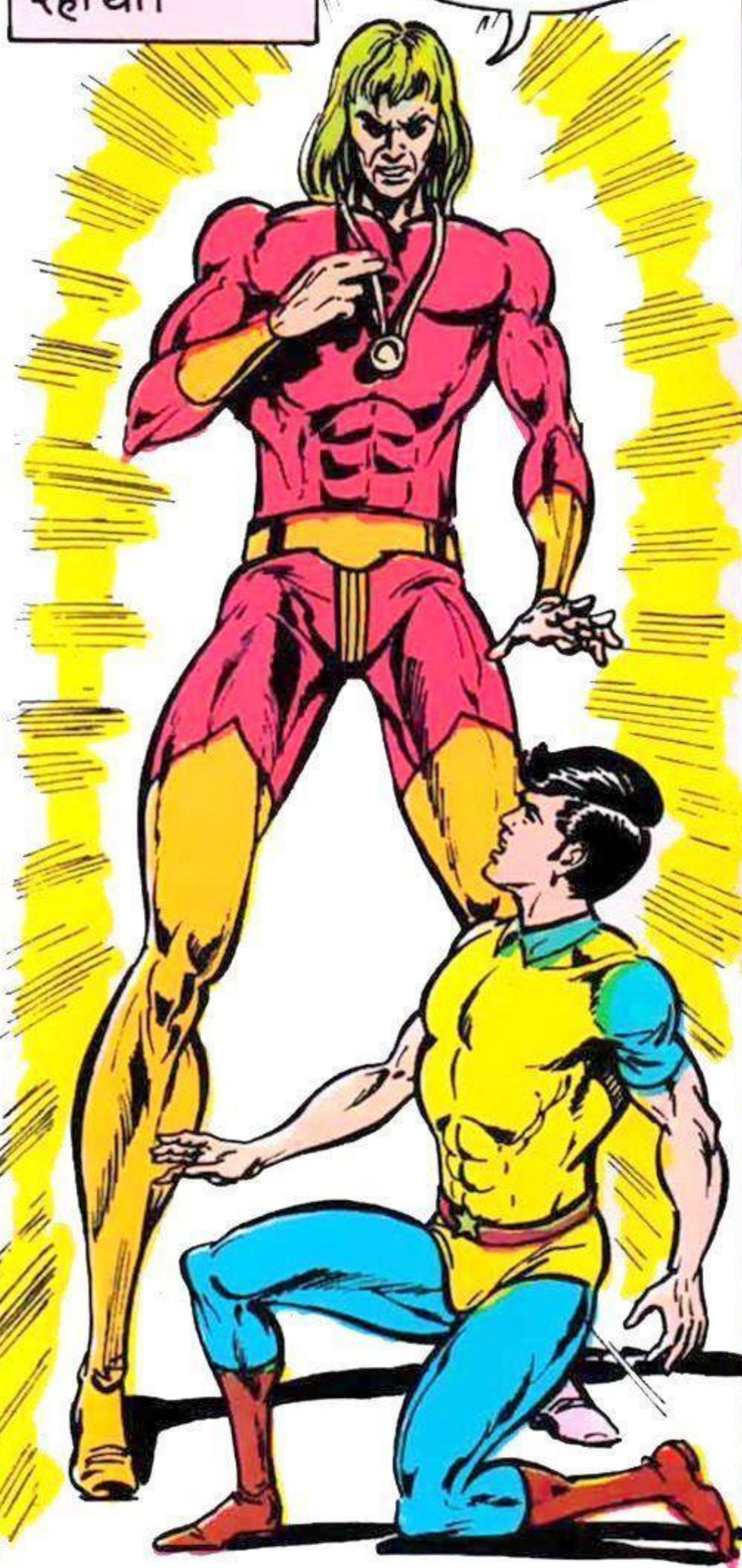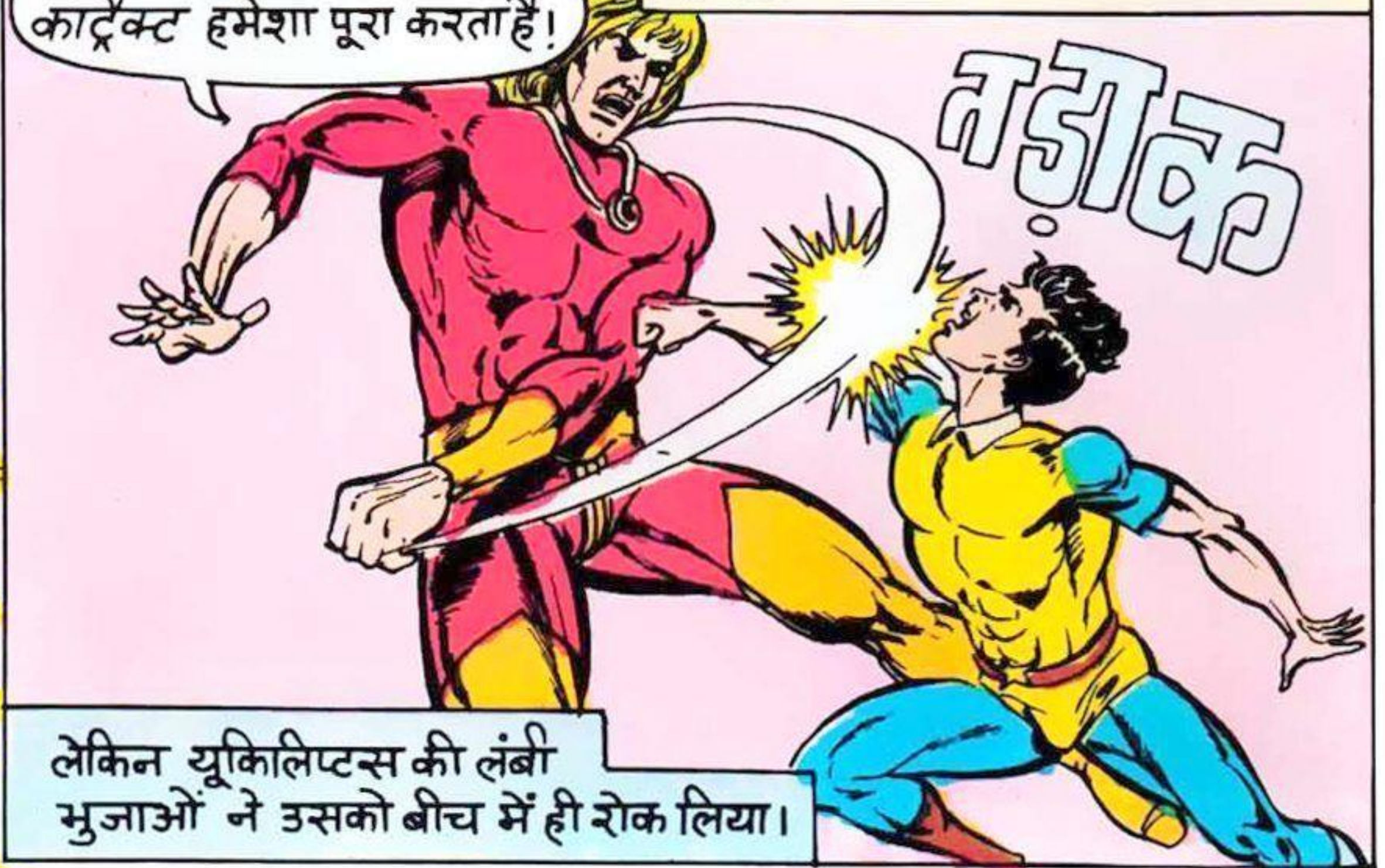
बल्कि उसके दूसरे हाथ ने बिजली की तरह आगे बढ़कर ध्रुव को पकड़ लिया।

यूकिलिप्टस ने ध्रुव को नीचे पटकना चाहा।

लेकिन उसी वक्त ध्रुव के पैर उसकी गर्दन पर कस गए।

झील में गिरा यूकिलिप्टस लंबे-लंबे हाथों से तेजी से किनारे की तरफ बढ़ रहा था।

तूने यूकिलिप्टस को चुनौती देने की गुस्ताखी की है, मच्छर!

इसलिए अब मैं तुझे आसानी से नहीं, बल्कि तड़पा-तड़पा कर मारूंगा।

कोशिश करो! पर यह जान लो ...

...कि अब तुम्हारी लंबाई तुम्हारे किसी काम नहीं आ पाएगी, यूकिलिप्टस!

क्योंकि अब मेरी और तुम्हारी लंबाई बराबर है।

ताड़

और अब मेरे घूंसे तुम्हारे मुंह तक पहुंच सकते हैं।

ध्रुव की लंबाई में अचानक हुए इस परिवर्तन से यूकिलिप्टस संभल नहीं पाया।

टिर्र

आह!
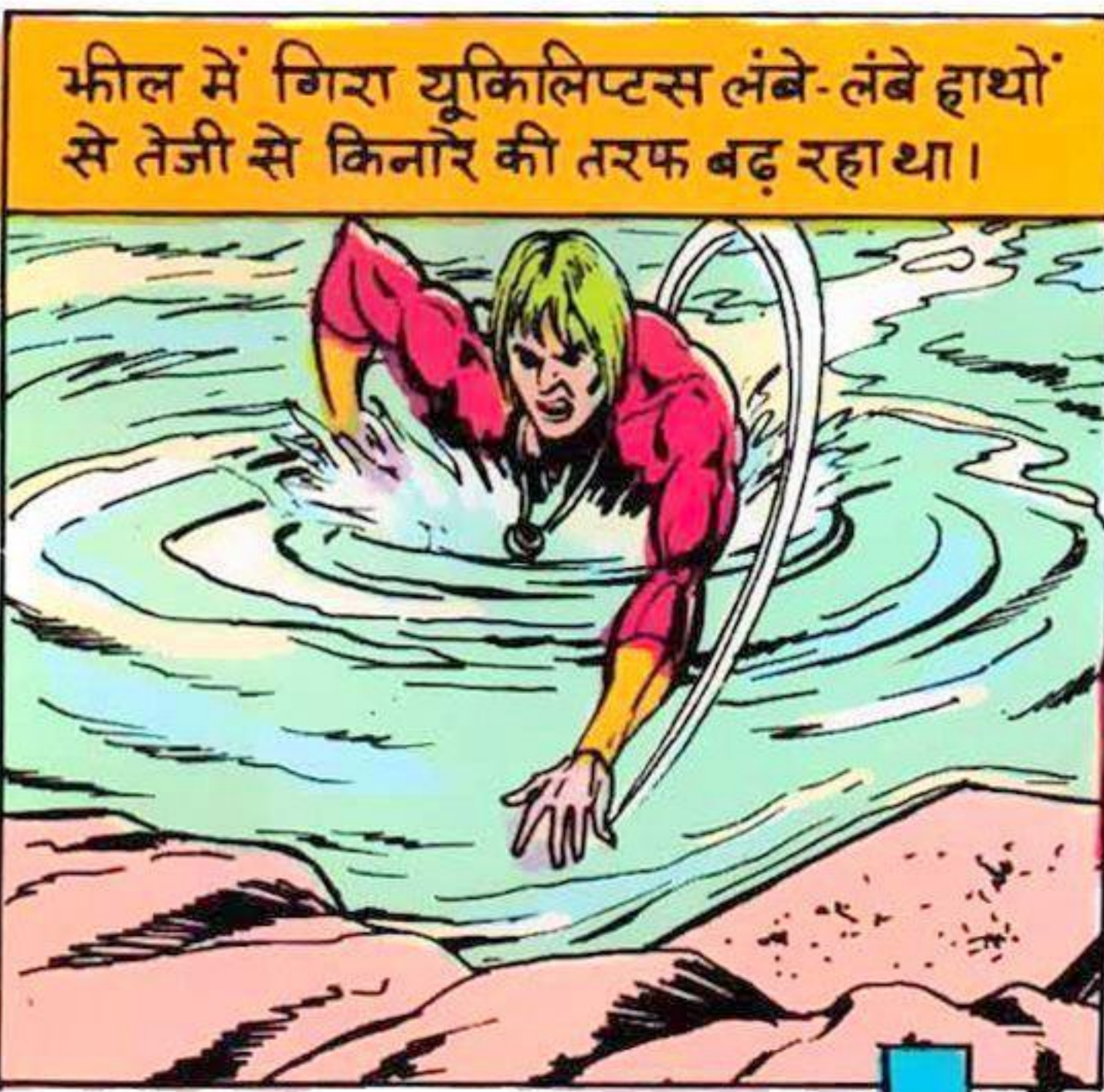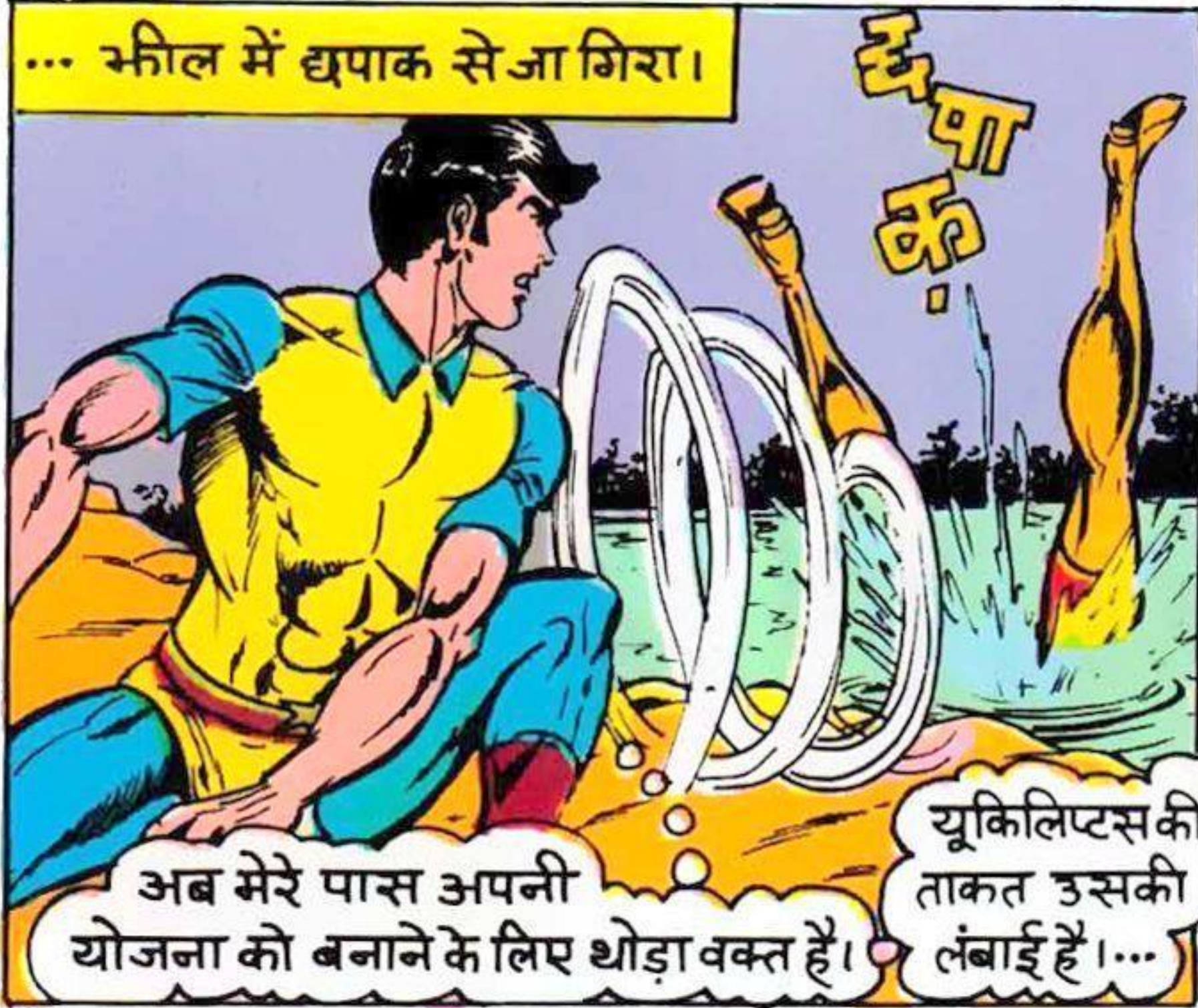
और ध्रुव को यूकिलिप्टस पर हावी होने का मौका मिल गया।
तागड़
अब, यूकिलिप्टस, मैं यह जानना चाहता हूं कि मेरे पीछे तुमको किसने भेजा है?
यह बताना मेरे उसूलों के खिलाफ है।
यूकिलिप्टस मर जाएगा, लेकिन अपनी जुबान कभी नहीं खोलेगा।
तो फिर...तुम मर ही जाओ, यूकिलिप्टस!
आई।
रुक जाओ! बताता हूं, बताता हूं! मुझे ध्वनिराज ने भेजा है।
ध्वनिराज! कौन है वह? कहां रहता है?
यह ध्रुव को हमारे अड्डे के बारे में बता देगा।
कभी नहीं। मैंने इसको जो सोने की चेन दी है उसके लॉकेट में एक सोनिक बम लगा है।
और उस बम का 'रिमोट-कंट्रोल' मेरे हाथ में है।
बोल! ध्वनिराज का अड्डा कहां है?
ध्वनिराज का अड्डा काल...
पर यूकिलिप्टस की बात पूरी हो पाने के पहले ही कहीं पर एक बटन दबा।...
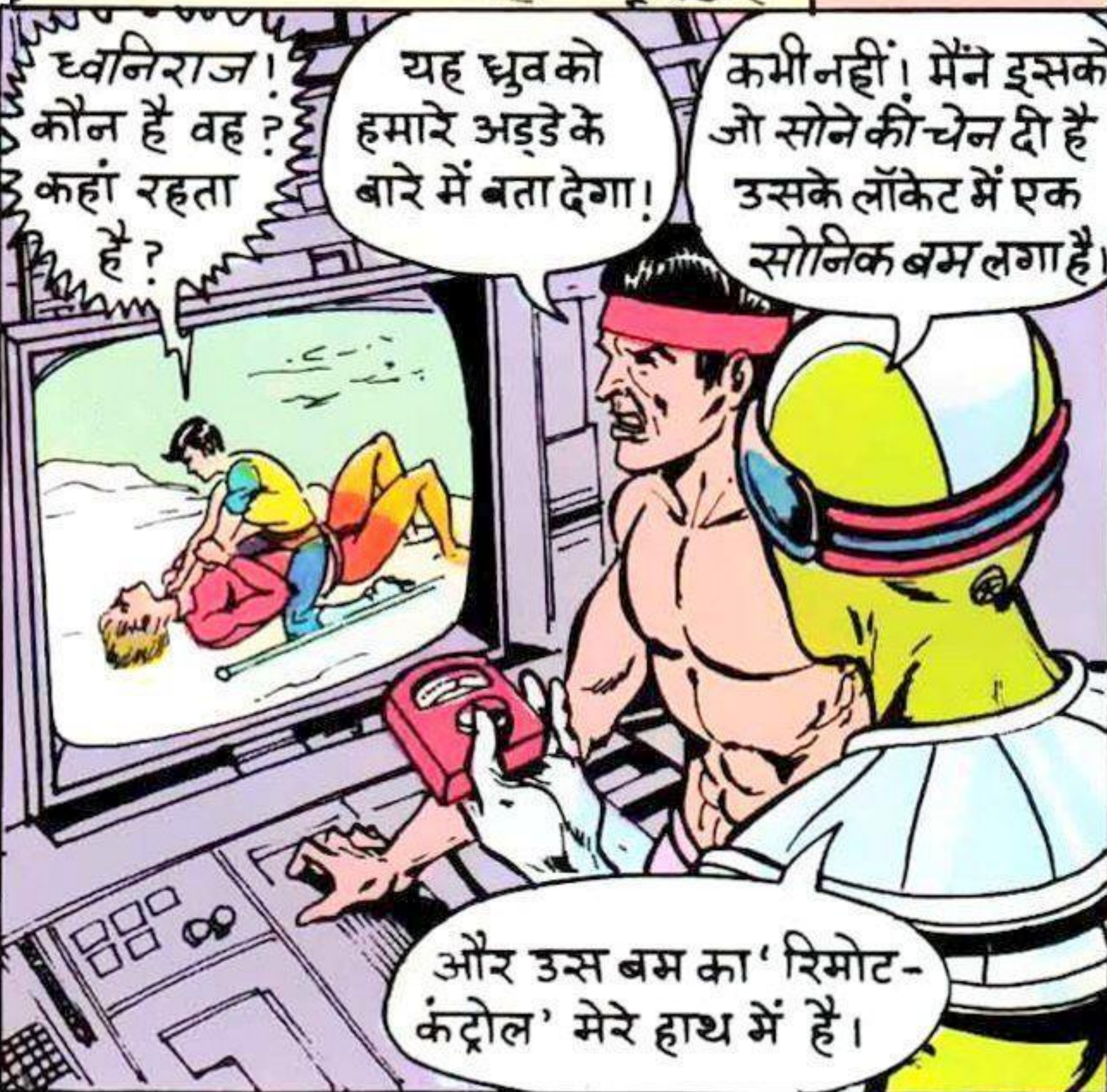
...और अगले ही पल - बीस तोले सोने की चेन के साथ-साथ —
भड़ाम
...यूकिलिप्टस का सिर भी टुकड़े-टुकड़े हो गया।

ओह! शायद इस चेन के लॉकेट में बम था! अब मुझे यह कैसे पता चलेगा कि ध्वनिराज का अड्डा...?
एक मिनट!
यूकिलिप्टस के जूते में मिट्टी के साथ एक अजीब सा पौधा चिपका पड़ा है!
शायद यह मुझे बता सके कि यूकिलिप्टस कहां से आया था!

यह लड़का तो बच गया, ध्वनिराज!
और हमको अपने एक महत्वपूर्ण आदमी से हाथ धोना पड़ा। अब मुझे खुद ही कुछ करना होगा।
और मैं एक तीर से दो शिकार करूंगा!
जिसमें ध्रुव के साथ-साथ, मेरे बारे में जानने वाला एकलौता आदमी प्रोफेसर काले भी खत्म हो जाएगा!..
...मेरी स्कीम ध्यान से सुनो!
और कुछ देर बाद - यूनिवर्सिटी गेट से बाहर निकल रहे प्रोफेसर काले को खतरे का जरा सा भी आभास नहीं था।
वह आ रहा है, टाटो!

जबकि खतरा सिर पर आ पहुंचा था।
व्रंऊऊऊम
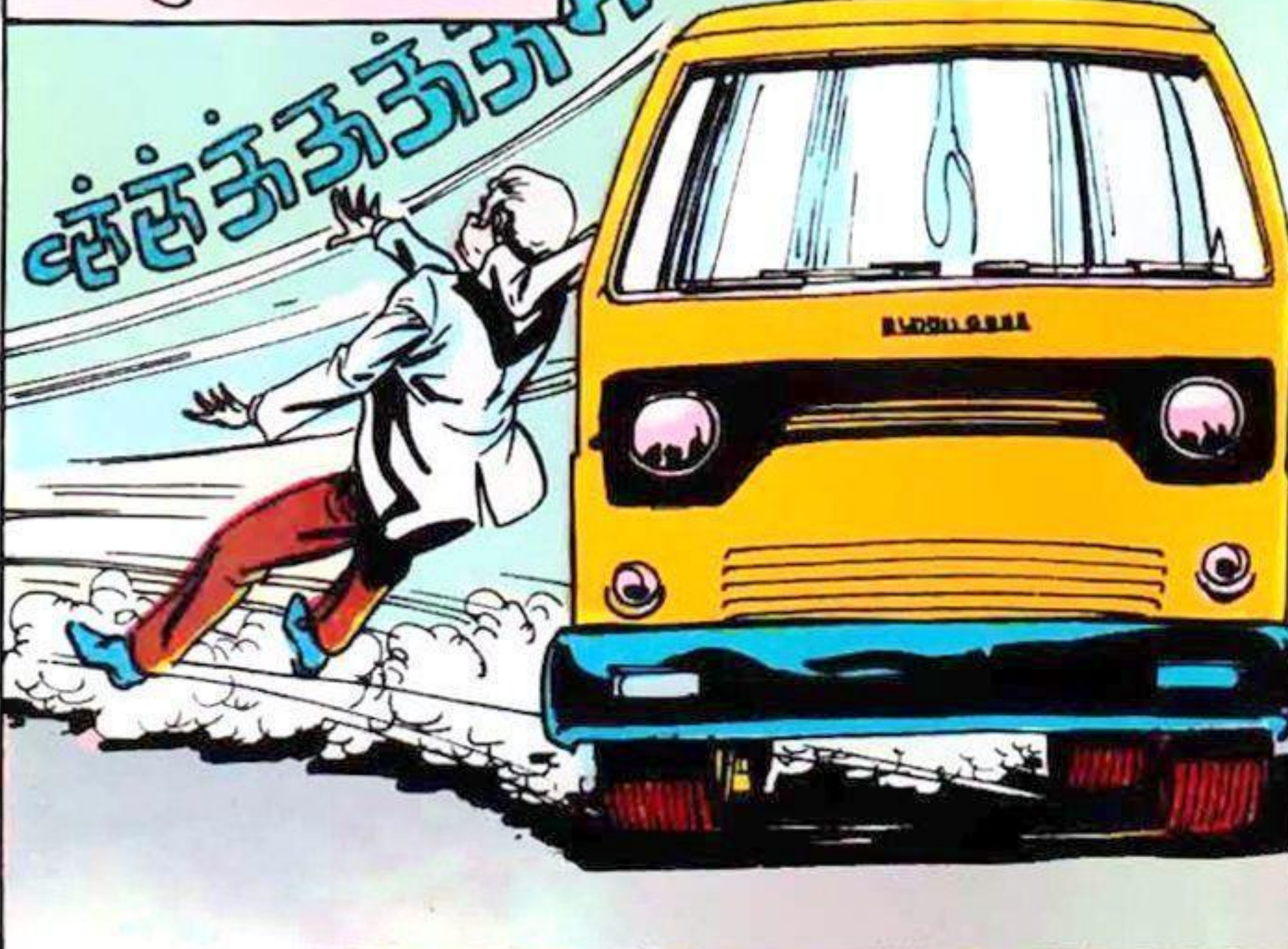
क.. कौन हो तुम लोग?
क्या चाहते हो?
तुम लोग कुछ बोलते क्यों नहीं?
प.. पटेल को तुम लोगों ने ही (गड़ब) मारा था क्या?

लेकिन प्रोफेसर काले को अपने सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। और गाड़ी विभिन्न सड़कों से होती हुई...

..पुराने शहर में आकर रुक गई।

अपहरणकर्ताओं ने प्रोफेसर काले को नीचे उतार दिया।

तुम्हारी जान खतरे में है, काले!

और इस वक्त तुमको सिर्फ एक आदमी बचा सकता है। सुपर कमांडो ध्रुव!

यह रहा उसका फोन नंबर!

तुम्हारे पास सिर्फ दस मिनट का समय है, काले!

बच सकते हो, तो बच लो!

द...दस मिनट का समय।

सिर्फ दस मिनट?

वाह! पर तेरा 'इयर प्लग' काम कैसे करता है?
सिम्पल! यह ज्यादा तेज आवाजों को इतना धीमा कर देता है, जिससे कान और दिमाग को नुकसान न पहुंचे।...
... इसको लगाने के बाद, अगर रेल का इंजन तुम्हारे कान के पास सीटी मारेगा, तो तुमको ऐसा लगेगा जैसे कोई बिल्ली धीरे से गुर्रा रही है! ...

... पर धीमी आवाज तुमको वैसी की वैसी ही सुनाई देगी।
सच में! अब तो तू यह प्लग बेचकर करोड़ ...
ट्रिन ट्रिन ट्रिन ट्रिन

हैलो! ध्रुव स्पीकिंग।
ध.. ध्रुव! मैं प्रोफेसर काले बोल रहा हूं। पुराने शहर के महावीर चौक से!

अभी कुछ गुंडे मेरा अपहरण कर के मुझे यहां छोड़ गए हैं।
उन्होंने मुझे दस मिनट का समय दिया है!
दस मिनट का समय? पर क्यों?

पता नहीं! लेकिन वे कह रहे थे कि सिर्फ तुम ही मुझे बचा...
आह!
कड़ड़ड़
प्रोफेसर! प्रोफेसर!!

प्रोफेसर अब कभी नहीं बोलेगा, बच्चे! उसके दस मिनट खत्म हो चुके थे।
मैंने उसका क्रिया कर्म और दाह संस्कार भी कर दिया है!
हाहाहाहा!

मामला कुछ गड़बड़ है!
मुझे तुरंत पुराने शहर पहुंचना होगा।
अरे भइया, कहां चल दिए? मेरा 'इयर प्लग' तो देते जाओ।
यह तो कुछ सुन ही नहीं रहा है!

ध्रुव का दिमाग कहीं और था।
पुराना शहर!
अभी चैंपियन किलर ने मुझे नताशा के पीछे वहां पर बुलाया था।
और अब ध्वनिराज ने!
लगता है कि पुराना शहर अपराधियों का अड्डा बनता जा रहा है!

ध्रुव को पुराने शहर पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा।
यह रहा महावीर चौक!
एक टेलीफोन-बूथ वहां पर है।
वहीं से प्रोफेसर काले ने मुझे फोन किया होगा।

ध्रुव तेजी से घूमा-
ध्वनिराज!
यह मेरे और मेरे प्लान के बीच में रास्ते का रोड़ा बन गया था!
ठीक तुम्हारी तरह!

पर टेलीफोन बूथ में पहुंचते ही ध्रुव स्तब्ध रह गया।
बूथ के फर्श पर पड़े चीथड़ों को पहचानना ज्यादा कठिन नहीं था।
ये तो वही कपड़े हैं, जो प्रोफेसर काले ने सुबह पहने हुए थे।
हां, लड़के! तुम इस समय प्रोफेसर काले के जिस्म का ही चूरा देख रहे हो।

इसीलिए इसको सजाए-मौत मिली। और अब तुमको भी वही सजा मिलेगी।
तुम भूल रहे हो, ध्वनिराज कि कल रात को भी तुम्हारे पास यही हथियार था।...
...और उसके बावजूद मैंने तुम को मात दी थी।
और इस हत्या के बाद तो तुमको जाने देने का सवाल ही नहीं पैदा होता।
ताड़
कल रात को तो तुम पुलिस के आने से बच गए थे!...
और कल रात मैंने तुम पर अल्ट्रासोनिक सीटी का इस्तेमाल भी नहीं किया था।
इस सीटी के बजने के बाद तू घुटनों के बल दया की भीख मांगता मेरे पास आएगा।
ध्वनिराज के शरीर पर फिट अल्ट्रासोनिक यंत्र से बहरा कर देने वाली ध्वनि-तरंगें निकलने लगीं।
पास बैठा एक कुत्ता चीखकर जमीन पर गिर गया।
लेकिन ध्रुव के चेहरे पर मुस्कराहट बरकरार रही।
श्वेता के 'इयर-प्लग' वाकई कमाल की चीज हैं!
य...यह क्या?
तुम पर मेरी सीटी का कोई असर नहीं हुआ?
सीटियों का मुझपर असर नहीं होता!
वैसे भी, सीटियां बजाना तुम जैसे लफंगों का काम है।
भड़ाक
ओह! अब मैं मुसीबत में हूं।
मेरी सीटी का इसपर असर नहीं हुआ।
और मेरे दूसरे वारों को यह उछल-उछलकर बेकार कर देता है।
इसीलिए अब मुझे अपना निशाना बदलना पड़ेगा।

एक दो वारों के बाद ही ध्रुव को ध्वनिराज का प्लान समझ आ गया।
यह मुझे उस पुरानी बिल्डिंग की तरफ धकेलना चाहता है! पर क्यों?
इस 'क्यों' का जबाब ध्रुव को जल्दी ही मिलने वाला था।
हाहा!
अब तू एकदम ठीक जगह पर पहुंच गया है, छोकरे!
ध्वनिराज के हाथों से एक शक्तिशाली ध्वनि-तरंग निकल कर पुरानी और जर्जर इमारत से टकराई।
कड़ड़ड़ड़
और एक गड़गड़ाहट के साथ--
..पूरी इमारत ध्रुव के सिर पर ढहने लगी।
भागने का न तो कोई रास्ता था, और न ही बचने की कोई जगह।
धूल के बादल चारों ओर छा गए।
धड़ड़ड़ड़
एक के बाद एक अनगिनत टुकड़े जमीन पर गिरते रहे।
और थोड़ी देर बाद - जहां पर ध्रुव खड़ा था, वहां पर पहाड़ जैसा, बिल्डिंग के मलबे का ढेर था।
इस हादसे में किसी का भी जिंदा बच पाना असंभव था।
हाहाहा! मार दिया! मैंने ध्रुव को खत्म कर दिया। अब मेरा रास्ता एकदम साफ है!

और थोड़ी देर में - घटनास्थल से दूर जाती कदमों की आवाज के बाद -
ठक ठक ठक ठक
सब कुछ शांत हो गया।
मरघट के सन्नाटे जैसा शांत। यह शांति कुछ देर तक बनी रही...
...फिर मलबे के ढेर के ऊपर का हिस्सा धीरे-धीरे सरकने लगा।
और उसमें से एक हाथ बाहर निकला।
और फिर-पूरा शरीर!
ओह! एक-एक इंच करके बाहर निकलने में बहुत समय लग गया!
यह तो मेरी किस्मत अच्छी थी, कि लोहे के पुराने सीवर पाइप यहां पर पड़े हुए थे।
-और जैसे ही इमारत गिरनी शुरू हुई, वैसे ही मैं इस पाइप में घुस गया था!
बेचारा खुद तो टेढ़ा-मेढ़ा हो गया, पर इसने मुझे बचा लिया!
एक तरीके से यह अच्छा ही हुआ! अब ध्वनिराज मुझे मरा हुआ समझ कर अपने प्लान पर काम करना शुरू करेगा!
झड़
झड़
और तब हमको पता चल सकेगा कि आखिर उसका मकसद क्या है!
ध्वनिराज का मकसद विचित्र था।
हाहाहा! आज की रात मैं राजनगर वासियों को एक 'ट्रेलर' दिखाऊंगा।
राजनगर के विनाश का एक छोटा सा ट्रेलर!
और उसके बाद अगर मुझे पचास करोड़ रुपए न दिए गए, तो मैं पूरे राजनगर को तबाह कर दूंगा।
आज की रात से पूरा राजनगर मेरा बंधक होगा।
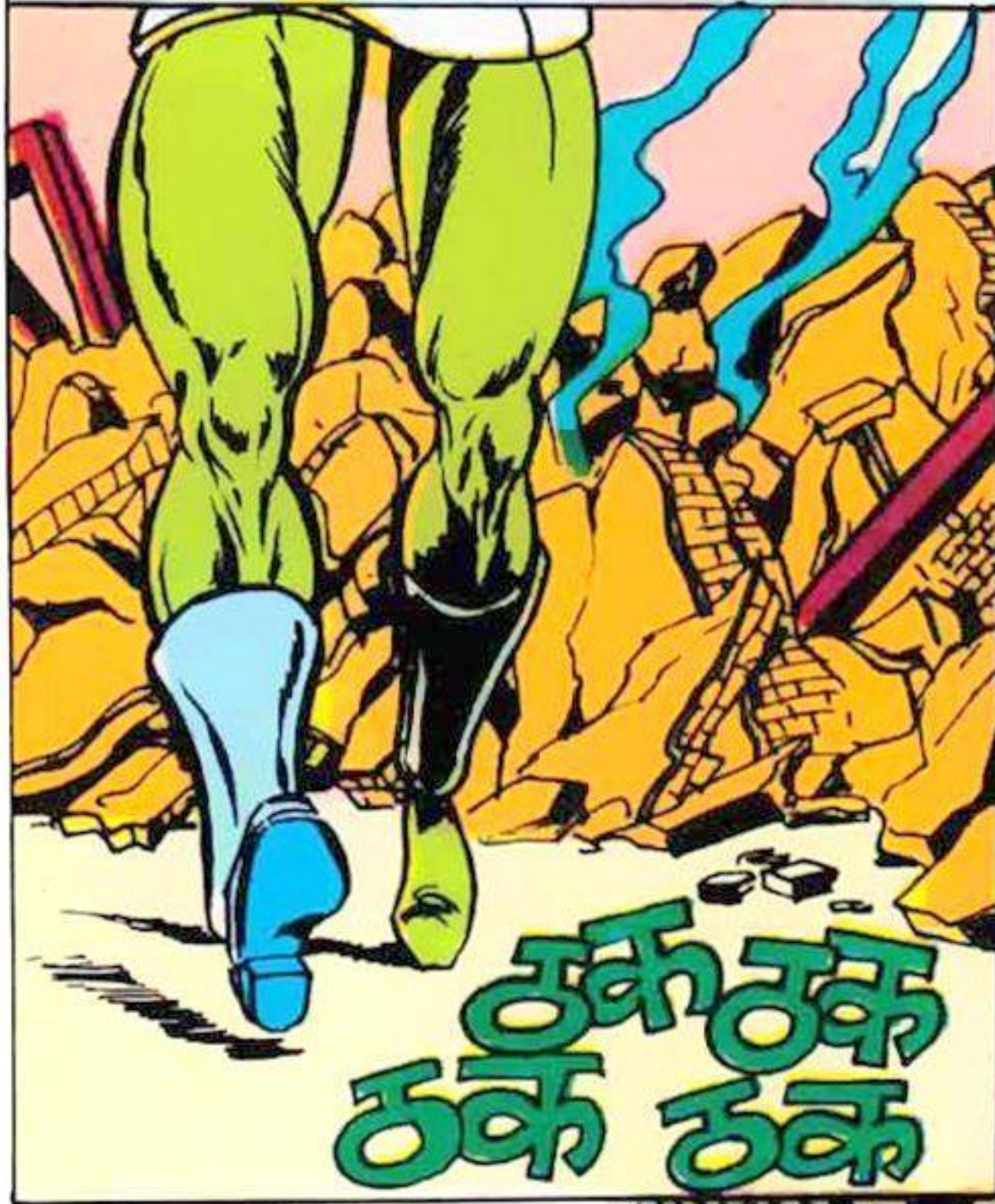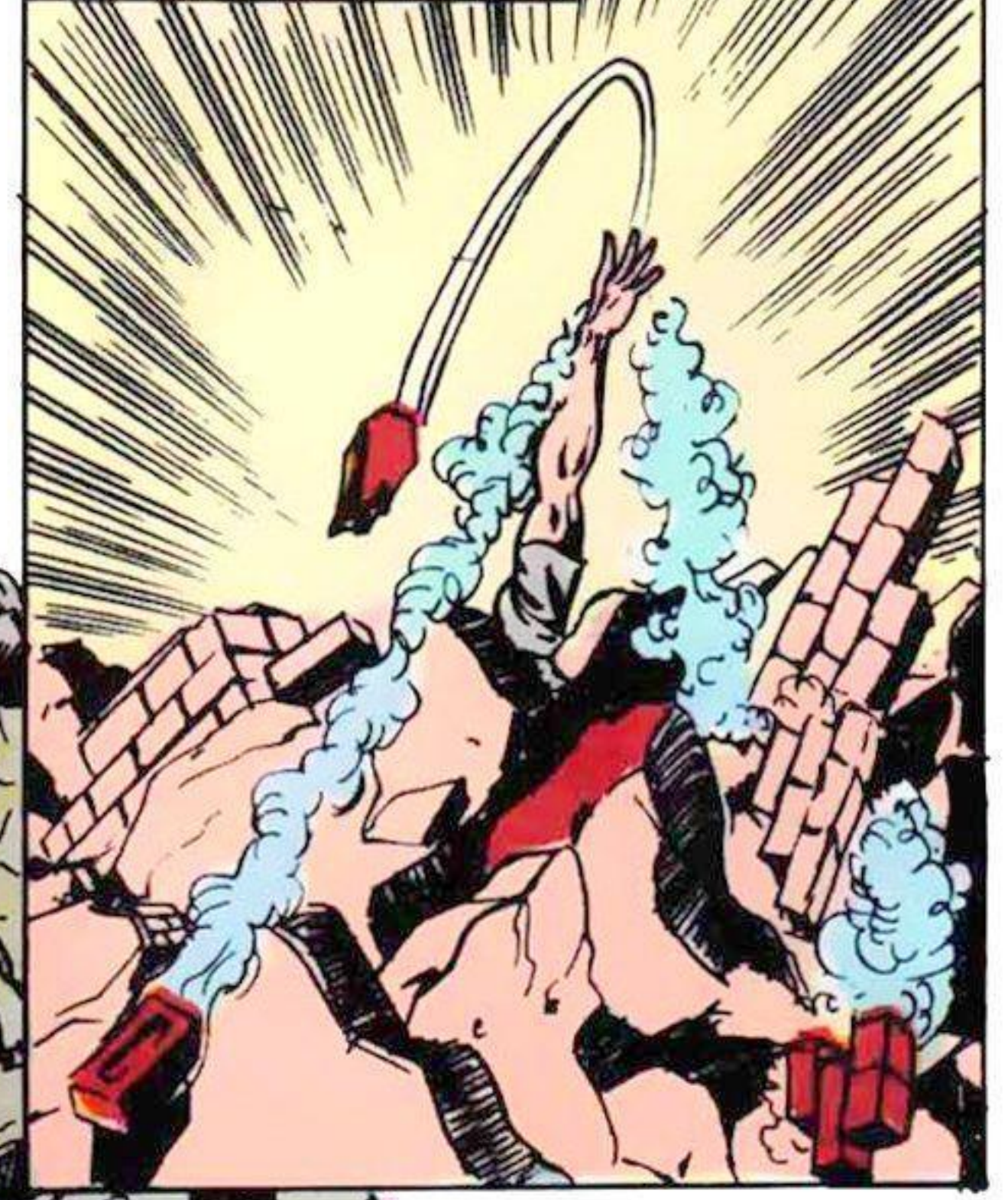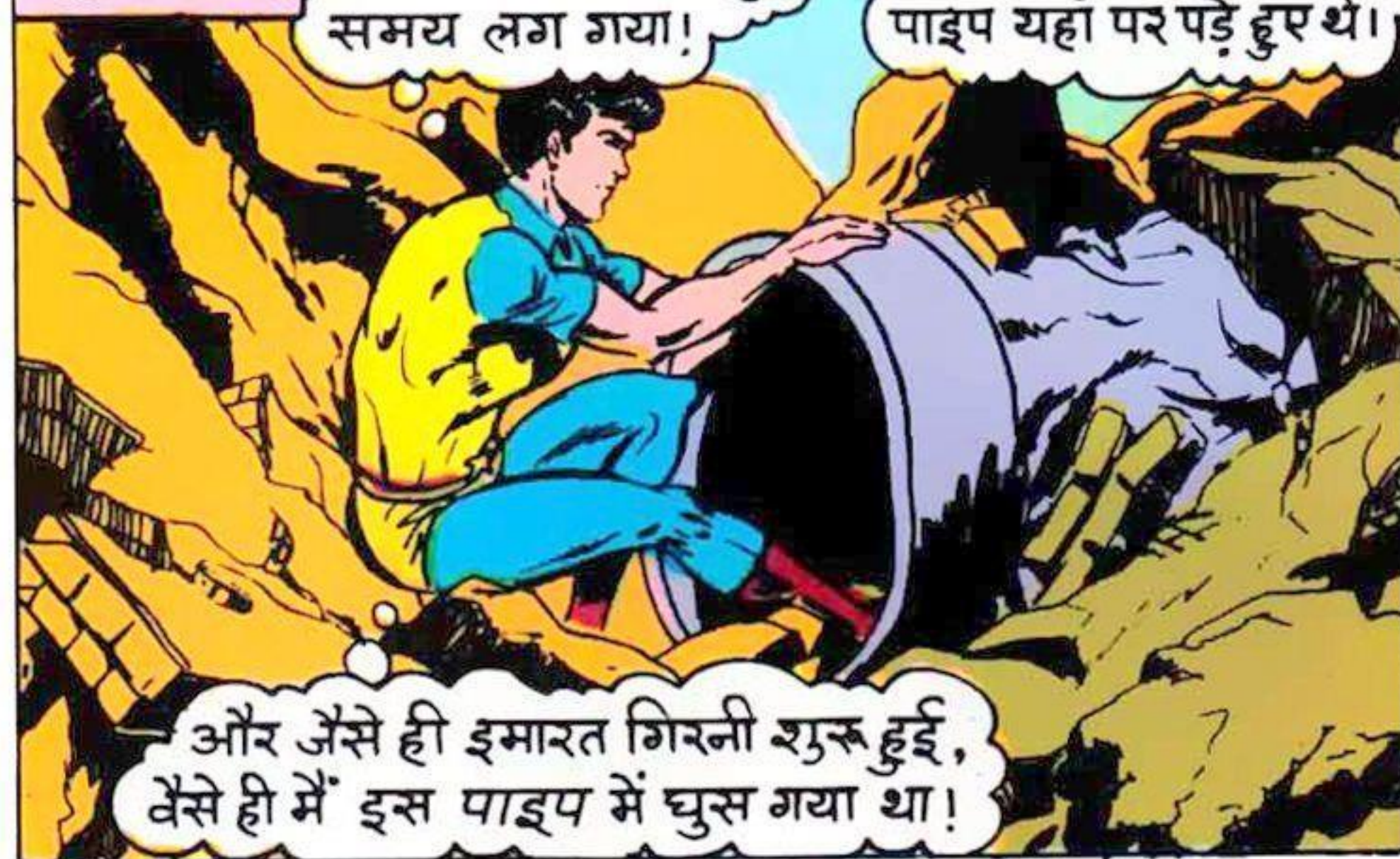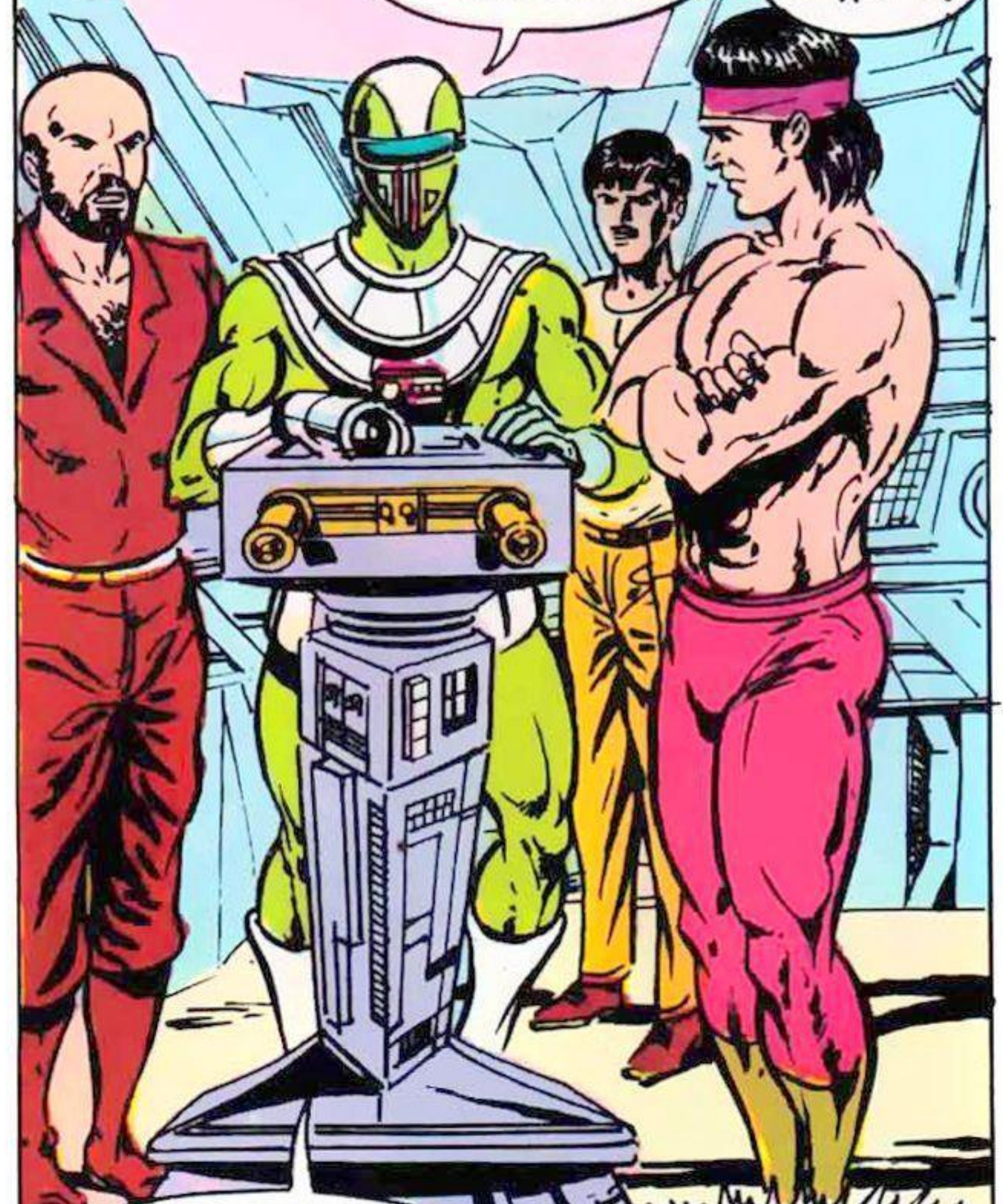
..कर्कश! विशुद्ध ध्वनि ऊर्जा से बना एक जीव!

यह जिस चीज को भी छू लेगा, वह चीज धूल में मिल जाएगी!

और इसपर गोली, बम, रॉकेट, मिसाइल, एटम बम, कुछ भी असर नहीं कर सकता!

कर्कश को मेरे अलावा और कोई भी खत्म नहीं कर सकता!

राजनगर के लोग इस विनाशकारी जीव के जन्म से अंजान थे।

ओह! यूकिलिप्टस, और प्रोफेसर काले के अपहरण की खबरें तो हमको मिल चुकी थीं।...

...पर हमको यह पता नहीं था कि ध्वनिराज ने प्रोफेसर काले की वीभत्स हत्या कर दी है!

आज की रात जरूर कुछ भयंकर घटना घटने वाली है।...

...मुझे अभी से इसका आभास हो रहा है।

शायद तुम ठीक कह रहे हो।

आज मैं शहर के हर कोने पर पुलिस-पार्टियों को तैनात कर दूंगा!

और उसी रात–
आऽऽऽऊ! अब तो बातें भी खत्म हो गईं! और नींद भी आ रही है, यार!
राघव! उधर देख! ये हवा में चिंगारियां कैसे उड़ रही हैं?
देखते ही देखते - चिंगारियां एक भयानक आकृति में बदल गईं।
य..यह क्या है?
मुझे क्या पता? मैंने साइंस थोड़े ही पढ़ी है!
लेकिन यह फ्लाई-ओवर की तरफ बढ़ रहा है!
कर्कश ने 'फ्लाई ओवर' के एक खंभे को पकड़ा।
और हज़ारों टन का बोझ सह जाने वाला फ्लाई ओवर पतले तार की तरह कांपने लगा।
थर्रर्रर्रर्र
यह तो तोड़-फोड़ कर रहा है!
हमें इसको रोकना चाहिए!
गोली चलाओ!
यह तो लगता है कि हवा का बना हुआ है!
इसको रोकना हमारे बूते की बात नहीं है!
फ्लाई ओवर के अलग-अलग हिस्से टूट कर गिरने लगे।
लेकिन सभी गोलियां बगैर किसी रुकावट के, कर्कश के शरीर से पार हो गईं।
हैडक्वार्टर को खबर करो।

विजय-स्तंभ के पास रात के इस समय इक्का-दुक्का सोने वालों के अलावा और कोई नहीं था।

और सड़क पर सोने वाले खतरे को सूंघना अच्छी तरह से जानते थे।
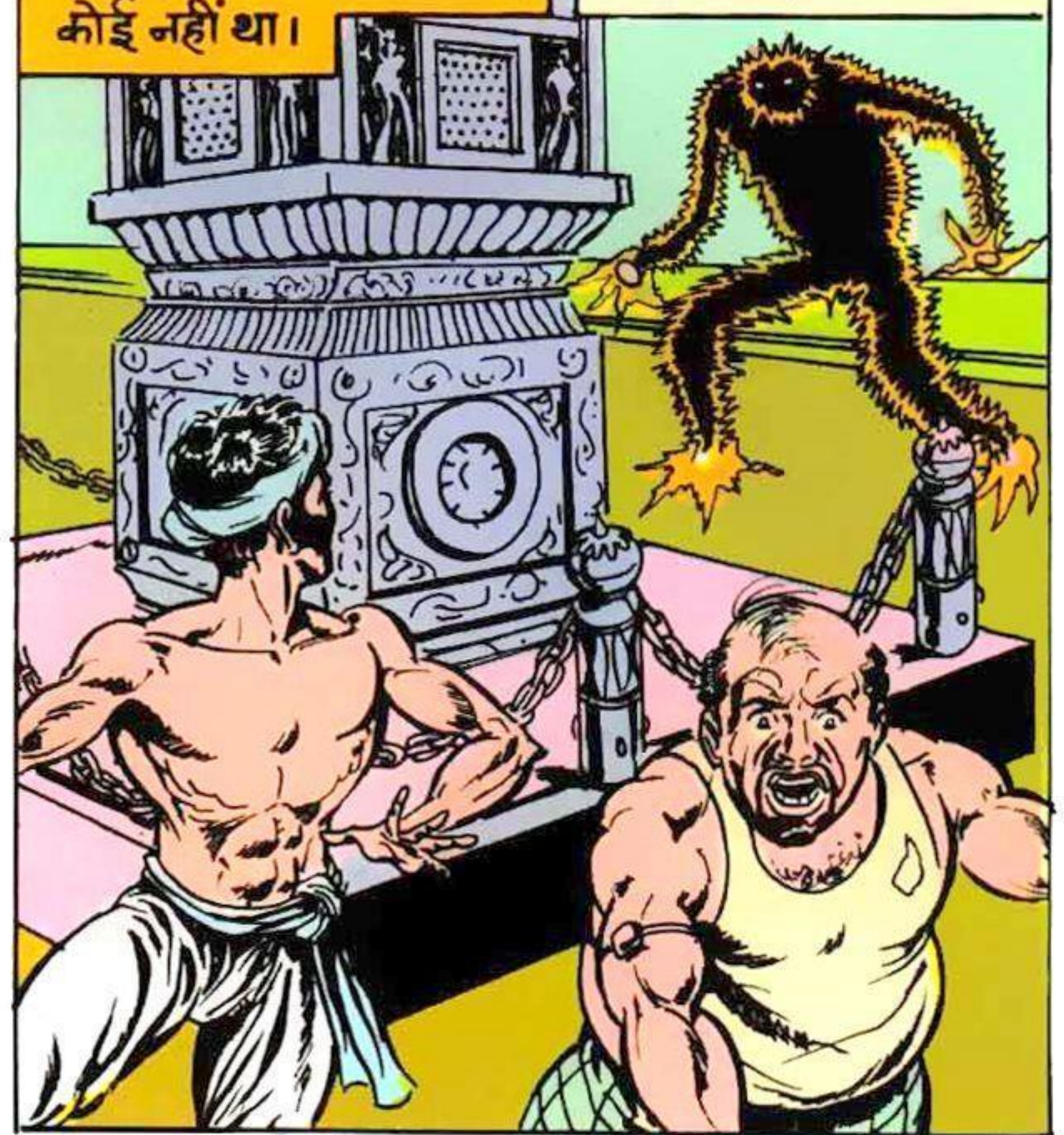
विजय-स्तंभ के पास पहुंचकर *कर्कश* ने अपना एक हाथ उठाया। और उसका हाथ लंबा होता चला गया।

हाथ मीनार के ऊपर दबा।

और मीनार, कागज के लिफाफे की तरह पिचकती चली गई।
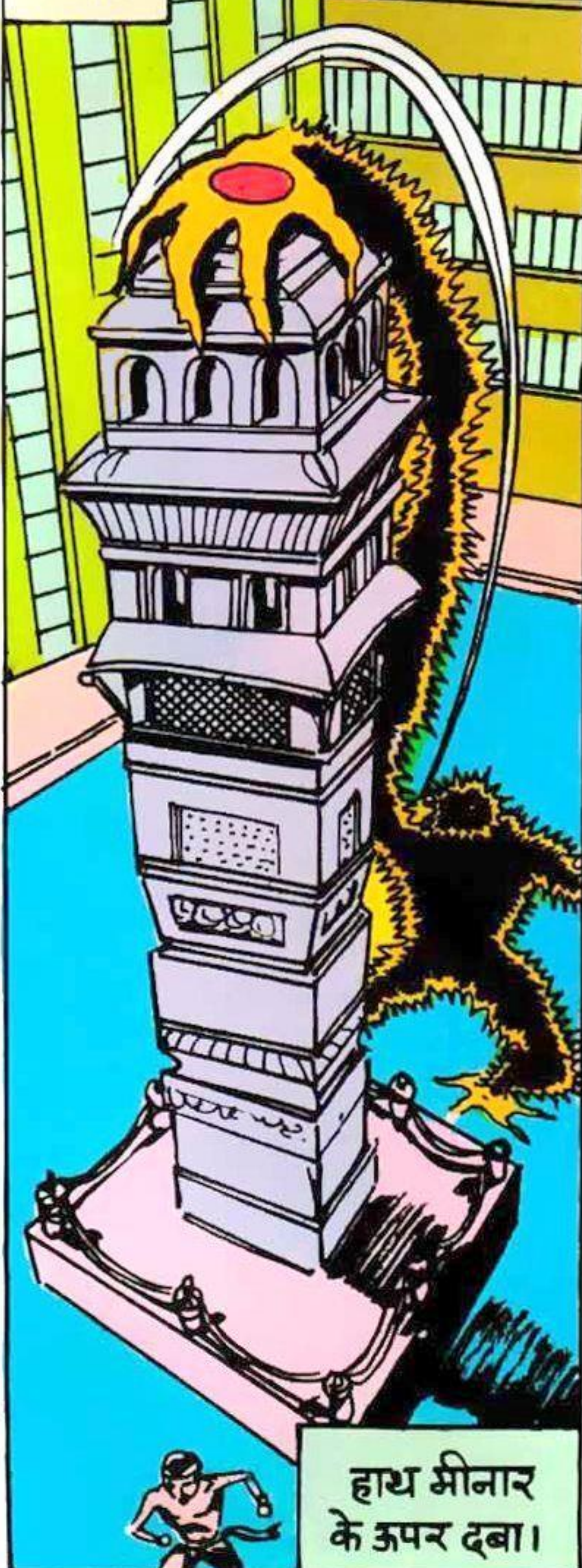
सर, वो देखिए!

हे *भगवान*! यह तो बहुत खतरनाक लग रहा है!

ऐसे *खतरनाक प्राणी* को जरा सी भी ढील नहीं मिलनी चाहिए। इस पर *रॉकेट लांचरों* से हमला करो!

कर्कश इंस्पेक्टर की तरफ घूमा।

इंस्पेक्टर ने ऐसा डरावना जीव, अपनी पूरी जिंदगी में नहीं देखा था। डर के मारे उसके पैर मनों भारी हो रहे थे।

घड़ घड़ घड़ घड़ घ

वैसे भी वह कर्कश से बचकर भाग नहीं सकता था।

कर्कश का हाथ उस की तरफ लपका।

और आंख मूंदकर भगवान को याद कर रहे इंस्पेक्टर को अपना शरीर हवा में उड़ता महसूस हुआ।

उसने आंखें खोलीं।

ध्रुव का चेहरा उसको सचमुच *भगवान* जैसा ही लग रहा था।

ड़ घड़ घड़ घड़ घड़ घड़

ध्रुव! तुम यहां पर कैसे...?
मैंने पुलिस-हैडक्वार्टर को भेजे जाने वाला मैसेज अपने ट्रांसमीटर पर भी सुन लिया था।
पर यह वक्त इन सब बातों का नहीं है।
अभी मुझे इस मुसीबत को रोकना है।
पर यह है क्या?
जितना ध्रुव कर्कश को देखकर चकित था।
उससे कहीं ज्यादा ध्वनिराज, ध्रुव को देखकर चकित था।
यह जिंदा बच गया! पर कैसे?
यह तो मेरे सामने मलबे में दब गया था।
यह ऐसे कई बार जिंदा बच चुका है!
इसके पास जरूर कोई दैवी-शक्ति है।
दैवी शक्ति हो या शैतानी ताकत!
यह कर्कश से नहीं बच पाएगा।
लेकिन इससे पहले कि उसकी मोटरसाइकल जमीन को वापस छू पाती।
कर्कश का दूसरा हाथ लहराया।
आह!
कड़ाक
मुझे इसको रोकना तो है!
पर मैं इसे रोकूंगा कैसे?
ध्रुव ने कर्कश का पहला वार बेकार कर दिया।
ध्रुव की किस्मत अच्छी थी कि कर्कश का हाथ उसके बजाय उसकी मोटरसाइकल पर लगा।
पर इसके बावजूद उसके शरीर में कंपन का तेज झटका लगा।

ओह! पलभर के लिए तो ऐसा लगा, जैसे मेरे सारे अंग टूटकर गिर जाएंगे।
यह आखिर चीज क्या है?
ध्रुव, भागो!
हम इस जीव से नहीं निपट सकते।

नहीं, इंस्पेक्टर! इसको किसी भी तरीके से और विनाश करने से रोकना होगा।
वर्ना यह पूरे शहर को मलबे का ढेर बना देगा!
लेकिन कर्कश ध्वनि ऊर्जा से बना प्राणी था।

और उसपर किसी भी चीज का असर नहीं होता था।
जबकि कर्कश के वार का असर हर चीज पर होता था।

आह! इसके दूसरे वार ने तो मेरी लगभग सारी ताकत को खत्म कर दिया है।
अगर इसने मुझे एक बार और छू लिया, तो फिर मैं कभी उठ नहीं पाऊंगा।
पर इसकी सारी ताकत के बावजूद इसमें कोई न कोई कमजोरी तो जरूर होगी।
जिससे इसे रोका जा...!

एक मिनट!
इसके दोनों बाजुओं के अंत में ये गोले कैसे हैं?
यह तो साफ पता लग रहा है कि यह प्राणी एनर्जी का बना है!
और मेरे ख्याल से ये दोनों गोले इसके शरीर के पॉजिटिव और नेगेटिव प्वाइंट हैं!
ठीक वैसे ही जैसे बिजली या बैटरी में होते हैं।

और अगर इन दोनों प्वाइंटों को मिला दिया जाए, तो शार्ट सर्किट हो जाएगा और यह जीव खत्म हो जाएगा।
इस थ्योरी को तो मैं अभी टेस्ट कर लेता हूं।
ध्रुव ने मीनार के मलबे से एक लोहे के सरिए को खींचकर मोड़ दिया।

और उसको अपनी बेल्ट से पकड़ लिया।
कर्कश के दोनों हाथ एक बार फिर ध्रुव की तरफ लपके।
और ध्रुव ने फुर्ती के साथ सरिए के दोनों सिरे अपने निशानों से सटा दिए।

रोशनी का एक तेज झमाका हुआ।
और कर्कश गायब हो गया।
फ्र्याक

साथ ही साथ–इस शॉर्ट सर्किट का असर कहीं दूर तक हुआ।
यह क्या?
कर्कश के साथ-साथ, उसको पैदा करने वाला मेरा यह यंत्र भी शॉर्ट सर्किट हो गया।...
कड़ाक
...क्योंकि यह ध्वनि तरंगों के जरिए कर्कश से जुड़ा हुआ था।
अब हम कर्कश को दुबारा पैदा नहीं कर पाएंगे!

और दूसरी तरफ–
कमाल है, ध्रुव! मैं तो सोच भी नहीं सकता था, कि ऐसे प्राणी को नष्ट भी किया जा सकता है!
अभी खुश होने की जरूरत नहीं है, इंस्पेक्टर!
क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि इस जीव को ध्वनिराज ने यहां पर भेजा था।
इसीलिए जब तक मैं ध्वनि-राज को पकड़ नहीं लेता, तब तक मुझे चैन नहीं मिलेगा।

वह रात बगैर किसी और घटना के बीत गई।
लीजिए! आ गए कंजूस-मक्खीचूस!
कंजूस! मैं कंजूस हूं?
नहीं होते, तो मुझे दो हजार रुपए न दे देते?
न तो रुपए देते हो, और न ही मेरा इयर प्लग वापस करते हो।

तेरे 'इयर प्लग' से अभी मुझे कुछ काम है।
और रही पैसे की बात, तो मैं अभी रेणु को फोन कर देता हूं। तू जाकर उससे पैसे ले लेना!
समाचार

ओ०के०! तो ये लो फोन!
श्श्श्श! एक मिनट! न्यूज सुन लेने दो!
... कल रात को राजनगर में एक अजीबोगरीब प्राणी ने, एक फ्लाई-ओवर के साथ-साथ ऐतिहासिक महत्व वाले 'विजय-स्तंभ' को भी ध्वस्त कर दिया।
लेकिन मशहूर हीरो सुपर कमांडो ध्रुव ने वक्त पर घटनास्थल पर पहुंच कर इस प्राणी को नष्ट कर दिया।

अच्छा! तो कल रात को तुम...
चुप!
इस घटना के पीछे, किसका हाथ ....खर्रर्र कड़ड़पज्जईईई!...
अरे! एकाएक डिस्टर्बेंस क्यों आने लगा?
डिस्टर्बेंस के साथ ही न्यूज-रीडर का चेहरा गायब हो रहा था।

और उसपर एक नया चेहरा उभर रहा था।
ध्वनिराज!
राजनगर के वासियो! मैंने यह प्रसारण तुम लोगों को एक जरूरी संदेश देने के लिए रोका है।
कल रात राजनगर में तबाही फैलाने वाला प्राणी, मेरा सेवक कर्कश था!
और इस समय मेरी 'अल्ट्रासोनिक तोप' तुम्हारे राजनगर पर सधी हुई है।
अपने एक इशारे से मैं राजनगर की हर इमारत को धूल में मिला सकता हूं! और अगर कल सुबह तक तुम लोगों ने मुझे पचास करोड़ रुपए नहीं दिए तो मैं ऐसा ही करूंगा!

तुम लोगों को यकीन दिलाने के लिए अब से एक घंटे बाद, मैं अपने अड्डे पर बैठे-बैठे, 'सिटी हॉल' को नष्ट कर दूंगा! गुडबाय राजनगरवासियो!
ओ माई गॉड!
यह आदमी वाकई पागल है! मुझे इसे हर कीमत पर रोकना होगा!

अरे, भइया! मेरे पैसे...?
यह तो कुछ सुन ही नहीं रहा है! यह जरूर इस ध्वनिराज के पीछे जा रहा है।
लेकिन मुझे नहीं लगता कि भइया, ध्वनिराज से अकेले निपट सकता है! वह खतरनाक आदमी लगता है!
इसीलिए आज चंडिका भी, ध्रुव की मदद के लिए जाएगी।

और मेरे 'इयर प्लग' में जो माइक्रोफोन लगा है, वह मुझे बताता रहेगा, कि भइया कहां जा रहा है!

ध्रुव का पहला स्टॉप, पुलिस हैडक्वार्टर था।
उस पागल का मैसेज हमारे पास आ चुका है, ध्रुव। उसने कल सुबह तक पचास करोड़ रुपए, अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में खड़े एक स्टीमर पर भेजने को कहा है!
वर्ना कल सुबह से वह राजनगर की इमारतों को तबाह करना शुरू कर देगा।
अगर हमको पता होता कि वह ये सब हरकतें कहां से बैठकर कर रहा है तो...!

ओह! यह तो मुझे याद ही नहीं रहा!
क्या याद नहीं रहा, ध्रुव?... और तुम चल कहां दिए?
लौटकर बताता हूं, सर!

इस भाग-दौड़ में मैं यूकिलिप्टस के जूते में चिपके उस पौधे को तो भूल ही गया था। जिसे मैंने बॉटेनिकल गार्डन के डॉ० जोशी को यह पता करने के लिए दिया था, कि वह अजीब पौधा कहां पैदा होता है।
मेरे ख्याल से अब तक उन्होंने यह पता कर लिया होगा।

ध्रुव तुरंत काली पहाड़ी की तरफ रवाना हो गया।

पहले मैं खुद यह पता कर लूं, कि ध्वनिराज का अड्डा काली पहाड़ी पर है या नहीं।

उसके बाद मैं पुलिस को इंफार्म करूंगा। मैं पुलिस को गलत खबर देकर उनका ध्यान बंटाना नहीं चाहता।

श्वेता के अनुमान को ध्वनिराज सही साबित कर रहा था।

ध्वनिराज! आपका ध्रुव पर नजर रखनेवाला आइडिया बहुत सही था! लगता है कि वह इधर ही आ रहा है!

यानि उसको किसी तरह हमारे इस अड्डे का पता चल गया है।

मुझे इसी बात से डर लग रहा था!

अगर वह यहां तक पहुंच गया, तो पचास करोड़ तो क्या, पचास पैसे तक नहीं मिलेंगे! इसको अभी तुरंत रोकना होगा!

और यह शुभ कार्य मेरी अल्ट्रासोनिक तोप करेगी!

ध्रुव अपने ऊपर आने वाले खतरे से बेखबर नहीं था।
पर उसे यह पता नहीं था, कि खतरा कहां से, और कैसे आएगा।
...कल रात कर्कश के खत्म हो जाने से, ध्वनिराज यह तो जान ही गया होगा कि मैं अभी जिंदा हूं। और फिर वह मुझे मारने...!
और जब तक उसे खतरे का आभास होता।
तब तक टूटती मूर्ति के भारी टुकड़े ठीक उसके ऊपर गिरने शुरू हो गए थे।
और इसबार आस पास लोहे का कोई पाइप नहीं था।
यह कुत्ता अचानक कस के क्यों चिल्लाने लगा? यह जरूर ऐसा कुछ सुन रहा है, जिसे मैं नहीं सुन पा रहा।
जैसे अल्ट्रासोनिक तरंगें! यानि ध्वनिराज फिर मुझपर आक्रमण कर रहा है!
वाऊऊ ऊऊऊ
पर कैसे?
अपने आसपास देख रहे ध्रुव का ध्यान उस मूर्ति पर बिल्कुल नहीं था, जिसके ठीक नीचे वह खड़ा हुआ था।
पर ध्रुव ने अपने होशोहवास काबू में रखे।
ध्वनिराज ने मुझपर, जगह चुनकर हमला किया है!
बचने का सचमुच कोई मौका नहीं है!..
..सिवाय एक रास्ते के!

अगले ही पल- ध्रुव ने अपनी मोटरसाइकल को हवा में उठा दिया।
और मूर्ति के भारी टुकड़े, ध्रुव के सिर पर गिरने के बजाय, स्पेशल मोटरसाइकल के अगले पहिए से टकरा कर इधर-उधर छितरा गए।
तड़क
ठक
धड़
ओफ्! मौत से बाल-बाल बचा!
यह तो फिर बच गया, ध्वनिराज!
यह लड़का इतनी आसानी से खत्म हो सकता, तो यह कब का मर चुका होता! पर मेरे पास और भीषण दांव भी हैं।
अगले ही क्षण- ध्रुव पर जैसे बिजली गिरी।
लेकिन इस बार ध्रुव सतर्क था।
कड़ाक
तेजी से लहराती हुई मोटरसाइकल ने ध्वनि तरंग के वार को साफ बचा लिया।
ध्वनिराज के इस हमले ने इस बात को पक्का कर दिया है, कि मैं सही रास्ते पर बढ़ रहा हूं।...
...और इस बात को भी कि ध्वनिराज मुझे किसी तरह से देख भी रहा है!
और जल्दी ही वह मुझ पर हमला जरूर...
लेकिन इस बार ध्वनिराज, ध्रुव को सांस लेने का मौका भी नहीं देना चाहता था।
ध्रुव पर एक के बाद एक ताबड़तोड़ वार होते रहे।
कॉश
फ्जंश
फीश
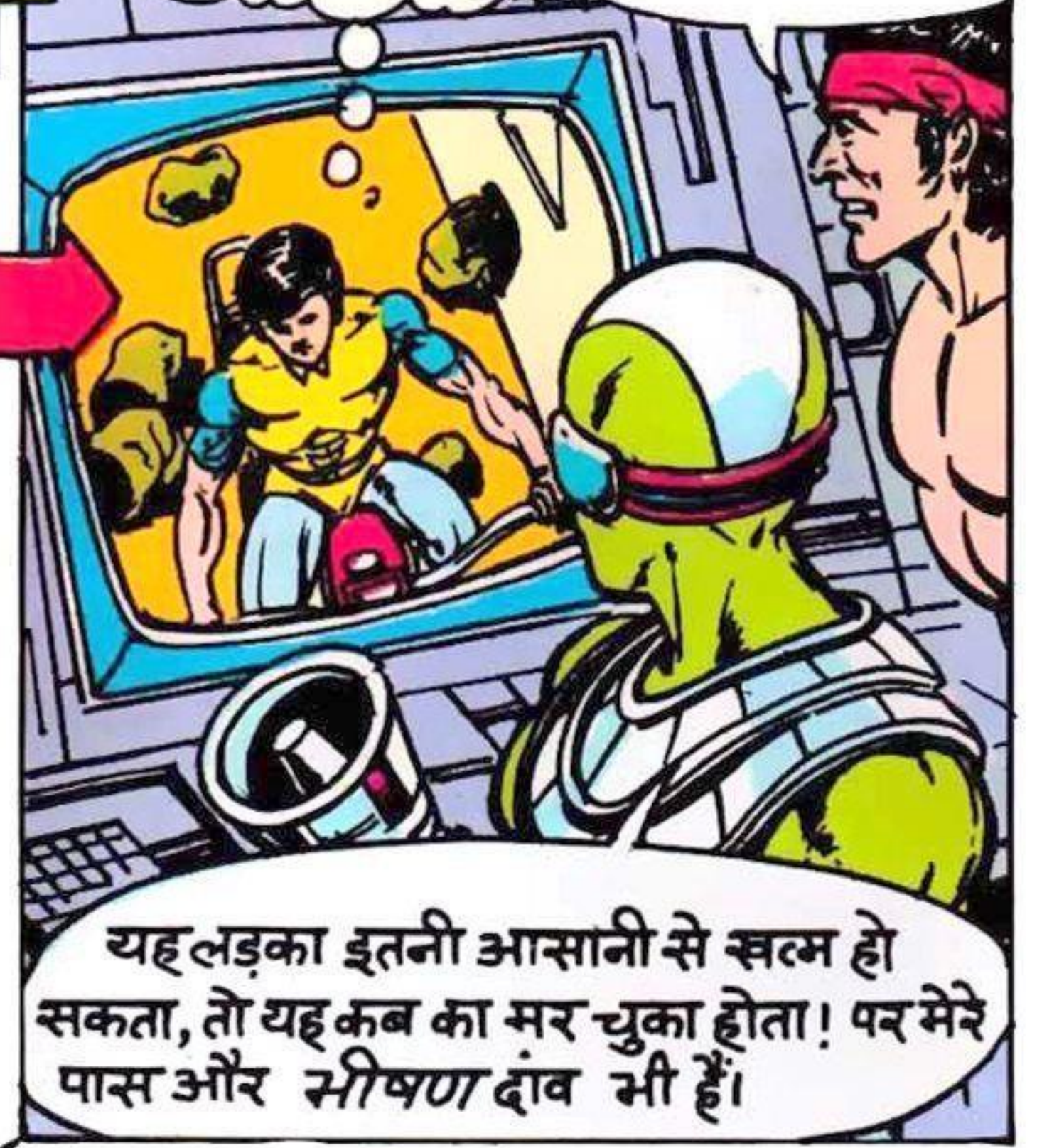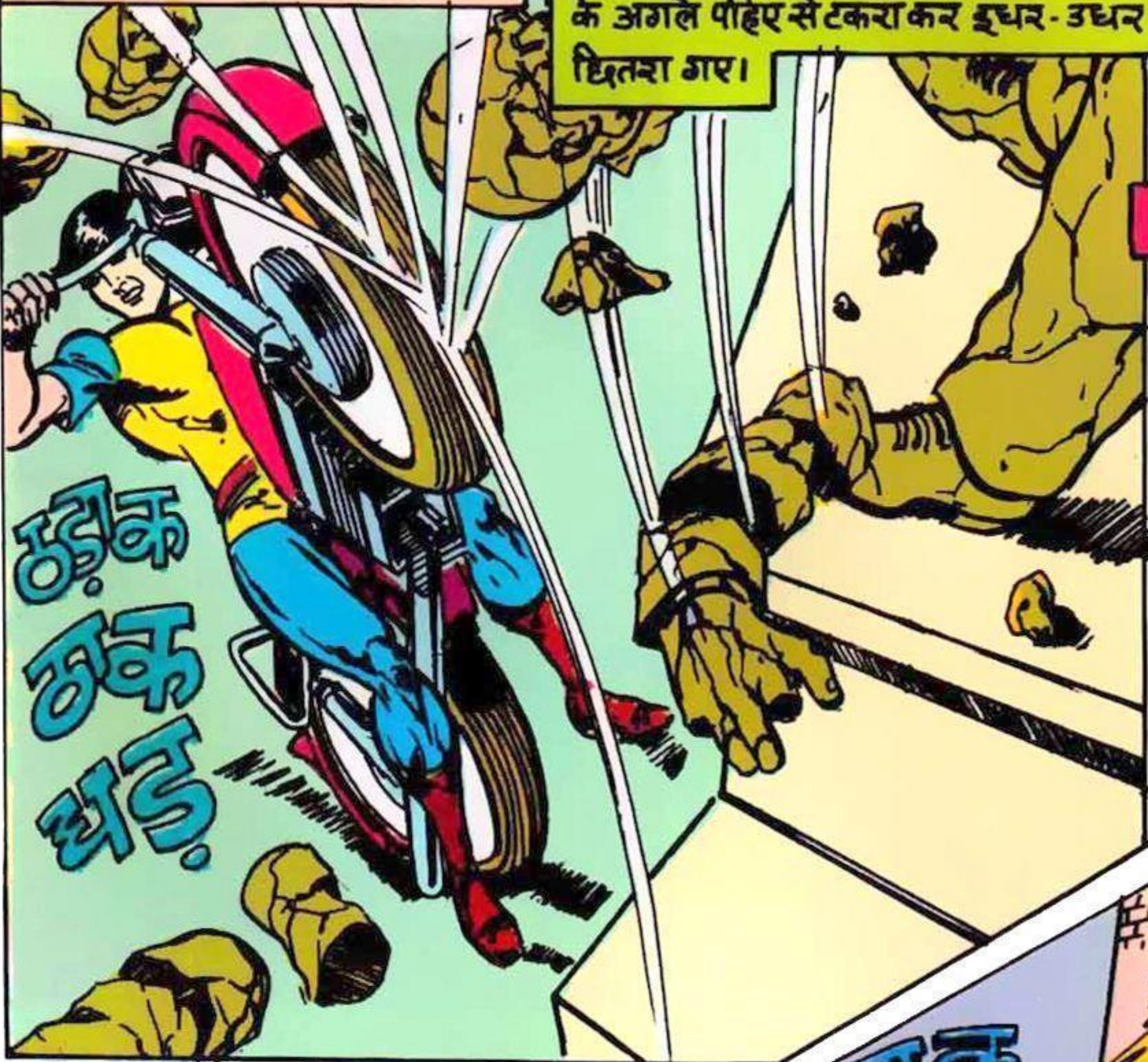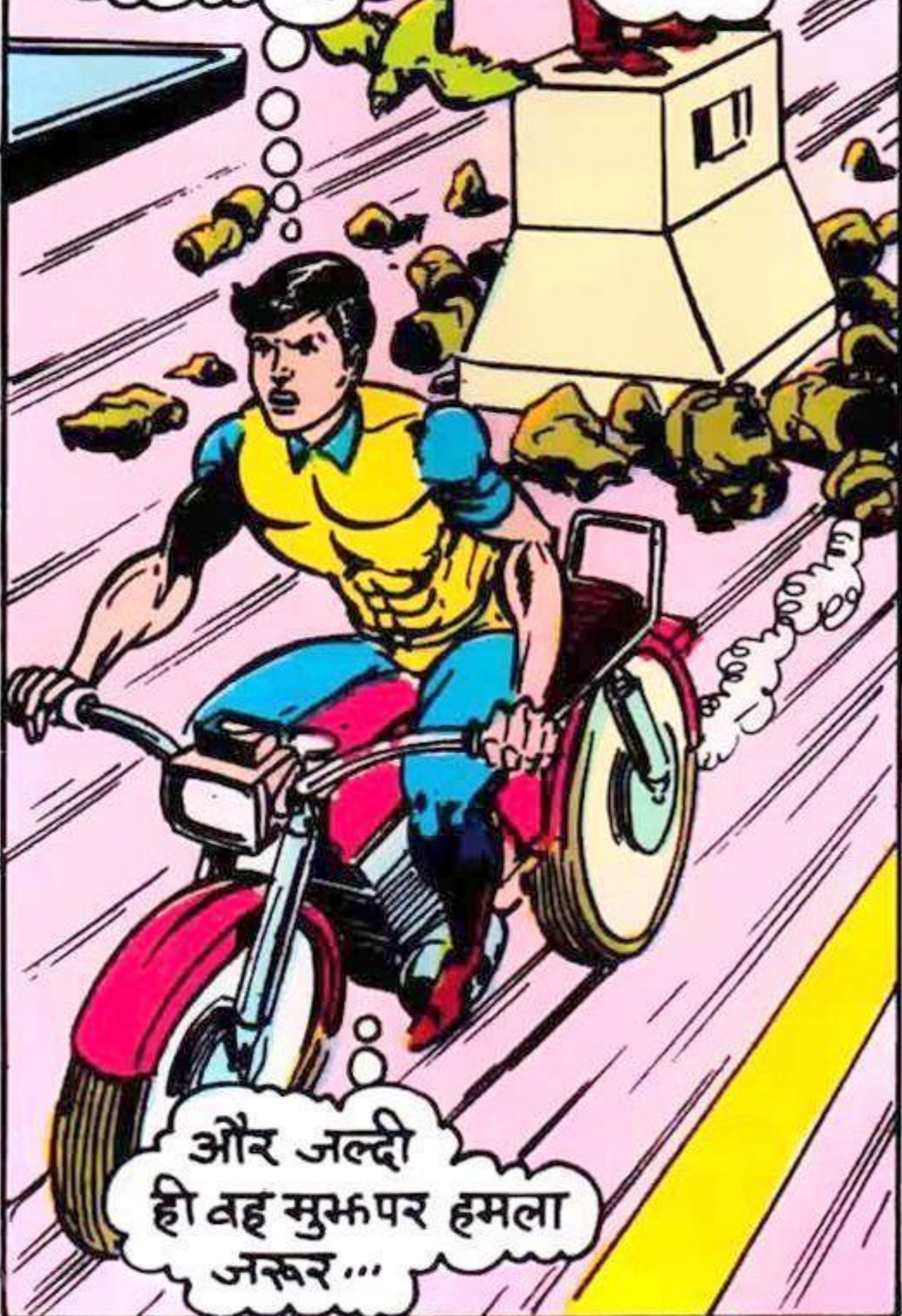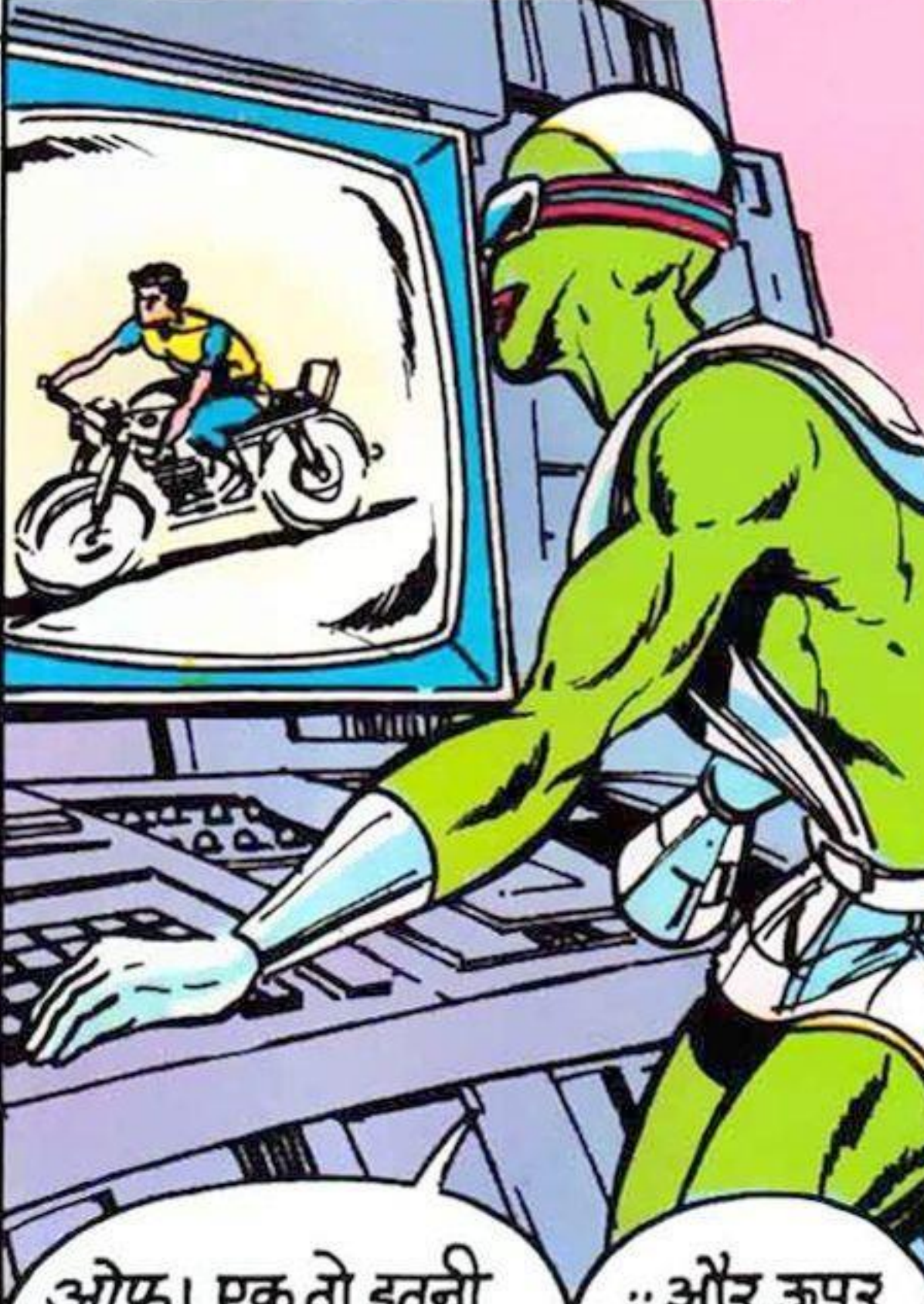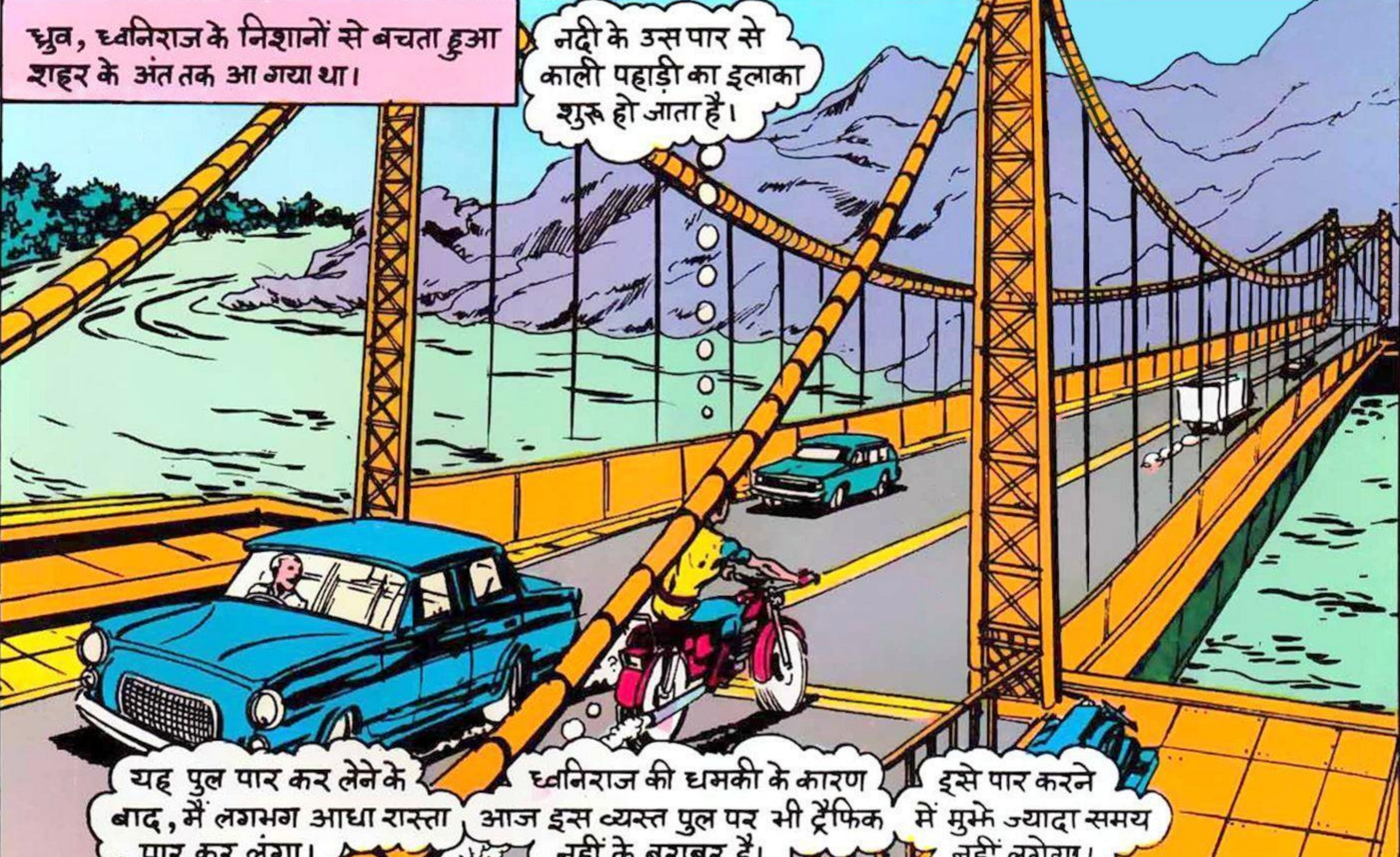
ध्रुव, ध्वनिराज के निशानों से बचता हुआ शहर के अंत तक आ गया था।

नदी के उस पार से काली पहाड़ी का इलाका शुरू हो जाता है।

यह पुल पार कर लेने के बाद, मैं लगभग आधा रास्ता पार कर लूंगा।

ध्वनिराज की धमकी के कारण आज इस व्यस्त पुल पर भी ट्रैफिक नहीं के बराबर है।

इसे पार करने में मुझे ज्यादा समय नहीं लगेगा।

लेकिन ध्रुव के पुल पर पहुंचते ही पूरा पुल एक भयंकर कंपन से कांपने लगा।
गगाड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ ड़ ड़ ड़
यह एकाएक पुल को क्या हो गया? यह पुल तो भूकंपों के झटकों को भी आराम से सह जाता है!
ये जरूर ध्वनिराज का मुझपर दूसरा हमला...!

ध्रुव के पूरी बात सोच पाने से पहले ही पुल के बीच का पूरा हिस्सा एक जबर्दस्त कड़कड़ाहट के साथ पानी में गिरने लगा।
ओह! तो ये है ध्वनिराज का प्लान!
कड़ाड़ड़ड़ड़ड़

लेकिन ऐसे बचकाने प्लानों से ध्वनिराज मुझे उस तक पहुंचने से नहीं रोक सकता।
हवा में गिरते कंक्रीट के टुकड़े पर से ध्रुव ने मोटरसाइकल सहित एक जबर्दस्त छलांग लगाई।

और मोटरसाइकल के दोनों पहिए, पुल को थामने वाले लोहे के मजबूत तारों पर आ टिके।

देखते ही देखते ध्रुव पुल को पार कर चुका था।
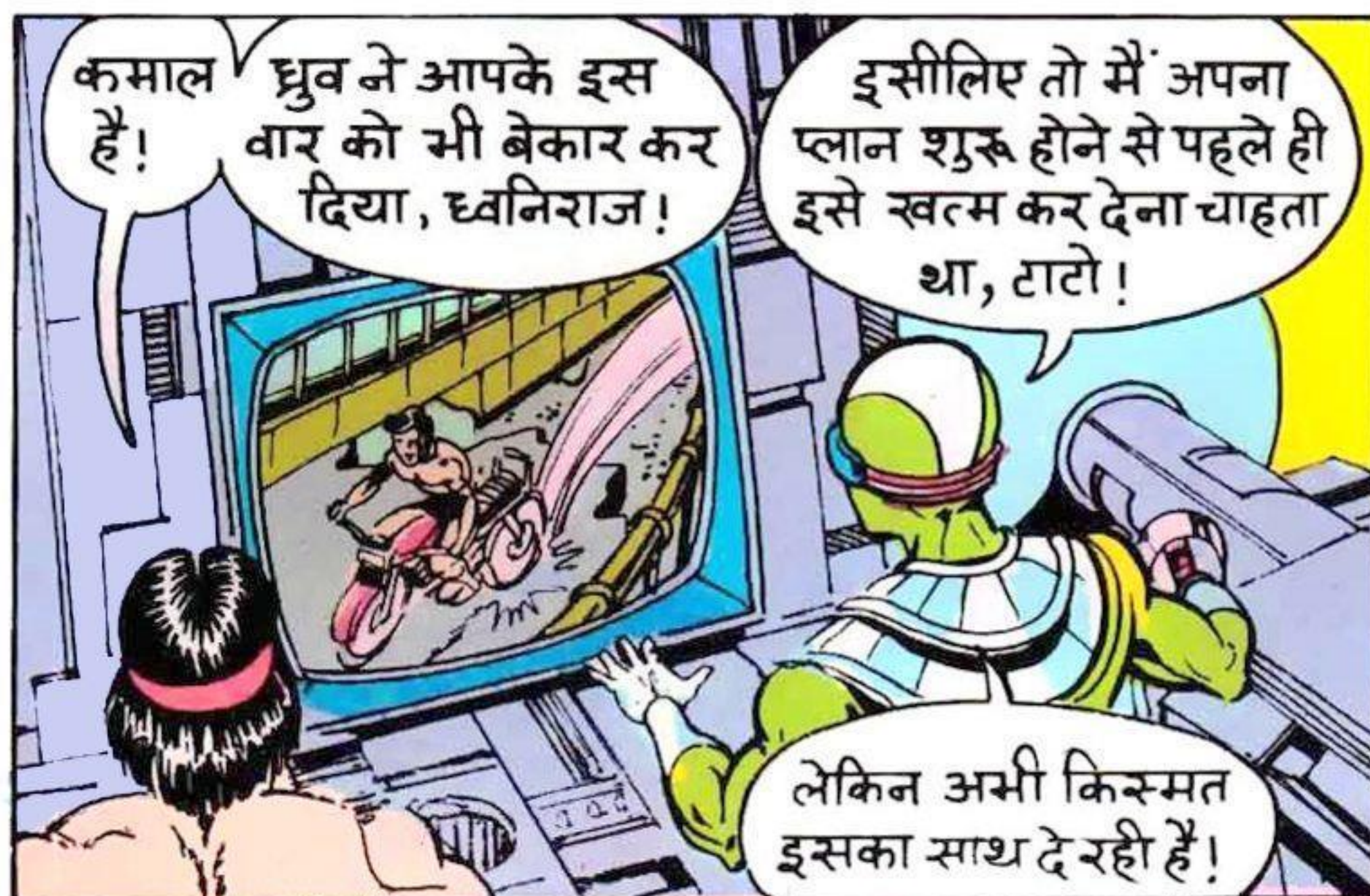
पुल के बाद से काली पहाड़ी का घुमावदार और पेंचदार रास्ता शुरू हो जाता था।
अब असली खतरा यहां से शुरू होता है!
अगर ध्वनिराज ने मुझपर इस पहाड़ी इलाके में हमला किया, तो मेरा बचना मुश्किल हो जाएगा!

और पहाड़ी की चोटी पर-
तुमको पक्का पता है, कि अब वह पहाड़ी सड़क के सबसे संकरे हिस्से में आ रहा है?
हां, ध्वनिराज! यह इस चढ़ाई का सबसे संकरा हिस्सा है!
तो फिर मेरे काम के लिए यह जगह सबसे उपयुक्त है!
ध्वनिराज के हमले का इंतजार कर रहे ध्रुव का ध्यान अपने ऊपर की तरफ बिल्कुल नहीं था।
जहाँ पर एक विशालकाय बाज ध्रुव का काफी देर से पीछा कर रहा था।

ओह! यह सड़क तो मुश्किल से पांच फीट चौड़ी होगी! लोग यहां से कार कैसे...?
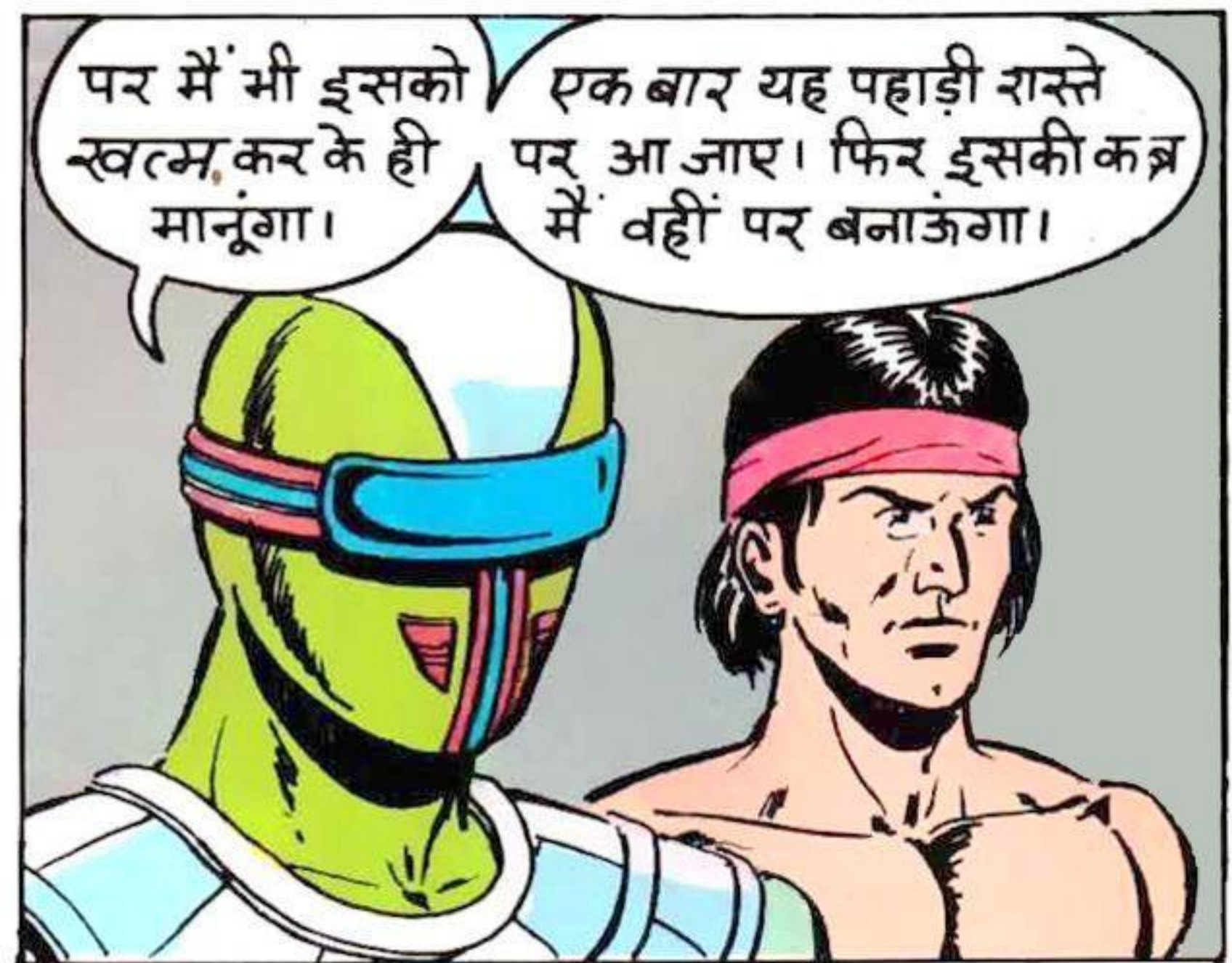
तभी पहाड़ी के ऊपरी हिस्से पर एक धमाका हुआ।
और विशालकाय चट्टानें, एक गड़गड़ाहट के साथ, सीधे ध्रुव के रास्ते पर लुढ़कती हुई ध्रुव की तरफ बढ़ने लगीं।
बड़ाम
ओहो! ध्वनिराज ने यह वार बहुत सोच समझ कर किया है।
वह समझता है कि या तो अब मैं भारी पत्थरों के नीचे कुचला जाऊंगा, या सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिर जाऊंगा!...
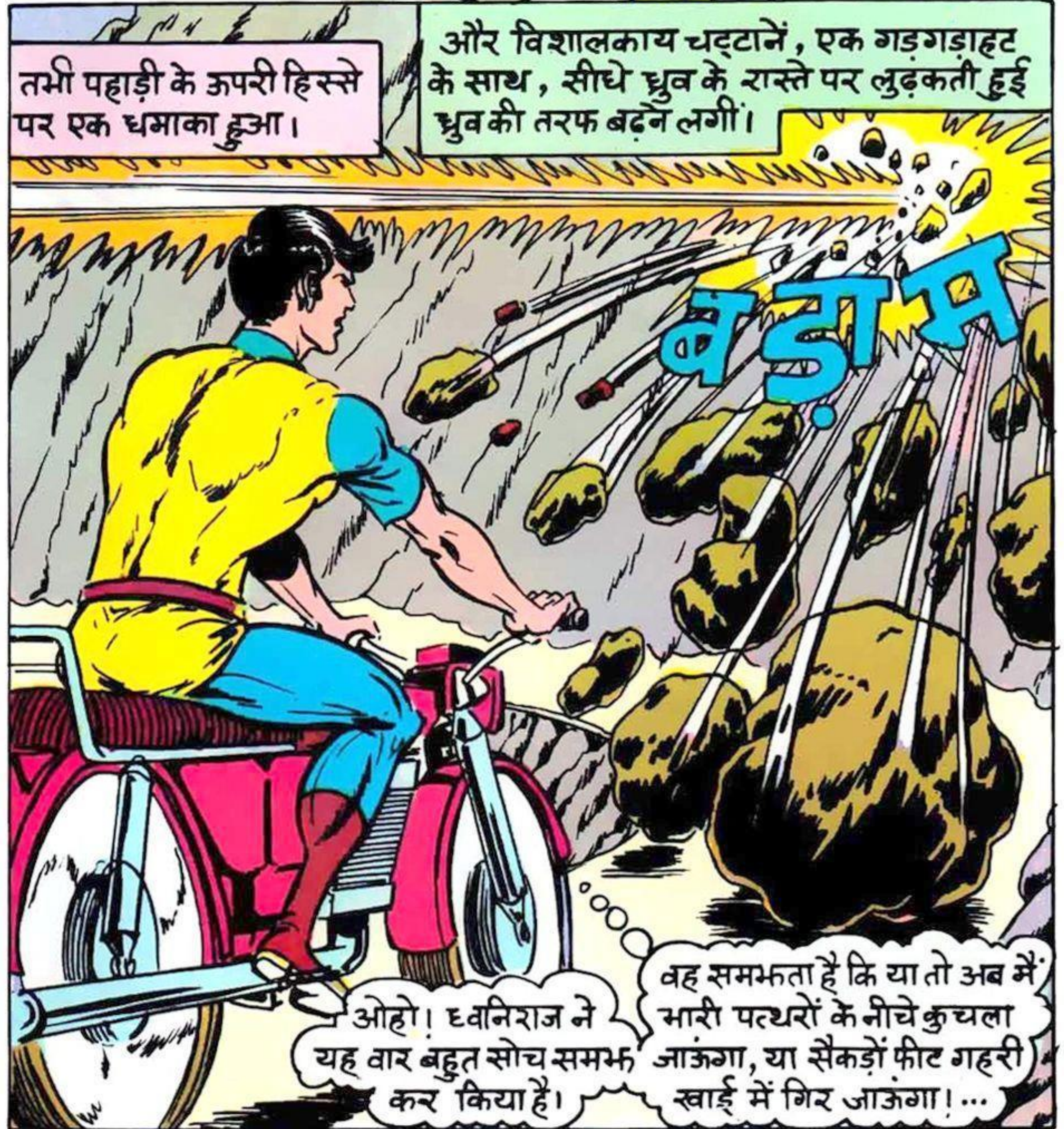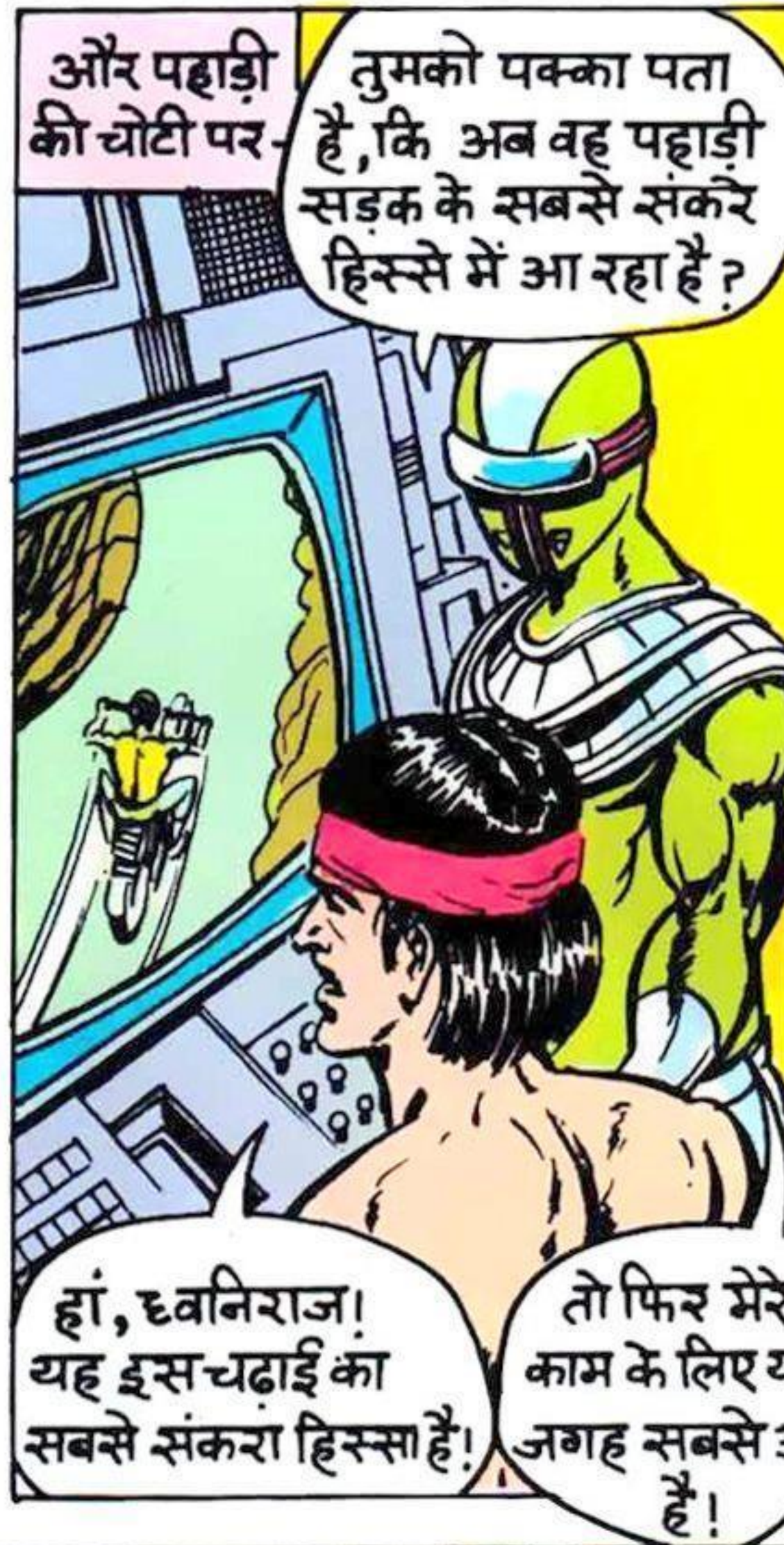
लेकिन वह यह नहीं जानता, कि ध्रुव, जुपिटर सर्कस में एक आइटम 'मौत का कुआं' दिखाता था। जिसमें मोटरसाइकल को एक गोल पिंजरे की दीवारों पर चलाना पड़ता था।
आज वह आइटम मैं ध्वनिराज को फ्री में दिखाऊंगा। इस सपाट और गोल पहाड़ी दीवार पर मोटरसाइकल चला कर!
ध्रुव ने अपने बदन को झुका कर मोटरसाइकल की स्पीड और तेज कर दी।
और मोटरसाइकल अपना रास्ता बदल कर पहाड़ी ढलान पर चढ़ गई। देखते-देखते ध्रुव लुढ़कते पत्थरों के ऊपर से...
...सुरक्षित निकल गया।
आहा! इस युद्ध की यह तीसरी बाजी भी मेरे ही नाम रही।

यह (गड़ब्)... यह तो मेरे हर वार को बेकार करता जा रहा है। और अब यह हमारे अड्डे से ज्यादा दूर भी नहीं है। अब मेरे पास सिर्फ एक आखिरी मौका है।
वर्ना ध्रुव हमारे इस अड्डे तक पहुंच ही जाएगा।
और फिर न जाने क्या होगा!
इस बात को ध्रुव भी समझ रहा था।
अब वह जगह ज्यादा दूर नहीं है, जहां पर मुझे ध्वनि-राज का अड्डा होने का शक...!
धड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़
ड़ड़ड़ड़ड़
यह आवाज कैसी हो रही है?
पूरी सड़क भी हिल रही है। लग रहा है कि जैसे भूकंप आ रहा हो।
मतलब साफ है!
मुझपर ध्वनिराज का चौथा हमला हो रहा है!...
देखते ही देखते, रास्ते का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिरने लगा।
कड़ा ड़ड़ ड़ड़ ड़ड़
इतनी स्पीड में मैं न तो तेजी से ब्रेक मार सकता हूं।...
और न ही, पहले की तरह इन ऊबड़-खाबड़ दीवारों पर चढ़ सकता हूं।
इस मुसीबत से उबरने का एक ही रास्ता है।
रुकने के बजाय, और तेज चलने का।
स्पीडोमीटर की सुई थिरककर दो सौ के आंकड़े पर जा रुकी।

और ध्रुव की मोटरसाइकल, हवा में एक ऐसी छलांग लगाने के लिए उड़ी। -
जिसकी आज तक किसी भी आदमी ने कोशिश तक नहीं की थी।
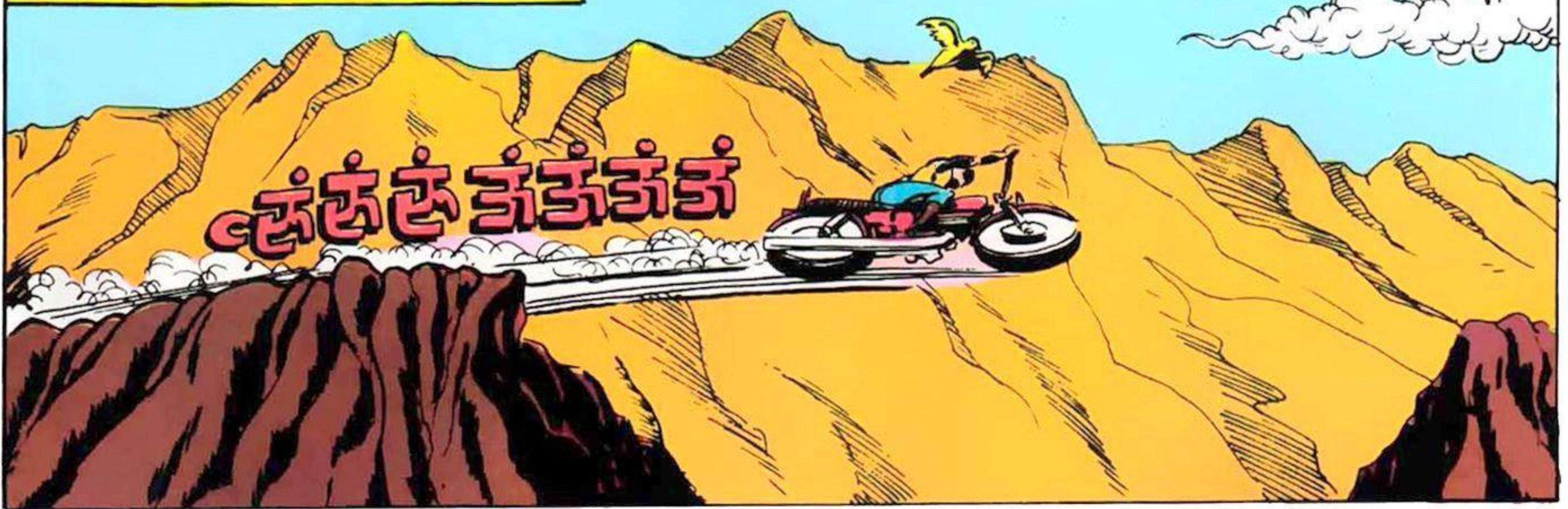
ध्रुव का यह अद्भुत करिश्मा देखने के लिए कई दर्शक मौजूद थे।
जैसे काली पहाड़ी की 'रोप-वे ट्रॉली' पर बैठे कुछ बच्चे।
सचिन, वो देख! सुपर कमांडो ध्रुव!
माई गॉड! यह छलांग लगा पाएगा या नहीं?

ऊपर चोटी पर बैठा वही विशालकाय बाज!

और ध्वनिराज-
अबकी बार मेरा वार खाली नहीं जाएगा!
कोई भी इंसान मोटरसाइकिल से इतनी लंबी छलांग नहीं लगा सकता!
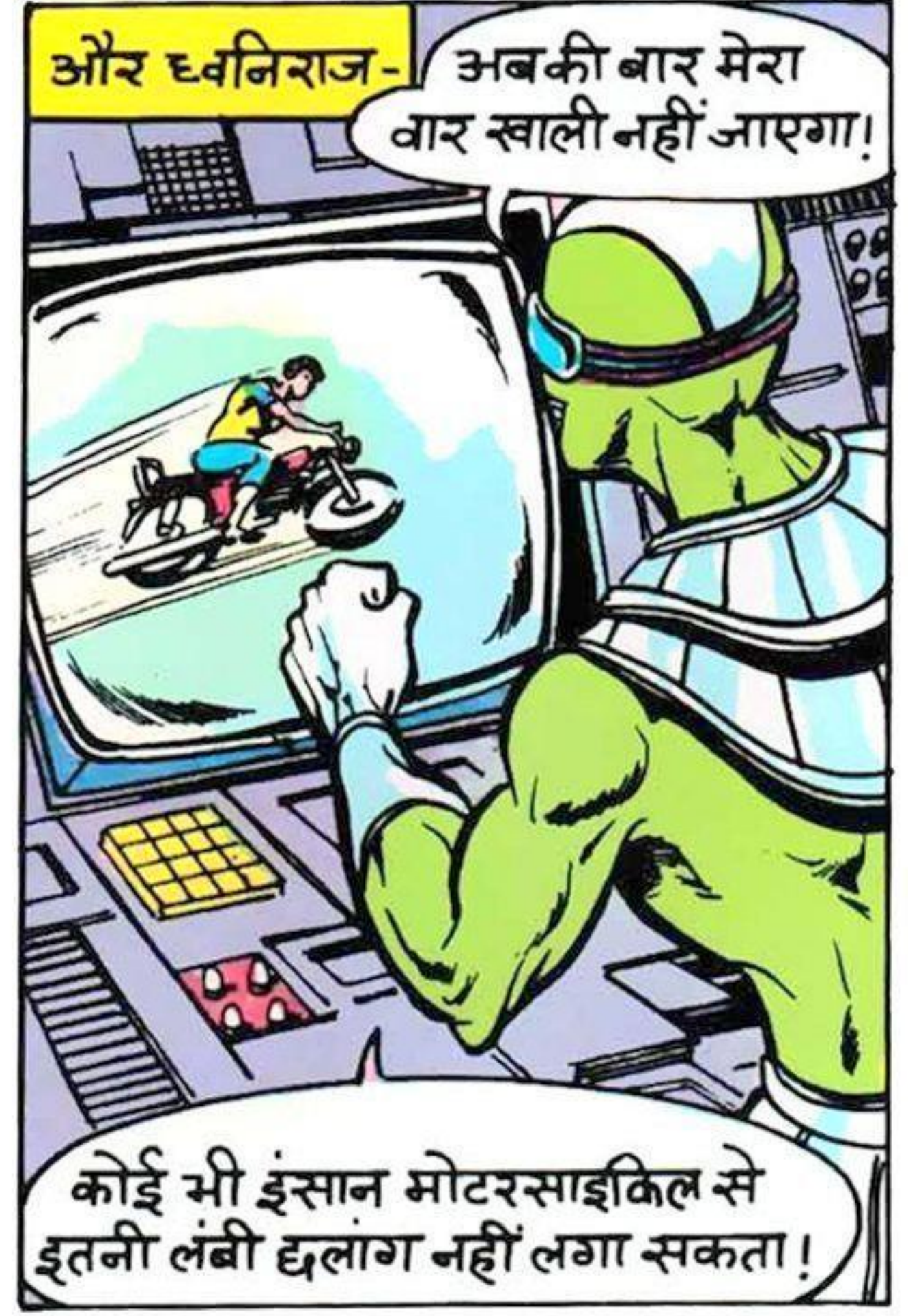
मोटरसाइकल तेजी से खाई के दूसरे छोर की तरफ गिरी। -
और अगला पहिया खाई के छोर पर आ टिका।
पलभर के लिए लगा कि ध्रुव ने खाई पार कर ली है।
थड़ाक

लेकिन फिर मोटरसाइकल असंतुलित होकर सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिरने लगी।
सचिन, ध्रुव गिर रहा है!
अब मुझे 'रोप-वे' का यह मोटा तार ही बचा सकता है!
पर क्या मैं इतनी ऊंचाई से सिर्फ एक तार पर गिरने का करिश्मा दिखा पाऊंगा?
जरा सी भी चूक से, मैं इस तार के अगल-बगल से निकल जाऊंगा!
और फिर मेरी हड्डियों का भुर्ता बनना पक्का है।
कई सांसें रुकी हुई थीं। लेकिन फिर-
.. कलाबाजी खाती हुई ध्रुव की मोटरसाइकल रोप-वे के तार पर आ टिकी।
टैंग
हुर्रेरेरे! ध्रुव बच गया!
अब ध्रुव हमारे साथ-साथ चलेगा!
ध्वनिराज मुझपर इतने सधे हुए हमले कैसे कर पा रहा है? जरूर वह किसी तरह से मुझे देख रहा है। पर कैसे?
एक मिनट! वह तोता!! वह तोता हवा में बगैर पर हिलाए उड़ रहा है! तोते ऐसे कभी नहीं उड़ते!
यानि यह तोता नकली है!
यह जरूर ध्वनिराज का 'रिमोट कंट्रोल खिलौना' है जिसमें वीडियो कैमरा लगा है।
और इसी से वह मुझपर नजर रख रहा है। .. मैं अभी इस का इंतजाम करता हूं।
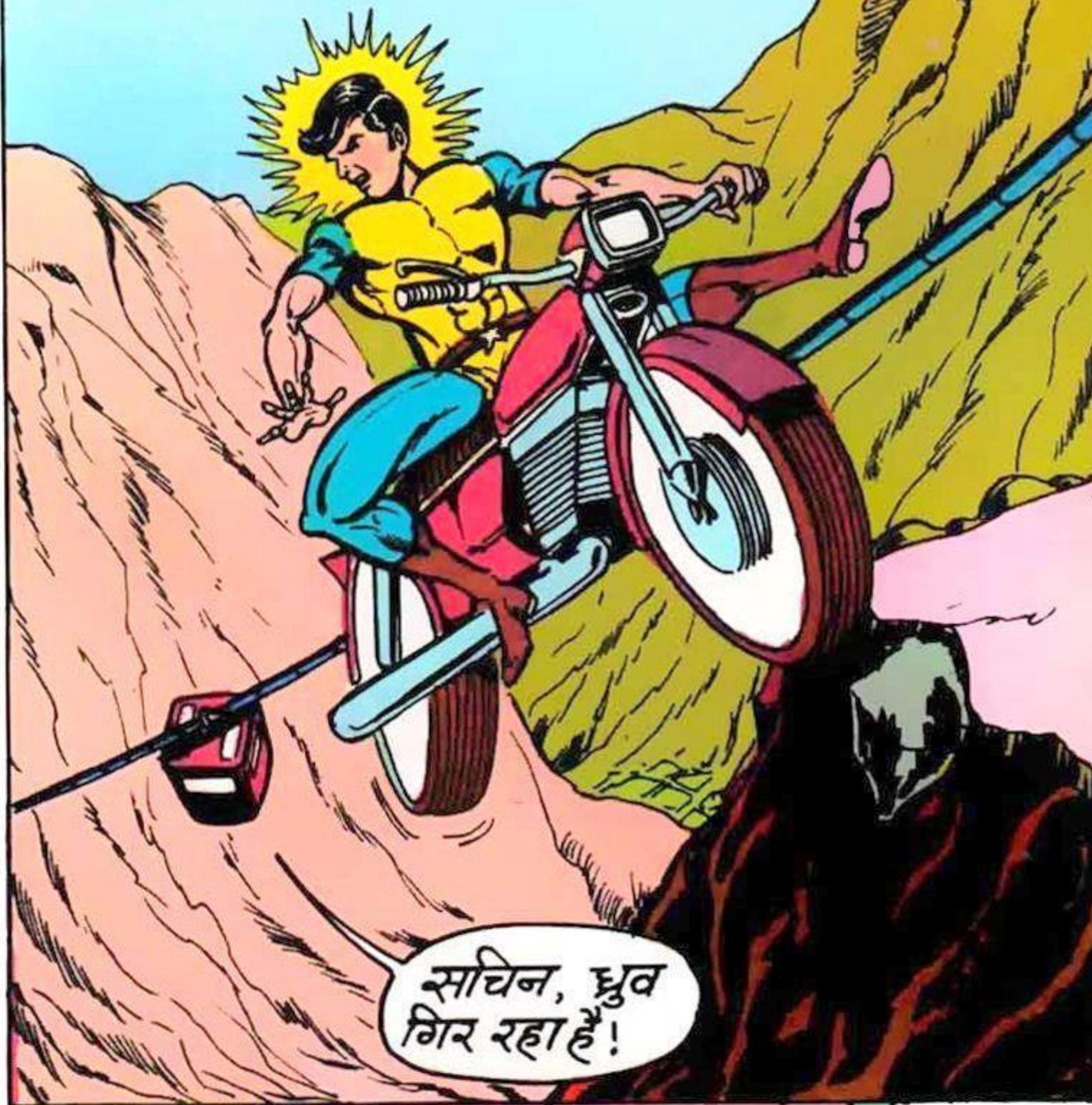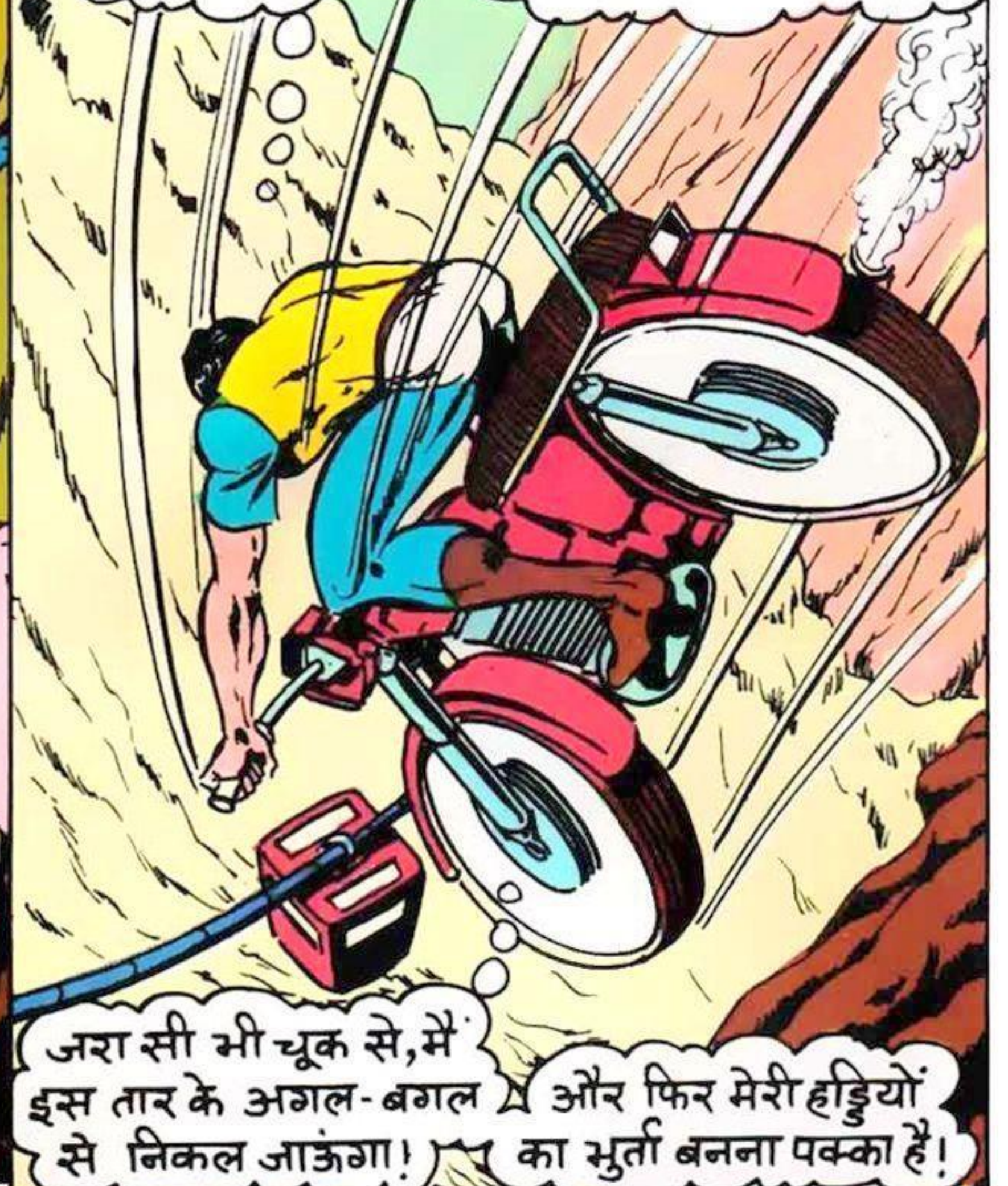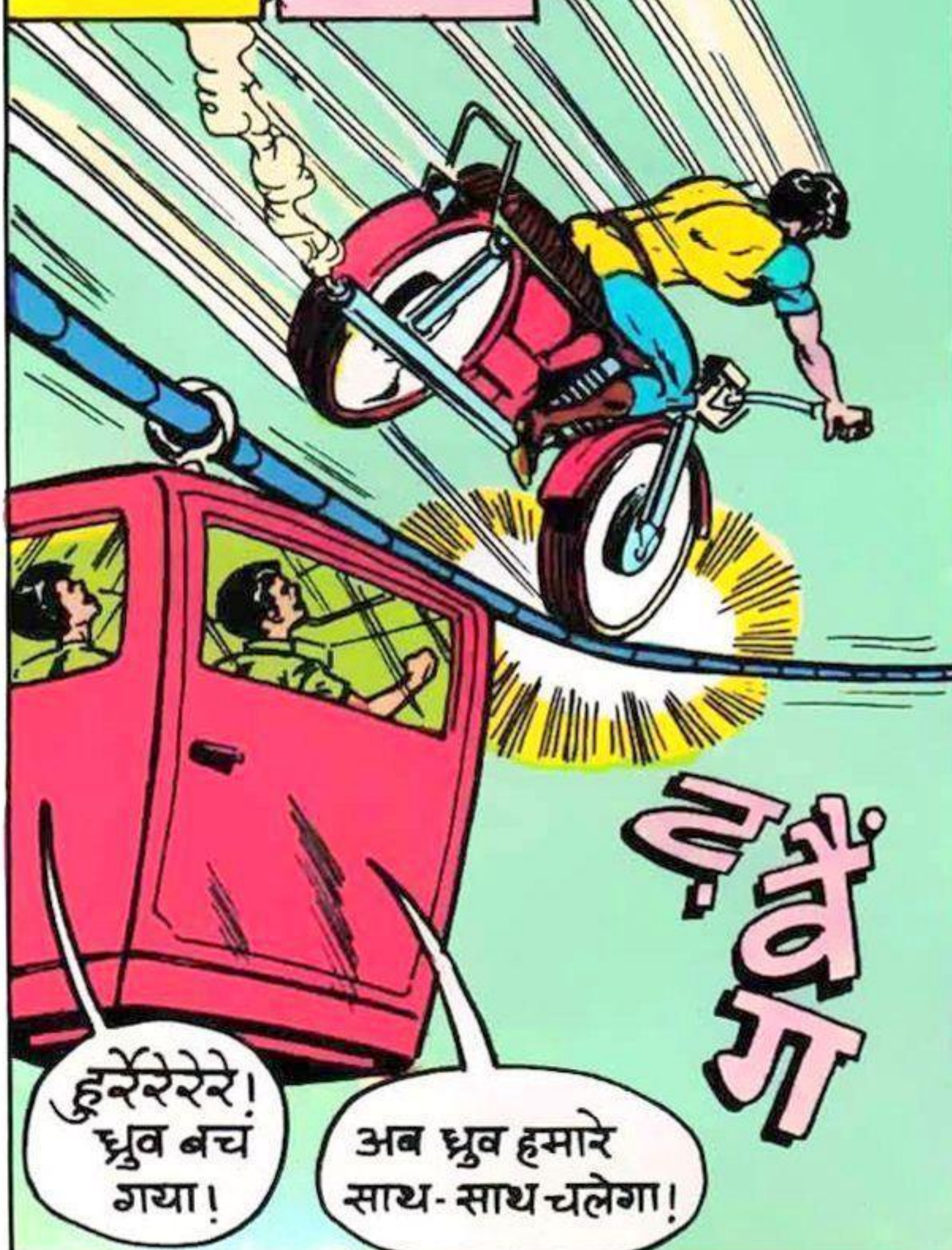
इसने शायद हमारे कैमरे को देख लिया है, ध्वनिराज।
इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। क्योंकि अब यह मुझसे बच नहीं पाएगा।
मेरा अगला वार 'रोप-वे' के तार पर ही होने जा रहा है।

उधर- ध्रुव के एक ही सधे हुए वार से 'तोता' नष्ट हो गया।
और साथ ही साथ- ध्वनिराज के वार से रोप-वे का तार भी टूट गया।
ताड़
कड़ाक

हम गिर रहे हैं।
बचाओ!
ओह! अगर यह ट्रॉली नीचे गिर गई तो इन बच्चों में से एक भी बच्चा जिंदा नहीं बचेगा।
मुझे इनको बचाना ही होगा।
चाहे इसके बदले में मुझे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।

गिरते ध्रुव ने एक हाथ से मोटरसाइकल को हवा में घुमा दिया।
और रोप-वे का तार मोटरसाइकल में लिपटने लगा।

फिर ध्रुव के एक सधे हुए झटके से मोटरसाइकल एक उभरी चट्टान के दूसरी तरफ जा फंसी।
ट्रॉली एक झटके के साथ हवा में ही रुक गई।

पर ध्रुव का गिरना नहीं रुका।
झटके के कारण मोटर-साइकल उसके हाथ से छूट गई थी।
अब उसके और गहरी घाटी के बीच में सिर्फ हवा थी।
ध्रुव का अंतिम समय आ गया था।

और ध्रुव भी इस बात को समझ गया था, कि अब कोई चमत्कार नहीं होगा।
पर तभी- एक विशाल-काय परछाई ने ध्रुव को ढंक लिया।
!

और दो विशालकाय पंजों ने गिरते ध्रुव की बांहें पकड़ लीं।
और कुछ ही पलों बाद –

ध्रुव वापस पहाड़ी पर खड़ा था।
यह क्या था?
इतना विशालकाय बाज तो मैंने पहले कभी नहीं देखा!
इधर ध्रुव आश्चर्यचकित था।

और उधर- ध्वनिराज बेहद खुश!
मार दिया! मैंने ध्रुव को मार दिया।
मुझे दुख सिर्फ इस बात का है कि मैं उसको, उस के आखिरी वक्त में देख नहीं सका।
उसका डरा चेहरा देखकर मजा आ जाता!

कुछ देर तक झाड़ियों से गुर्राहटों की आवाजें उभरती रहीं।

?

ब्रूनो! कम हियर!

ब्रूनो झाड़ियों से बाहर निकला। -

पर उसके तेवर बदले हुए थे।

और जब तक उसको इस बात का आभास होता -

तब तक ब्रूनो उस पर झपट चुका था।

पहरेदार की आश्चर्यचकित आंखों ने ध्रुव की शक्ल की एक झलक देखी।-
और फिर उस की आंखें एक घंटे के लिए बंद हो गई।
ताड़
यह तो गया!
अब मुझे इस मकान के अंदर जाना है। और सबसे सुरक्षित रास्ता छत पर से होकर जाता है।
इस मकान की दीवारें एकदम सपाट हैं।
इसलिए ऊपर चढ़ने के लिए दूसरा रास्ता अपनाना पड़ेगा।
और उसके लिए मैं यह नाइलोन की डोरी और 'स्टार हुक' लेकर आया हूँ। अब कुछ मदद बुलानी होगी!
चिंचिं चीची!
ध्रुव ऊपर देख कर चहचहाया।
और जवाब में एक चिड़िया ध्रुव के कंधे पर आ बैठी। कुछ देर तक दोनों में चहचहाहट होती रही।
चिं चीं चीं चच चींच
और फिर- चिड़िया अपनी चोंच में प्लास्टिक का स्टारनुमा हुक दबाकर ऊपर उड़ी।-
टक
और उसने हुक को छत के एक उभरे भाग में फंसा दिया।
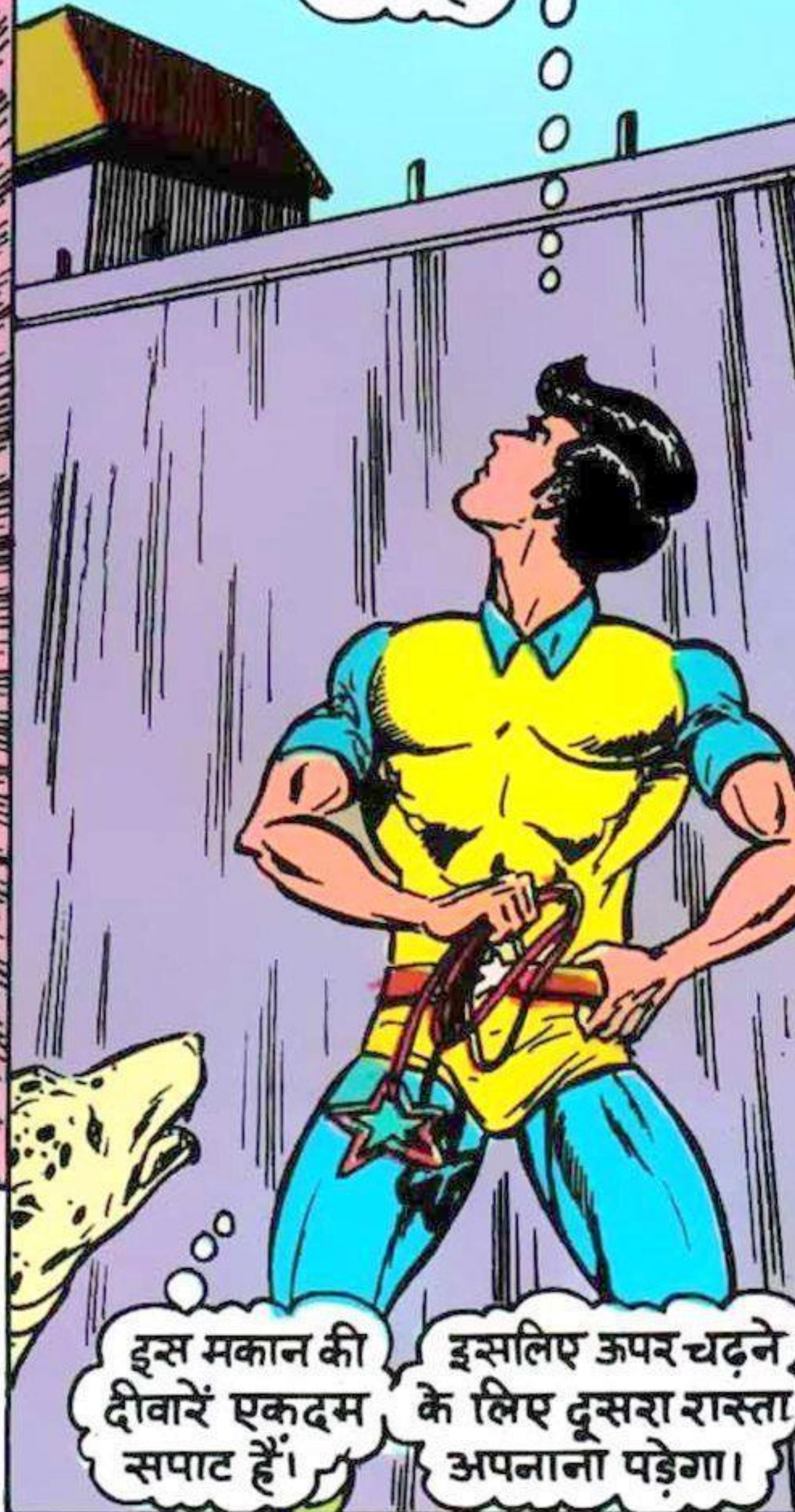
कुछ ही पलों बाद - ध्रुव रस्सी से ऊपर चढ़ रहा था।
पर किस्मत कुछ और ही रंग दिखा रही थी।
क्या फालतू ड्यूटी है! हर दस मिनट बाद छत पर गश्त...।
अरे! इस चिड़िया के पंजों के पास क्या चमक रहा है?
नीचे झांकते ही पहरेदार कुछ पलों के लिए तो चकित रह गया।
लेकिन फिर उसने अपने आप को संभाल लिया।
आहा! तो तुम आ रहे हो! बड़े सख्त-जान हो, यार!
इतनी कोशिशों के बावजूद भी जिंदा बचे हो?

अब मैं अपनी आंखों से देखना चाहता हूं, कि आखिर तुम जिंदा कैसे बच जाते हो?
ओह! यह तो रस्सी काटने जा रहा है! और इतनी ऊंचाई से गिरकर तो मेरा भुर्ता बन जाएगा!

तेज चाकू नाइलोन की पतली डोर काटने के लिए, डोर पर आ टिका।
अब एक हल्का सा झटका ही डोरी काटने के लिए काफी था।

लेकिन तभी - परों की एक तेज फड़फड़ाहट हुई।
विशालकाय बाज एक बार फिर ध्रुव की मदद को आ पहुंचा था।
फड़
फड़
फड़
फड़

कुछ समझ पाने से पहले ही पहरेदार को अपना शरीर हवा में उड़ता महसूस हुआ।
व्हूश

और उसके बाद-नीचे गिरता हुआ!
धड़ाम
उसके बाद उसको कुछ याद नहीं रहा।

यह बाज!
इसने एक बार फिर मेरी जान बचाई है! पर यह है क्या चीज?
और यह बार-बार मेरी जान क्यों बचा रहा है?
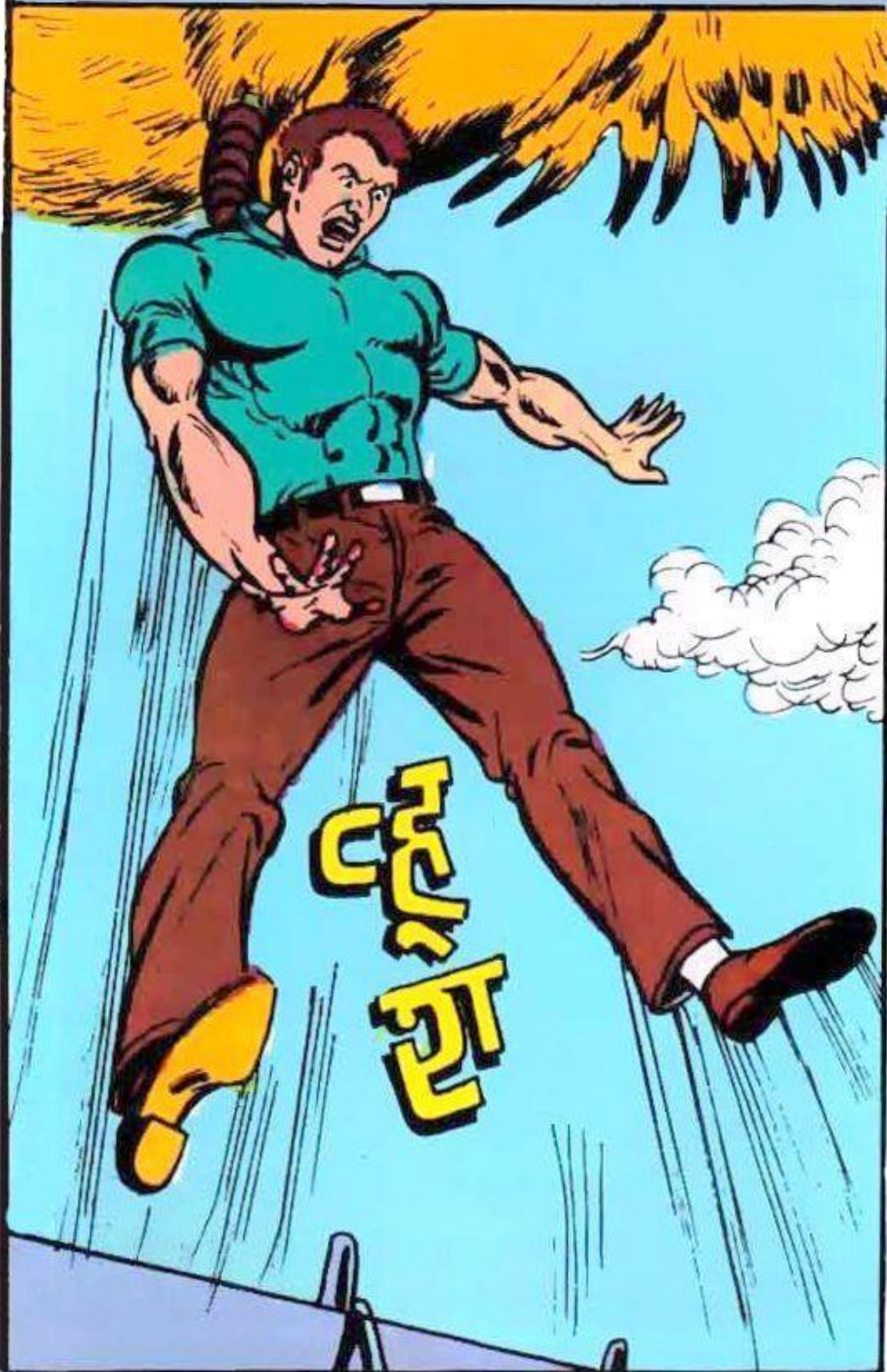
और नीचे-
अभी बड़ी धमाकेदार आवाज आई थी। लगता है फकीरा आज कुछ ज्यादा ही जोर से गश्त लगा रहा है!
यही काम करने की लगन, हमको हमारे दुश्मनों से बचाए रखेगी।
बस, फकीरे! अब नीचे आ जा। दस मिनट बाद फिर जाना।
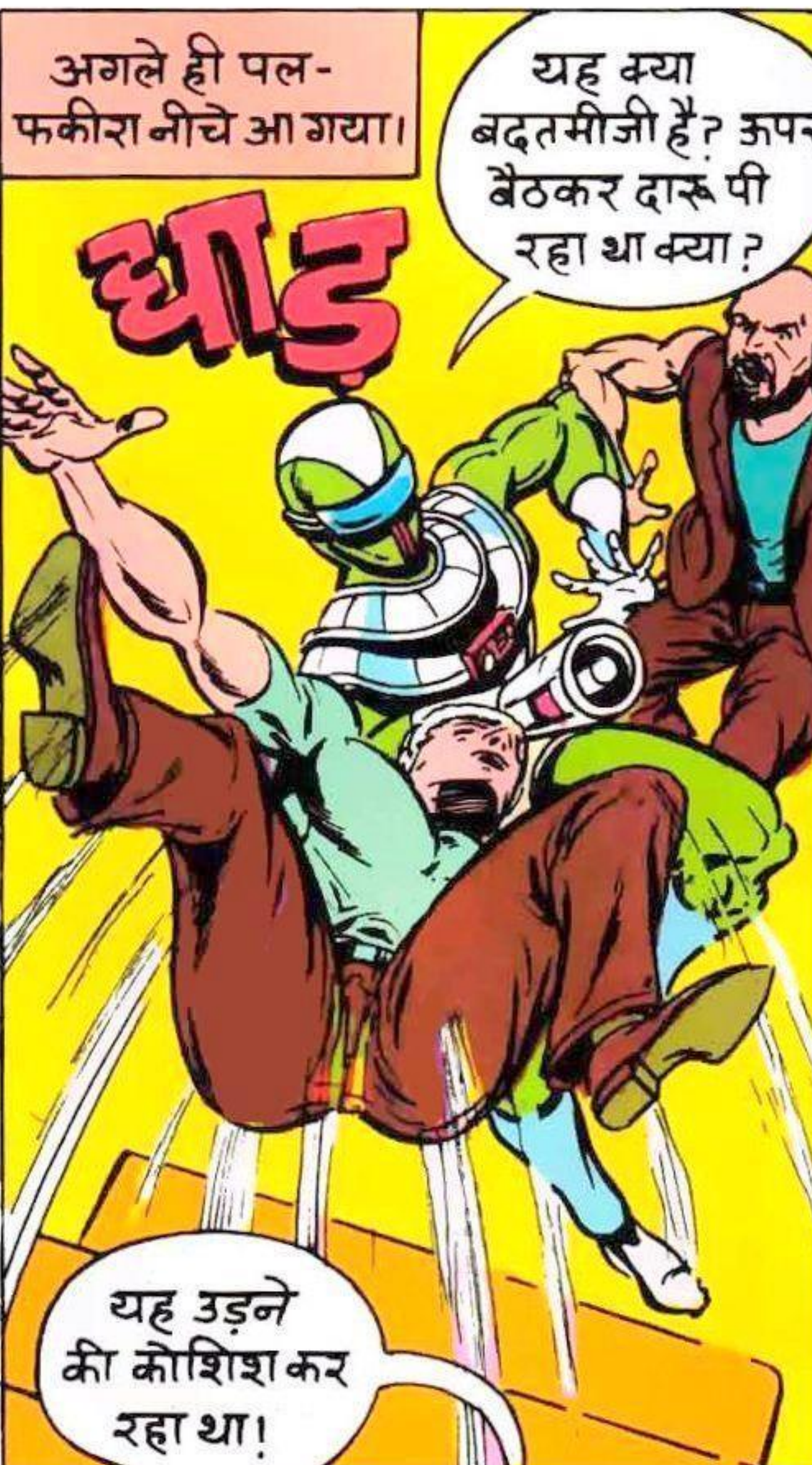
अगले ही पल-फकीरा नीचे आ गया।
यह क्या बदतमीजी है? ऊपर बैठकर दारू पी रहा था क्या?
धाड़
यह उड़ने की कोशिश कर रहा था!

उसी कोशिश में बेचारा नीचे गिर गया।
ध्रुव!

तु...तु... तुम मरे नहीं ?
मारने वाला और बचाने वाला तो ऊपर बैठा है, ध्वनिराज। और मुझे यह देखना है कि उसने तुम्हारे लिए क्या सजा तय की है।
पकड़लो इसे !
पकड़ने तो मैं तुमलोगों को आया हूं।
तड़ाक
धाड़
टिरं
ताड़
ठक
आ ा ऊ!
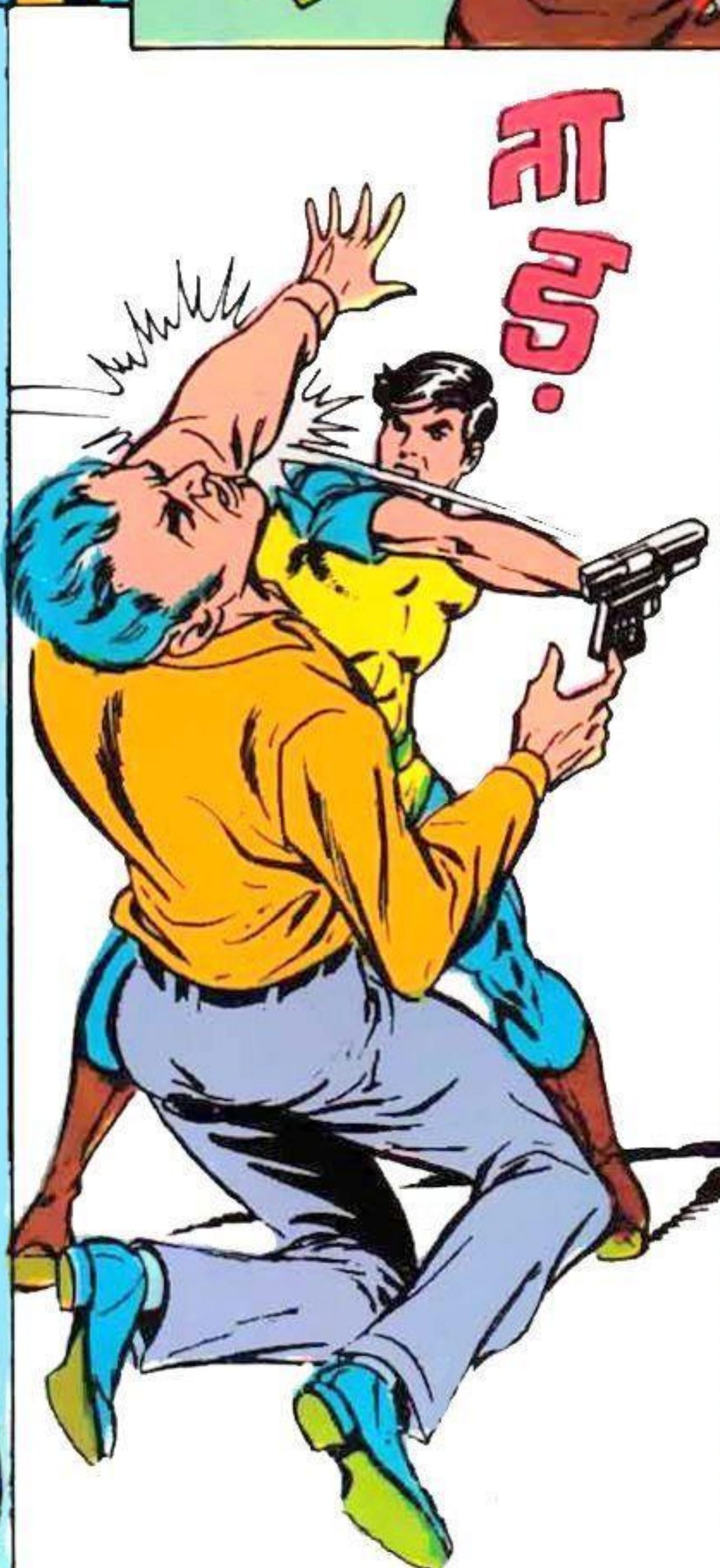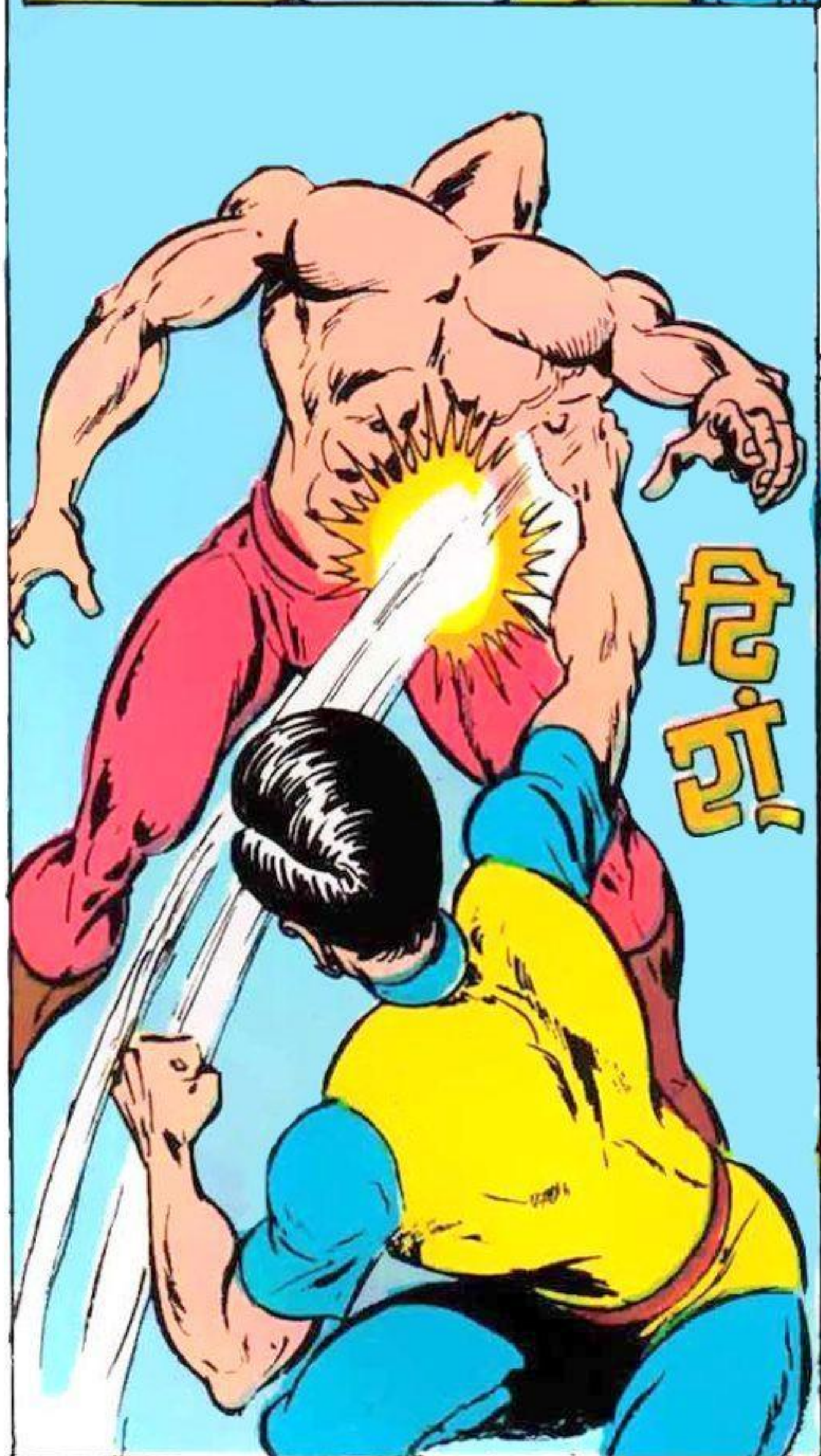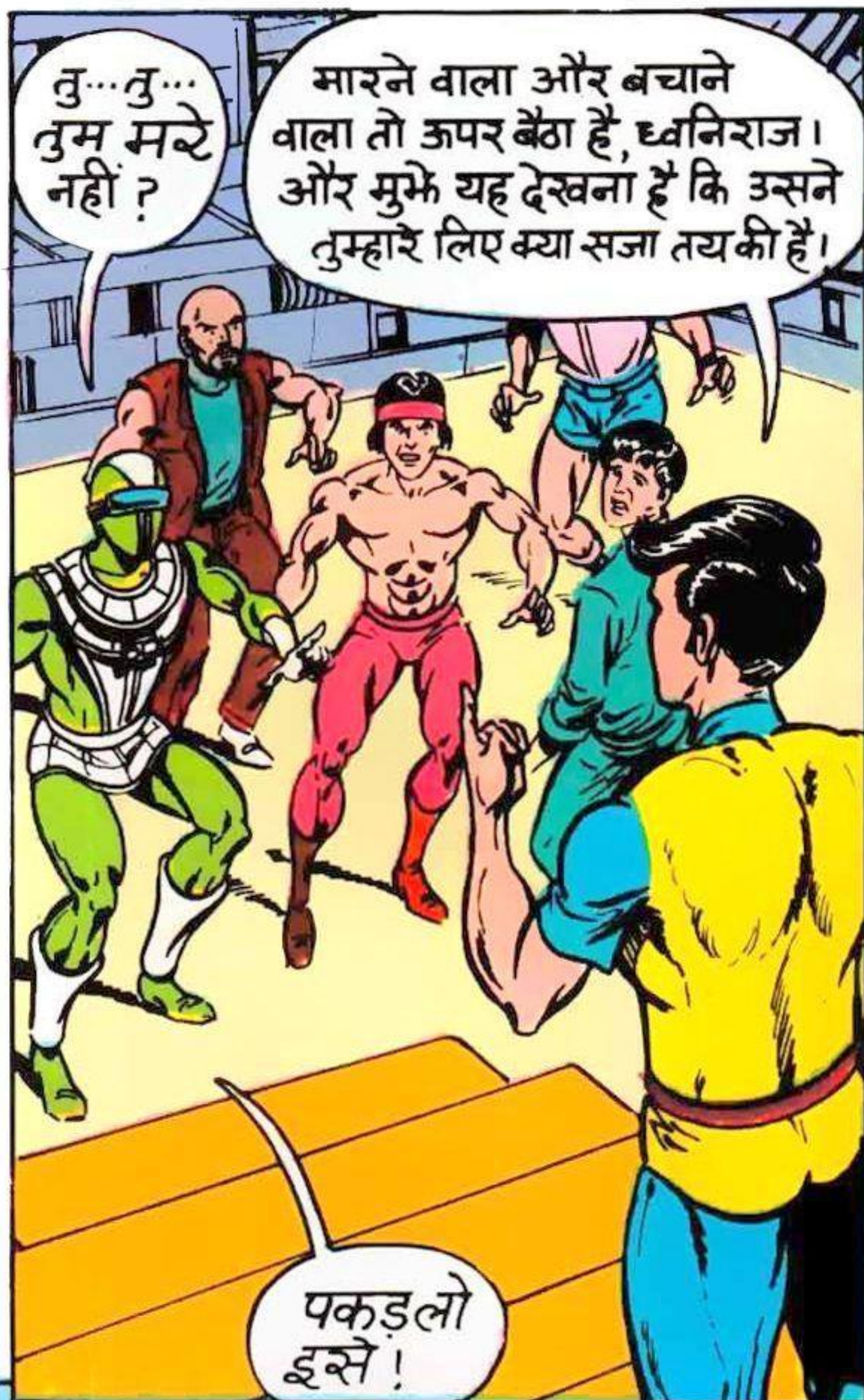
काड़ाक
धड़ाक
ये लोग अपनी सारी कोशिशों के बावजूद ध्रुव को नहीं रोक पाएंगे!
लेकिन इससे मुझे वह थोड़ा सा समय मिल जाएगा,...
...जिसमें मैं इसको रोकने का इंतजाम कर लूंगा!
पर इससे अंजान, ध्रुव ध्वनिराज के गुंडों को, बेहोशी की दुनिया में, पहुंचाने में व्यस्त था।
ध्वनिराज की उंगलियां तेजी से रंगीन बटनों पर फिसलने लगीं।

ध्रुव का हथौड़े जैसा घूंसा आखिरी गुंडे के जबड़े से टकराया।
और साथ ही साथ ध्वनिराज की आवाज गूंजी
तड़
रुक जाओ, ध्रुव! वर्ना...
वर्ना तुम क्या कर लोगे, ध्वनिराज?
तुम मुझपर अपने सारे हथियार आजमा चुके हो। लेकिन वे सब बेकार रहे।
इसीलिए मैं इसबार अपना निशाना बदल रहा हूं।
यह तो तुम जानते ही हो कि इस 'अल्ट्रासोनिक तोप' से मैं राजनगर की कोई भी इमारत नष्ट कर सकता हूं।
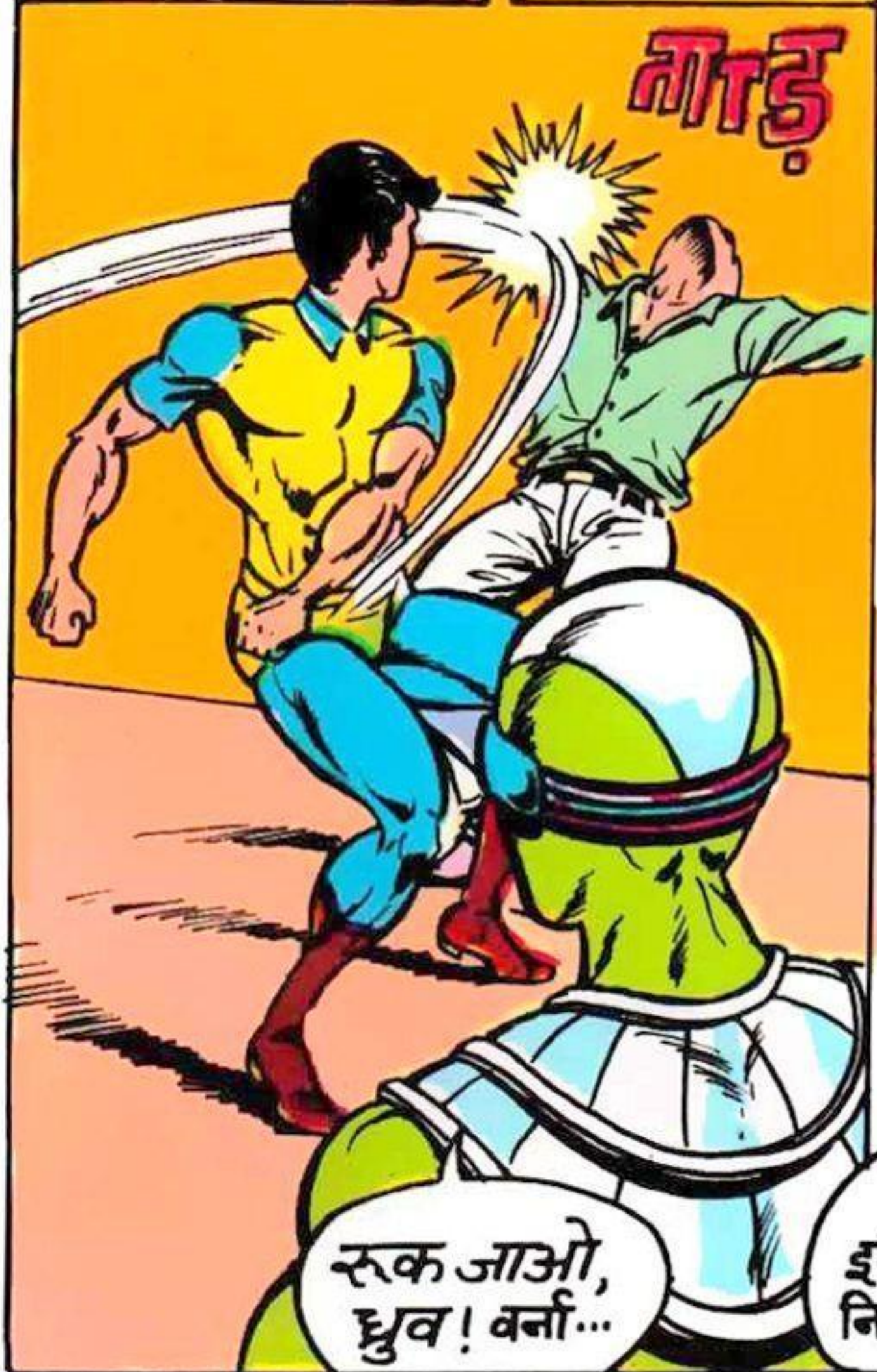
अब तुम सिर्फ यह देख लो कि इस वक्त मेरी तोप किस मकान पर सधी है!
यह तुम्हारा मकान है, बेटा! और यह बटन दबते ही यह मकान खत्म हो जाएगा!

और इसमें रहने वाले भी!
अब अगर तुम एक इंच भी इधर-उधर हिले, तो घबराहट में मेरी उंगली इस बटन पर दब जाएगी! और फिर ...
नहीं!
मैं यह रिस्क नहीं ले सकता! इस वक्त तो घर में मम्मी और श्वेता के साथ पापा भी होंगे।

ठीक है, ध्वनिराज! तुम जीते और मैं हारा!
अब बताओ कि तुम क्या चाहते हो?
तुम्हारी मौत!
एक धीमी और दर्दनाक मौत!
ध्वनिराज ने एक डायल को घुमाया -

और देखते ही देखते - एक चमकदार खोल ने ध्रुव के शरीर को अपने अंदर कैद कर लिया।

यह क्या है?

ताकत लगानी बेकार है, प्यारे ध्रुव! इस बंधन को कोई भी तोड़ नहीं सकता!

यह बंधन ठोस ध्वनि-तरंगों का बना हुआ है।

और अब यह ऊर्जा-बंधन धीरे-धीरे तुम्हारे शरीर पर तब तक कसता ही जाएगा ...

मेरा दम घुट रहा है। सारे शरीर की नसें फटती लग रही हैं।
यह यंत्रणा मैं ज्यादा देर नहीं सह पाऊंगा!
ध्रुव की तरफ मौत एक-एक कदम कर के बढ़ रही थी।

तभी एक उड़ता हुआ चाकू, अल्ट्रासोनिक तोप में लगे 'कोरखाब के हीरे' से टकराया।
और हीरा हवा में उछलकर-
टक
छनाक

सीधे चंडिका के हाथ में जा गिरा।
अगर मेरा ख्याल सही है तो यह हीरा ही तुम्हारी तोप की असली ताकत है!
और इसके हटते ही तुम्हारी मशीन बेजान हो जाएगी!

चंडिका खुद एक वैज्ञानिक थी। और उसका ख्याल एकदम सही था।
हीरे के मशीन से अलग होते ही, ध्रुव को कैद करने वाला ध्वनि तरंगों का खोल भी गायब होने लगा।
चंडिका, तुम यहां तक कैसे पहुंच गई?
मेरे पैरों की तरफ देखोगे, तो खुद ही समझ जाओगे!

ये पंजे! यानि वह विशालकाय बाज तुम ही थीं?
वह बाज नहीं, इंजन लगा एक हैंड ग्लाइडर है!
मैं जानती थी कि पहाड़ी रास्ते पर तुमको मेरी जरूरत जरूर पड़ेगी!

तुमने चंडिका पर वार करके मेरे दिल मे रही-सही दया भी खत्म कर दी है, ध्वनिराज!

अब तुम अपने पैरों पर चलकर जेल नहीं जा पाओगे।

टिंग

क्रुद्ध ध्रुव के वार तो दीवार में भी छेद कर देने के लिए काफी थे।

ध्वनिराज का जबड़ा तो हाड़-मांस का बना था।

पर ध्वनिराज के लिए भी यह आखिरी मौका था।

ताड़

और उसकी छोटी 'अल्ट्रासोनिक गन' अभी सही सलामत थी।

एक ध्वनि-तरंग ध्रुव की तरफ लपकी।
लेकिन क्रोध में भी ध्रुव ने अपने होशोहवास नहीं खोए थे।
ध्वनि-तरंग से बचने के लिए वह तेजी से एक तरफ हटा।

और ध्वनिराज आजाद हो गया।
अब वह पागलों की तरह, ध्रुव पर ताबड़तोड़ वार करता जा रहा था। और यह नहीं देख रहा था...
कड़ाड़
कड़ाक

..कि उसके वार कहां लग रहे हैं।
मेरी मशीन!
मेरी अल्ट्रासोनिक तोप!
मैंने अपनी पंद्रह सालों की मेहनत को अपने ही हाथों से तबाह कर दिया!!
और ऐसा करने के लिए, तूने मुझे मजबूर किया!

अब मैं तुझे जिंदा नहीं छोडूंगा।
तुम बहुत आशावादी हो, ध्वनिराज! लेकिन ऐसा होना मुश्किल है।
मेरा, तुमसे मार खाने का एकमात्र मकसद, तुम्हारी मशीन को तुम्हारे ही हाथों से तबाह करवाना था।
और अब मुझे...

..तुम्हारी दूसरी मशीन को नष्ट करना है!
ध्वनिराज का हाथ एक और घातक ध्वनि-तरंग का वार करने के लिए उठा।-

और उसी पल ध्रुव आगे लपका।
उसको इसी क्षण का इंतजार था।
उसने ध्वनिराज का हाथ उसकी ही छाती पर लगे 'कंट्रोल-पेनल' की तरफ मोड़ दिया।
ध्वनि-तरंग का वार, अपने ही कंट्रोल पेनल पर हुआ। और एक धमाके के साथ पेनल के चीथड़े उड़ गए।
घातक ध्वनि-तरंग तब तक चल चुकी थी।
किर्र्र्र्र
बड़ाम्म्म
और तभी-पूरा वातावरण सायरनों से गूंज उठा।
धमाके के धक्के ने ध्रुव को भी दूर फेंक दिया।
ध्वनिराज की 'अल्ट्रासोनिक गन' भी तबाह हो गई थी।
पुलिस!
पुलिस आ गई!!

ध्वनिराज तेजी से छत की तरफ भागा।
और उसके पीछे लपकता हुआ ध्रुव, चंडिका को देखकर रूक गया।
चंडिका, तुम ठीक तो हो न?
मैं ठीक हूं। तुम मेरी चिंता छोड़ो!
ध्वनिराज भाग रहा है! तुम उसको रोको।
वह भाग कर कहीं नहीं जा पाएगा, चंडिका!
चारों तरफ पुलिस का घेरा है।
लेकिन छत पर पहुंचते ही ध्रुव का सोचना गलत साबित हो गया।
ओह! तो ध्वनिराज ने अपने भागने का इंतजाम कर रखा था।
घबराओ मत, ध्रुव।
मैं इसको भागने नहीं दूंगी।
थोड़ी ही देर में -
इसके गुब्बारे में एक छेद इसको नीचे उतारने के लिए काफी...ओह! यह मुझपर 'ब्लो-टॉर्च' से हमला कर रहा है!
हिस्स
'ब्लो टॉर्च' की तेज लपट ने बाज के एक पर को जला दिया।
और चंडिका को मजबूर होकर ध्वनिराज का पीछा करने का इरादा छोड़ देना पड़ा।
शुक्र है, कि पर को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है!
लेकिन अब मैं इसका पीछा नहीं कर सकती।
अब मुझे नीचे उतरना होगा!

और फिर- सिविल लाइंस के एक फ्लैट में-

अब मेरे पास ज्यादा वक्त नहीं है।

अब मुझे जल्दी से जल्दी उसको खत्म करके और पोशाक पहनाकर यहां से निकल जाना चाहिए।

उसको मैंने इसी कमरे में बंद कर के रखा…

अरे! कमरा तो खाली है!

खाली तो होगा ही!

क्योंकि तुम्हारे असिस्टेंट नायर को हमने आजाद करा दिया है…

…प्रोफेसर काले उर्फ ध्वनिराज!

धु… धु… ध्रुव! तुम यहां… (गुटक) यहां पर… ?

हां, मैं यहां पर!

तुमने अपनी ही हत्या तो बहुत खूब की थी, काले! लेकिन तुम्हारी लाश का एक भी टुकड़ा न मिलने से मुझे पूरा यकीन नहीं हुआ था।

और फिर हमेशा की तरह चंडिका वहां से छू-मंतर हो ली—

फिर बाद में –
श्वेता, ये ले तेरा इयर-फोन!
और ये तेरे लिए दो हजार रुपए!

इयर फोन तो लाओ इधर, कंजूस!
और अपने पैसे अपने पास संभाल कर रख लो!
क्योंकि अब मेरे पास... पांच हजार रुपए हैं।
अरे, इतने पैसे तेरे पास कहां से आए?

बिजनेस से, मि० ध्रुव!
अच्छा! तेरे साथ कौन बिजनेस करने लग गया?
तुम्हारी दोस्त, चंडिका। उसको पुलिस ने ध्वनिराज को पकड़वाने के लिए पांच हजार रुपए इनाम में दिए थे। जो उसने मुझे दे दिए।

बड़े दानी से पाला पड़ गया है तुम्हारा!
उसने किस खुशी में ये पैसे आपको दान में दिए?
दान लिया करो तुम! मैंने तो उसको अपना एक महान आविष्कार किराए पर दिया था! एक ग्लाइडर बाज!
यानि तू उसे जानती है!
पर चंडिका को इसके बारे में कैसे पता चला?
तो वह बाज तूने बनाया था?

हां, जानती हूं।
तो बता न, कौन है वह?
वह एक लड़की है!
ओफ!

और तुम कौन होते हो यह सब पूछने वाले? मेरे दोस्तों से तुमको क्या मतलब? मैं दो दिन से पैसे मांग रही थी और तुमने.. चांय ... चांय... चांय... चांय।

हे भगवान! इसकी चांय-चांय की आवाज से तो ध्वनिराज की पराध्वनि तरंगें ज्यादा अच्छी थीं।
समाप्त

435

64

54

56

66

Team R6J...

77

265

02

63

67